@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 22 जून 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 214 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तेजस्वी यादव नीट पेपर लीक जांच में पूछताछ के लिए तैयार

पटना, 21 जून। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के द्वारा तेजस्वी यादव के आप्त सचिव प्रीतम कुमार का नाम नीट पेपर लीक मामले में आने पर तेजस्वी यादव ने भाजपा पर मामले को डाइवर्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा मामले को

डाइवर्ट करना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नीट धांधली मामले में अगर प्रीतम कुमार का नाम आता है तो उनको उनको बुलाकर पूछताछ कर लिया जाय। तेजस्वी ने कहा है की जरूरत इस बात की है तो बुला कर पूछताछ कर ले जो भी दोषी है, उन्हें गिरफ्तार करें। अगर इन लोगों से नहीं हो रहा है तो मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बोल देता हूं कि जो भी दोषी हैं उनको गिरफ्तार करें। तेजस्वी ने सीधा तौर पर कहा कि जो इंजीनियर गिरफ्तार हुआ है वह बेनिफिशियरी हो सकता है लेकिन मास्टरमाइंड अमित आनंद और मास्टरमाइंड नितेश कुमार है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने फोटो भी साझा कर दिया है। तेजस्वी यादव ने उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें कोई ज्ञान नहीं है। तेजस्वी यादव ने सिस्टम पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि शिक्षक भर्ती के जो आरोपी थे वह बिना जेल गए बाहर-बाहर बिल भी ले लिया। हम लोगों को सारी जानकारी है। तेजस्वी ने कहा कि पूरे मामले को डायवर्ट कर हमसे जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम तो कह ही रहे हैं कि जिनको जो जांच करनी है, कर ले। अंतिम में तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को घेरते हुए कहा कि जब से प्रधानमंत्री बिहार का लगातार दौरा कर रहे हैं तब से बिहार में पुल गिर रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि और कुछ ना कुछ हो ही रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री हर मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं।

जबतक अतिरिक्त पानी नहीं, तबतक आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन

सिम्मी कौर बब्बर

दिल्ली, 21 जून। राजधानी में जल संकट का सियासी संग्राम अनशन तक जा पहुंचा है। हरियाणा से अतिरिक्त पानी की मांग को लेकर भोगल के जंगपुरा स्थित सैनी चौपाल में शुक्रवार से दिल्ली की जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गई हैं। इसमें आप सांसद, विधायक व पार्षद भी उनका साथ दे रहे हैं। दावा है कि जब तक दिल्ली का जल संकट दूर नहीं होता, अनशन जारी रहेगा। उधर, अनशन शुरू करने से पहले आतिशी ने राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेता भी शामिल रहे। इसके बाद वह केजरीवाल के परिवार से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंची। यहां से निकलने के बाद वह अनशन स्थल पर पहुंचीं और अनशन शुरू किया। अनशन के बीच आतिशी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इसे लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी चिट्ठी लिखी है और हरियाणा से पानी न मिलने के मुद्दे पर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। इस भीषण गर्मी में हर किसी को पानी की जरूरत है। जब दिल्ली को पानी की अतिरिक्त जरूरत है, तब पानी की कमी हो गई है। दिल्ली पानी के लिए पड़ोसी रा यों पर निर्भर है। दिल्ली को रोजाना 1005 एमजीडी पानी मिलना चाहिए। इसमें से 613 एमजीडी पानी हरियाणा देता है, लेकिन पिछले दो हफ्ते से हरियाणा केवल 513 एमजीडी पानी ही दे रहा है। दिल्ली को अतिरिक्त पानी लेने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन हरियाणा सरकार ने नहीं दिया। लेकिन, राहत मिलने के बजाय पिछले दो दिनों से हरियाणा सरकार ने दिल्ली का 120

एमजीडी पानी रोक लिया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि एक मिलियन गैलन (एमजीडी) पानी से 28,500 लोगों को पानी मिलता है। यानी जब हरियाणा सरकार दिल्ली को 100 एमजीडी पानी नहीं देती है, तो दिल्ली के 28 लाख से यादा लोगों का पानी रुक जाता है। यही कारण है कि दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची है। लोग घंटों तक पानी का इंतजार कर रहे है। बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की सरकार से कहा कि यदि उनके पास अतिरिक्त पानी है, तो वो दिल्ली को दे दें। हिमाचल प्रदेश की सरकार पानी देने को तैयार भी हो गई, लेकिन हिमाचल प्रदेश का पानी भी हरियाणा से होकर आना था और हरियाणा सरकार ने उसके लिए भी मना कर दिया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई और कोर्ट ने भी माना कि दिल्ली में पानी का संकट है। आतिशी पानी की जंग के लिए अन्न त्याग कर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गई हैं। उन्होंने कहा कि वह अनशन में केवल पानी ही पिएंगी। उन्होंने कहा कि वह जबतक दिल्ली को अतिरिक्त पानी नहीं मिलता, तब तक ये अनिश्चितकालीन अनशन चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि ये संकल्प लिया है कि जबतक दिल्लीवालों को पानी नहीं मिलेगा, तब तक पानी का यह अनशन चलता रहेगा। वहीं, सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि जल संकट के पीछे भाजपा जिम्मेदार है। उन्होंने वजीराबाद बैराज की तस्वीरें भी दिखाईं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस लड़ाई में उनका साथ दें। जल मंत्री ने अनशन स्थल पर पहुंचकर महात्मा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया और फिर पानी सत्याग्रह पर बैठ गईं।

राजनीति में आतंकवाद को जगह देना गलत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 21 जून। भारत के बार-बार कहने के बावजूद कनाडा अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल कनाडा की सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों को लुभाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। ताजा मामला हरदीप सिंह नि जर से जुड़ा है। कनाडा की संसद में आतंकी हरदीप सिंह नि जर की याद में मौन रखा गया, जिसके जवाब में भारत ने भी कनाडा को उसी भाषा में जवाब दिया है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नि जर की याद में मौन रखने की निंदा की है। जायसवाल ने कहा 'हम राजनीति में आतंकवाद को स्थान देने वाले किसी भी कदम का विरोध करते हैं।' खालिस्तानी आतंकवाद पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा ' हमने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि खालिस्तानी गतिविधियां हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। हम बार-बार कनाडा सरकार से कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं।' जायसवाल ने कहा कि कनाडा में चरमपंथियों को राजनीतिक छूट दी गई है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हरदीप सिंह नि जर पंजाब के जालंधर

से साल 1997 में फर्जी पासपोर्ट पर कनाडा गया था। हालांकि नि जर के शरणार्थी के दावे को कनाडा की सरकार ने खारिज कर दिया था। इसके बाद नि जर ने कनाडा में शादी करके वहां की नागरिकता लेने की कोशिश की, लेकिन कनाडा सरकार ने फिर से उसका आवेदन खारिज कर दिया। हालांकि बीते साल जब नि जर की गोली मारकर हत्या की गई तो कनाडा की सरकार ने नि जर को कनाडा का नागरिक बताया। नि जर की हत्या के मामले में कनाडा की पुलिस ने तीन भारतीय युवकों को गिरफ्तार किया है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणरा य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। इस मामले में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि निखिल गुप्ता को 14 जून को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। उन्होंने कहा 'अभी निखिल गुप्ता की ओर से हमें राजनयिक पहुंच से जुड़ा किसी भी तरह का आवेदन नहीं मिला है। हालांकि, उनका परिवार हमारे संपर्क में है। हम इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि निखिल गुप्ता के परिवार की तरफ के अनुरोध के बाद क्या कदम उठाए जा सकते हैं।' रणधीर जायसवाल ने फ्रांस के एक पत्रकार सेबेस्टियन फार्सिस के वीजा परमिट नवीनीकृत न होने के बाद भारत छोड़ने के दावे पर बयान दिया।

केंद्र से पहले लाना होगा राजस्थान का बजट

राजस्थान, 21 जून। राजस्थान की नई भजनलाल सरकार का पहला बजट सत्र तीन जुलाई से प्रस्तावित है। माना जा रहा था कि सरकार 10 जुलाई को अपना बजट पेश करेगी, लेकिन अब एक अजीब स्थिति बन गई है। दरअसल केंद्र सरकार का बजट 25 जुलाई के आस-पास आना है। अब केंद्र के बजट से पहले रा य सरकार बजट पेश करती है तो केंद्रीय बजट से इस वित्तीय वर्ष में मिलने वाली राशि का सही आकलन नहीं हो सकता है। समस्या ये है कि मौजूदा सरकार का पहला बजट होने के चलते इसमें कई बड़े एलान होने हैं। सरकार ने अब तक पिछली सरकार की योजनाओं को बदला है। इसके अलावा नई योजनाओं का एलान भी करना होगा। इस सब के लिए नए सिरे से प्रावधान करने होंगे। यदि केंद्र की तरफ से राशि में कटौती यादा हो जाती है तो उसी के अनुसार इन योजनाओं का खर्च भी घटना पड़ सकता है। ऐसे में बजट सत्र में विपक्ष इसे मुद्दा भी बना सकता है। केंद्र सरकार यदि जुलाई के अंतिम सप्ताह में बजट पेश करती है तो रा य सरकार उसके बाद अपना बजट नहीं ला सकती है। इसके पीछे कारण ये है कि रा य सरकार का बजट पारित होने में कम से कम 14 वर्किंग-डे लगते हैं। इसमें बजट पेश करने के बाद बजट पर बहस, वित्त मंत्री का रिप्लाई, कट मोशन व अनुपूरक अनुदान मांग जैसी प्रक्रियाएं पूरी करनी होती हैं। वहीं केंद्र सरकार में बजट पेश करने के बाद कट मोशन की प्रक्रिया संबंधित मंत्रालियों की कमेटियों को दी जाती है। इसलिए केंद्र सरकार का बजट जल्दी पारित हो जाता है। रा य सरकार जनवरी में वोट ऑन अकाउंट पेश कर चुकी है। कांग्रेस की सरकार में वित्त मंत्री व पिछली गहलोत सरकार में रा य वित्त आयोग के चेयरमैन रह चुके पूर्व विधायक प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि वोट ऑन अकाउंट सिर्फ एक बार लिया जा सकता है वह भी लिमिटेड पीरियड के लिए। इसलिए अब सरकार को फुल बजट ही पेश करना होगा।

पीएम मोदी पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे: राहुल

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 21 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को यूजीसी नीट यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने इसे लेकर केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी का नाम लेकर हमला बोला। राहुल ने कहा, सभी शिक्षण संस्थानों को भाजपा के लोगों ने कैप्चर कर रखा है। जब तक इन्हें मुक्त नहीं कराया जाएगा, तब तक यह चलता रहेगा। पीएम मोदी इस लीक को रोक नहीं पाए। एक परीक्षा में गड़बड़ियों के बाद आप रद्द कर चुके हैं, पता नहीं दूसरे को रद्द किया जाएगा या नहीं। लेकिन कोई न कोई तो इसके लिए जिम्मेदार है और इसके लिए किसनी न किसी को तो पकड़ा जाना चाहिए। राहुल ने कहा, नीट पेपर और यूजीसी-नेट के पेपर लीक हुए हैं। कहा जा रहा था कि नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन की लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल और गाजा की लड़ाई को भी नरेंद्र मोदी ने रोक दी थी। लेकिन किसी न किसी कारण में हिंदुस्तान में जो पेपर लीक हो रहे हैं उन्हें नरेंद्र मोदी नहीं रोक पा रहे

या फिर रोकना नहीं चाहते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके मातृत्व संगठन से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में हुए व्यापमं घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस के कार्य को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए किया जाएगा एआई का उपयोग

मुंबई, 21 जून। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आर्टिफिशियल इंटलीजेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि रा य में यातायात प्रबंधन के मुद्दों के समाधान और अधिक प्रभावी व कुशल पुलिसिंग के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग किया जाएगा। रा य गृह मंत्रालय की एक बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। फडणवीस ने कहा, आईआईएम नागपुर ने महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से अधिक प्रभावी व कुशल पुलिसिंग के लिए एआई के इस्तेमाल को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की। उन्होंने आगे कहा, एक सरकारी कंपनी बनाया जाएगा। परियोजना जल्द ही शुरू होगी। अपराधियों और अपराध की प्रकृति का विश्लेषण किया जाएगा। इससे साइबर अपराध पर डेटा विश्लेषण भी किया जा सकेगा। यातायात प्रबंधन के मुद्दों का हल निकाला जा सकता है। अलग-अलग इकाइयों के लिए मॉड्यूल तैयार किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अक्तूबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कारण चल रहे पुलिस भर्ती अभियान में देरी हो सकती है। जहां बारिश हो रही है, वहां आउटडोर फिजिकल टेस्ट के लिए अगली तारीखों की घोषणा कर दी गई है।

दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचीं शेख हसीना

नई दिल्ली, 21 जून। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने दो दिवसीय भारत दौरे पर भारत पहुंच चुकी हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर विदेश रा य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने उनका स्वागत किया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार पदभार संभालने के बाद यह किसी विदेशी नेता का पहला भारत दौरा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पीएम हसीना बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की एक उड़ान में सवार होकर हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुई थीं। भारत पहुंचने के बाद बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना और पीएम मोदी के बीच बैठक होगी। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी होग। शेख हसीना के इस दौरे के दौरान ढाका और दिल्ली के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया जाएगा। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर भी बातचीत होने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों में अनेक सीमा-पार परियोजनाओं को लॉन्च किया गया है। बता दें कि इससे पहले शेख हसीना पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुई थीं। बांग्लादेशी पीएम का यह 15 दिनों के भीतर दूसरा भारत दौरा है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार की शाम को शेख हसीना से मुलाकात करेंगे। शनिवार की सुबह राष्ट्रपति भवन में शेख हसीना के स्वागत में रेड कार्पेट बिछाया जाएगा। इस दौरान दोनों देशों के राष्ट्रगान बी बजाए जाएंगे। शेख हसीना को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। दोपहर में पीएम हसीना उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात करेंगी।

अल्पमत में सरकार नहीं कांग्रेस है: सीएम सैनी

सौरभ शर्मा

भिवानी (हरियाणा), 21 जून। भिवानी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अल्पमत में हरियाणा सरकार नहीं, कांग्रेस है। साथ ही उन्होंने सरकार अल्पमत में होने के कांग्रेस के दावे को भ्रामक बताया और दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाएगी। वे भिवानी में शुक्रवार को मीडिया से रूबरू हुए। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी में ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल व दयालु योजना के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित करते हुए कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ वित्त मंत्री जेपी दलाल, सांसद चौधरी धर्मबीर, रा य मंत्री बिशंभर बाल्मीक और किरण चौधरी साथ में मंच पर मौजूद रही। इस दौरान सीएम नायब सैनी ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल व दयालु योजना के कुछ पात्र लोगों को राशि भेंट कर बाकी हजारों लोगों के खाते में बटन दबा कर राशि डाली। भिवानी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम की खास बात यह रही कि कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में आई किरण चौधरी ने पहली दफा मुख्यमंत्री के साथ मंच सांझा किया। किरण जब मंच पर आई तो चौ. धर्मबीर सिंह सीएम के बराबर में बैठे थे। चौ. धर्मबीर सिंह ने किरण के लिए अपनी कुर्सी छोड़ी और अपनी जगह उन्हें सीएम के बराबर में बैठा दिया। इसके बाद वे अगली कुर्सी पर खुद बैठ गए। कुर्सी सांझा करने के बाद किरण और चौ. धर्मबीर

की कुछ क्षण बात भी हुई। बतां दे कि चौ. धर्मबीर सिंह बंसीलाल परिवार के राजनीतिक धुरविरोधी माने जाते रहे हैं। लेकिन अब एक पार्टी में आने के बाद माहौल बदला-बदला नजर आया। इससे पहले हवाई पट्टी पर भी पूर्व कैबिनेट मंत्री किरण अपनी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी के साथ सीएम नायब सैनी का स्वागत करने पहुंची थी। सीएम के कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद की चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी के मंच पर जगह न मिलने से वह जाने लगीं तो स्थानीय विधायक घनश्याम सर्राफ भी उन्हें मनाने मंच से चले गए। काफी देर बाद जब सीएम मंच पर पहुंचे तो भवानी को मनाकर साथ लेकर विधायक मंच पर दोबारा पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किसी भी प्राकृतिक आपदा के दौरान किसान या गरीब को हुए नुकसान के समय सरकार साथ खड़ी है। वहीं नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा हरियाणा सरकार अल्पमत होने को लेकर रा यपाल को सौंपे ज्ञापन कहा कि अल्पमत में सरकार नहीं कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर सत्र में ऐसा राग अलाप कर भ्रामक प्रचार करती है। सीएम ने कहा कि जब हमने बहुमत साबित किया तब भूपेन्द्र हुड्डा खुद मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सरकार पूर्ण बहुमत में हैं और किसान व गरीब के हित व विकास के काम करने में लगी है। किरण चौधरी के कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने पर नायब सैनी ने कहा कि इस परिवार ने कई साल कांग्रेस और हरियाणा को मजबूत किया। अब ये पूरा परिवार भाजपा के साथ आया है को भाजपा को मजबूती मिलेगी।

भाजपा से मिलकर कांग्रेस को खत्म कर रहे हुड्डा: अभय चौटाला

रोहतक (हरियाणा), 21 जून। हरियाणा के रोहतक में इनेलो नेता अभय चौटाला ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा से मिलीभगत करके कांग्रेस को खत्म करने का प्लान बना रखा है। ऐसे में कांग्रेस के एक-एक वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के खिलाफ करनाल में कमजोर प्रत्याशी उतरना और अब रा यसभा के सदस्य के चुनाव में प्रत्याशी खड़ा न करने की घोषणा करना इसका स्पष्ट उदाहरण है। किरण चौधरी के बाद अब कांग्रेस के कुलदीप शर्मा, कैप्टन अजय यादव व करण सिंह दलाल के नाम की चर्चा चल रही है। अभय चौटाला शुक्रवार को रोहतक पहुंचे और रुपया चौक पर पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि लोकसभा चुनाव के अलग मुद्दे होते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव के अलग होते हैं। लोकसभा चुनाव के परिणामों का विधानसभा चुनाव में कोई असर नहीं पड़ेगा। दावा किया कि अगली सरकार इनेलो की बनेगी। साथ ही चौटाला ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे दिन रात मेहनत करें और पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाएं। बैठक के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए इनेलो प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधा। कहा कि भाजपा के साथ मिलीभगत कर हुड्डा कांग्रेस को कमजोर करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत, अशोक तंवर, अरविंद शर्मा, कुलदीप बिश्नोई सहित वरिष्ठ नेताओं को इतना मजबूर किया गया कि उन्हें कांग्रेस छोड़नी पड़ी। अब यहीं हाल किरण चौधरी व उसकी बेटी श्रुति चौधरी का किया गया, जिसके चलते उन्हें कांग्रेस को अलविदा कहना पड़ा। चौटाला ने कहा कि यह बात साफ है कि ईडी व सीबीआई के डर से पूर्व सीएम हुड्डा जेल जाने के भय के कारण भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। जजपा को लेकर अभय चौटाला ने कहा कि जिस पार्टी का वजूद ही नहीं बचा, इस बारे में किसी तरह की बात करना ठीक नहीं है। साथ ही उन्होंने दावा किया प्रदेश में अगली सरकार इनेलो की बनेगी। इस अवसर पर इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि कांग्रेस व भाजपा के कुशासन को प्रदेश की जनता अब बर्दाश्त नहीं करेगी।

धरती के स्वर्ग में पीएम मोदी ने किया योग

नरेश मल्होत्रा

जम्मू कश्मीर, 21 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया योग की शक्ति को मानती है। विश्व योग को वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली एजेंट के रूप में देखता है। यह लोगों को अतीत के बोझ को ढोए बिना वर्तमान में जीने में मदद करता है। श्रीनगर के एसकेआईसीसी में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने यह बातें कहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग ने लोगों को यह एहसास दिलाया है कि उनका कल्याण उनके आसपास की दुनिया के कल्याण से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, विश्व योग को वैश्विक भलाई के एक शक्तिशाली एजेंट के रूप में देख रहा है। योग हमें अतीत के बोझ को ढोए बिना वर्तमान क्षण में जीने में मदद करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब हम अंदर से शांत होते हैं, तो हम दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव भी डाल सकते हैं...योग समाज में सकारात्मक बदलाव के नए तरीके बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में योग करने वालों की संख्या हर दिन बढ़ रही है और यह दिनचर्या उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। पीएम ने कहा, योग करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मैं जहां भी जाता हूं, शायद ही कोई (अंतरराष्ट्रीय) नेता हो जो मुझसे योग के लाभों के बारे में बात न करता हो। पीएम मोदी ने तुर्कमेनिस्तान, सऊदी अरब, मंगोलिया और जर्मनी का उदाहरण देते हुए कहा, कई देशों में योग लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है। ध्यान का यह प्राचीन रूप वहां तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने 101 वर्षीय फ्रांसीसी महिला चार्लोट चोपिन का भी जिक्र किया, जिन्हें अपने देश में योग को लोकप्रिय बनाने में उनकी सेवाओं के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग के वैश्विक प्रसार ने इसके बारे में धारणा में बदलाव किया है क्योंकि अधिक लोग इसके बारे में प्रमाणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए भारत की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अब उत्तराखंड और केरल जैसे रा यों में योग पर्यटन देख रहे हैं। लोग भारत आ रहे हैं क्योंकि उन्हें प्रामाणिक योग देखने को मिलता है। डल झील के किनारे स्थित एसकेआईसीसी (शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र) के परिसर में पहले मुख्य समारोह का आयोजन होना तय था। लेकिन सुबह हुई तेज बारिश के चलते कार्यक्रम को

एसकेआईसीसी के हॉल में शिफ्ट किया गया। ऐसे में कार्यक्रम करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। हालांकि समारोह के शुरू होने के साथ ही कुदरत भी मेहरबान हुई और बारिश रुकी। इसके बाद डल झील के किनारे उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के साथ योग कर यादगार पलों के साक्षी बने। उन्होंने कहा, लोग अब फिटनेस के लिए निजी योग प्रशिक्षकों को नियुक्त कर रहे हैं और कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए मन और शारीरिक फिटनेस कार्यक्रमों में योग को शामिल कर रही हैं। इसने आजीविका के नए रास्ते खोले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग आज लोगों के सामने आने वाली कई समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। योग केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि विज्ञान भी है। सूचना क्रांति के इस युग में सूचना स्त्रोतों की बाढ़ आ गई है और मानव मन के लिए एक विषय पर ध्यान केंद्रित करना एक चुनौती है। इसका समाधान भी योग में है क्योंकि यह मन को केंद्रित करने में मदद करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना से लेकर खेल जगत तक ने योग को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष परियोजनाओं पर काम करने वाले लोगों को भी योग का प्रशिक्षण दिया जाता है क्योंकि इससे उत्पादकता के साथ-साथ सहनशीलता भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि कई जेलों में कैदियों को भी योग सिखाया जाता है ताकि वे सकारात्मक चीजें सोच सकें।

किशिदा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

एजेंसी
टोक्यो। जापान की विपक्षी कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (सीडीपी) ने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की कैबिनेट के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिस पर मतदान होने की उम्मीद है। जापानी मीडिया ने मसौदा प्रस्ताव के हवाले से यह जानकारी दी। जापानी प्रसारक 'एनएचके' ने मसौदा दस्तावेज के हवाले से कहा, प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के गुटों के राजनीतिक फंड के बारे में सच्चाई को सामने नहीं लाया है और रिश्वत प्रथा के उभरने की समस्या के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा है।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी हाईलैंड पापुआ प्रांत में शुक्रवार सुबह भूकंप के मध्यम स्तर के झटके महसूस किये गये। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह 07:11 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 मापी गयी।

भूकंप का केंद्र यालिमो रीजेंसी से 68 किलोमीटर उत्तर पूर्व और पृथ्वी की सतह से 78 किलोमीटर की गहराई पर रहा। भूकंप के झटकों से बड़ी लहरें उत्पन्न होने की आशंका नहीं थी, इसलिये सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गयी। प्रांतीय मौसम विज्ञान एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी कैरोलिन ने बताया कि भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली है।

भूटान जुलाई में 100 भारतीय शिक्षकों की नियुक्ति करेगा

थिम्पू। भूटान सरकार देश में एसटीईएम शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए जुलाई में भारत से करीब 100 शिक्षकों को नियुक्त करेगी।

एसटीईएम संवर्ग में वे शिक्षक होते हैं , विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयों को पढ़ाते हैं। भूटान के कुएन्सेल समाचारपत्र ने शिक्षा और कौशल विकास मंत्री यीज़ांग डी थापा के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।रिपोर्ट के मुताबिक सरकार जुलाई में 35 गणित शिक्षकों, 18 भौतिकी शिक्षकों, 19 रसायन विज्ञान शिक्षकों और 28 आईसीटी प्रवासी शिक्षकों को नियुक्त करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून तक भूटानी स्कूलों में 135 एसटीइएम शिक्षकों की कमी है, जिनमें गणित में 46, आईसीटी में 38, भौतिकी में 22 और रसायन विज्ञान में 29 शामिल हैं। पिछले वर्ष 1,263 शिक्षकों की कमी थी। गत जनवरी में कुल 187 शिक्षा शास्त्र (बी.एड) शिक्षकों की भर्ती की गई। इसके बाद मार्च से जून तक 646 अनुबंध शिक्षकों को नियुक्त किया गया, जिससे शिक्षकों की कमी 430 हो गयी। वहीं हाल ही में 247 शिक्षकों ने इस्तीफा दे दिया, जिससे शिक्षकों की कमी फिर से बढ़कर 677 हो गयी।

ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में महिला के हत्यारे पर आरोप तय

कैनबरा। आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में एक महिला की गोली मारकर हत्या करने तथा एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल करने वाले हमलावर को गिरफ्तार कर उस पर आरोप तय किये गये। क्वींसलैंड पुलिस ने बताया कि उनकी टीम स्थानीय समयानुसार शाम करीब 04:30 बजे साउथ मैके में रॉब प्लेस पर गोलीबारी घटना की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंची, जहां उन्होंने एक महिला को मृत पाया और एक व्यक्ति को गैर-जानलेवा चोटें लगी हुई थीं। घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि साउथ मैके की एक महिला (34) दो बच्चों के साथ एक गाड़ी में बैठी हुई थी, उसी दौरान, उसके पास साउथ मैके का एक व्यक्ति (31) आया। उसने महिला पर गोली चलायी। एक व्यक्ति (66) महिला को बचाने आया, तो उसने उस पर भी गोली चला दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमलावर मौके से फरार हो गया। गाड़ी में सवार बच्चे वहां से पैदल ही भाग निकले और दोनों सुरक्षित हैं। पुलिस ने उसी शाम करीब 05:20 बजे सार्वजनिक सुरक्षा संरक्षण अधिनियम (पीएसपीए) के तहत आपातकाल लागू कर दिया।

अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत की हिमायत की

वाशिंगटन। भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत की हिमायत करते हुए अमेरिका ने कहा है कि दोनों देश स्वयं सीधे संवाद की दिशा तय करेंगे। अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के साथ संबंधों को महत्व देने को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रेस वार्ता में कहा कि हम भारत-पाकिस्तान दोनों के साथ संबंधों को महत्व देते हुए दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका-भारत घनिष्ठ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध साझा करते हैं। दोनों देश हिंद-प्रशांत रणनीति पर काम करने वाले भागीदार बने रहेंगे।

ब्राजील में सशस्त्र हमले में सात लोगों की मौत

एजेंसी
रियो डी जेनेरो। ब्राजील में पूर्वोत्तर सिएरा राज्य के एक शहर के चौराहे पर हथियारबंद हमलावरों की ओर से किए गए हमले में कम से कम सात लोग मारे गए और दो घायल हो गए।

सैन्य पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। विकोसा डू सिएरा शहर के चौराहे पर लगे सुरक्षा कैमरों में कैद तस्वीरों में कई वाहन घटनास्थल पर आते हुए दिखाई दे रहे हैं। हथियारबंद संदिग्ध उनमें से उतरते हैं और कई लोगों को अपने सिर पर हाथ रखने के लिए मजबूर करते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उन्होंने कम से कम 50 गोलियों की आवाज सुनी, जिससे घटनास्थल पर सात लोग मारे गए, जिनमें पुरुष और महिलाएं शामिल थे। दो घायलों को नगरपालिका अस्पताल ले जाया गया।अधिकारियों ने हमले के पीछे कोई मकसद नहीं बताया है, लेकिन पाया है कि कम से कम एक मृतक ने टखने पर मॉनिटर

पहना हुआ था, जिसे आमतौर पर पैरोल पर या मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे लोग पहनते हैं। हमले के पीछे गिरोह युद्ध या संगठित अपराध प्रतिद्वंद्विता की आशंका है।

उल्लेखनीय है कि यह हाल के वर्षों में विकोसा डू सेरा में घटित हुयी हिंसा की दूसरी घटना है। इससे पहले दिसंबर 2021 में एक घर के अंदर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पाकिस्तान में कई प्रांतों में आया जोरदार भूकंप, हिलीं इमारतें

एजेंसी
इस्लामाबाद। ईरान के बाद अब पाकिस्तान की धरती भी भूकंप के जोरदार झटकों से हिल गई है। राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में 4.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए।इससे लोग डर कर अपने घरों के बाहर निकल आए और देर तक दोबारा अंदर नहीं गए। हालांकि, अभी तक जान-माल के नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में 98 किलोमीटर की गहराई में था।

बताया जा रहा है कि भूकंप के झटके इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर, स्वात, मलकंद, उत्तरी वजीरिस्तान, पाराचिनार, लोअर दीर, हांगू, चारसद्दा और स्वाबी सहित कई क्षेत्रों में महसूस किए गए। पाकिस्तान में अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं, क्योंकि मुल्क 'इंडियन और यूरेशियन 'टेक्टोनिक प्लेट' की सीमा पर स्थित है। दक्षिण एशिया का एक बड़ा हिस्सा भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय है, क्योंकि 'इंडियन टेक्टोनिक प्लेट उत्तर की ओर यूरेशियन प्लेट से टकराती हैं।इस महीने की शुरुआत में कराची के कुछ हिस्सों में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था। पाकिस्तान के गदप, कटोहर और मालिर जिले के आसपास के इलाकों सहित कई हिस्सों में दो मई को 2.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांतों के विभिन्न क्षेत्रों में 13

मार्च को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था। पाकिस्तान में साल 2005 में आए 7.4 तीव्रता के घातक भूकंप में 74,000 से अधिक लोग मारे गए थे। वहीं आज ही ईरान में भी भूकंप के जोरदार झटके लगे, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। इसकी तीव्रता 4.9 रही।

इटली में भारतीय खेतिहर श्रमिक समय पर इलाज नहीं मिलने से मौत

एजेंसी
रोम। इटली में खतों में काम करने वाले एक भारतीय श्रमिक की मौत हो हयी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीड़ित को कथित तौर पर एक दुर्घटना के बाद सड़क किनारे छोड़ दिया गया, जिसमें उसका हाथ कट गया और पैर कुचल गए। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार रोम के पास लाजियो में सब्जी के खेत में काम करते समय सतनाम सिंह भारी मशीनरी की चपेट में आकर घायल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार 30वर्षीय सिंह लगभग दो साल से इटली में एक अनिर्दिष्ट प्रवासी के रूप में रह रहा था और काम कर रहा था।

इतालवी मीडिया के अनुसार सिंह के नियोक्ता एंटोनेलो लोवेटो ने उन्हें और उनकी पत्नी को एक वैन में लाद दिया और कटे हुए हाथ को फलों के डिब्बे में रखकर उनके घर के पास सड़क के किनारे छोड़ दिया। डेढ़ घंटे बाद तक सिंह तक चिकित्सा

सहायता नहीं पहुंची। बाद में उन्हें रोम के एक अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार जिस क्षेत्र में सिंह काम करते थे, वह बड़े कृषि फार्मों का इलाका है और काफी संख्या पंजाबी और सिख रहते हैं, जिनमें से कई खेत श्रमिक के रूप में काम करते हैं। लोवेटो अब आपराधिक लापरवाही और हत्या के लिए जांच के दायरे में हैं। लोवेटो के पिता ने इतालवी मीडिया को बताया, ÷मेरे पुत्र ने सिंह से कहा था कि वह मशीनरी के पास न जाए, लेकिन उसने उसकी बात नहीं सुनी।

बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में इटली की श्रम मंत्री मरीना काल्डेरोन के हवाले से कहा कि सिंह की मौत एक 'बर्बरतापूर्ण कृत्य' है। इटली में भारतीय दूतावास ने कहा कि वह एक भारतीय नागरिक की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से बहुत दुखी है और स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क में है।

फ्लाई सीजीआईएल ट्रेड यूनियन ने मौत का विरोध करने के लिए शनिवार को कृषि श्रमिकों की हड़ताल का आह्वान किया है। यूनियन के महासचिव मौरिज़ियो लैंडिनी ने कहा, ÷हम वास्तविक गुलामी की स्थिति का सामना कर रहे हैं। एक श्रमिक, एक अनिर्दिष्ट श्रमिक की मृत्यु गंभीरता मामला है।

इजरायल की सेना के हमले से 10 फिलिस्तीनी सुरक्षाकर्मियों की मौत

गाजा। दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर में इजरायली सेना के हमले में 10 फिलिस्तीनी सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। फिलिस्तीनी सुरक्षा एवं चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इजरायली विमानों ने राफ़ा के पूर्व में वाणिज्यिक ट्रकों पर रखे सामानों की सुरक्षा कर रहे सुरक्षाकर्मियों के एक समूह को निशाना

बनाया। हमले में 10 फिलिस्तीनी सुरक्षाकर्मी मारे गये और अन्य घायल हो गये। घायलों को यूरोपीय गाजा अस्पताल में भर्ती कराया गया। इजरायली सेना ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार इजरायली अधिकारियों ने पूर्व समन्वय के बाद, पश्चिमी तट से वाणिज्यिक वस्तुओं को दक्षिणी युद्धग्रस्त घेरे हुए क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति दी है। उन्होंने बताया कि यह घटना दो दिनों में दूसरी घटना थी, क्योंकि सोमवार की रात को वाणिज्यिक वस्तुओं के लिए सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में नौ लोग मारे गए थे।

अमेरिका ताइवान को देने जा रहा है बेहद घातक हथियारों का जखीरा

वाशिंगटन। चीन से जारी तनातनी के बीच अमेरिका ताइवान की मदद के लिए आगे आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने ताइवान को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए हथियार बेचने को मंजूरी दी है।

इतना ही नहीं अमेरिका ताइवान को सैकड़ों सशस्त्र ड्रोन, मिसाइल उपकरण और संबंधित साजो सामान भी भेजेगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जिन हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी है उनमें 291 अल्टियस-600एम प्रणाली शामिल हैं जो मानव रहित हवाई वाहन या ड्रोन हैं। इन हथियारों में 720 स्विचब्लेड ड्रोन भी शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह बिक्री ''प्राप्तकर्ता के अपने सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने और रक्षात्मक क्षमता बनाए रखने के निरंतर प्रयासों का समर्थन करके अमेरिकी राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करती है।'' बयान के अनुसार यह ''प्राप्तकर्ता की सुरक्षा को बेहतर बनाने और क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, सैन्य संतुलन और आर्थिक प्रगति को बनाए रखने में सहायता करेगी।''

अमेरिका और चीन के बीच है तनाव

अमेरिका की तरफ से ताइवान को हथियार बेचे जाने को मंजूरी देने की बात ऐसे वक्त कही गई है जब अमेरिका और चीन के बीच तनाव चरम पर है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उसका कहना है कि ताइवान पर नियंत्रण के लिए यदि बल प्रयोग करना पड़ा तो भी वह इससे पीछे नहीं हटेगा। अमेरिका की तरफ से ताइवान को हथियारों की सप्लाई किए जाने से चीन की टेंशन बढ़ने वाली है।

उत्तरी हिस्से में पड़ा सूखा तो दक्षिण चीन में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई तबाही

एजेंसी
बीजिंग । दक्षिणी चीन में भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलनों से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है। बारिश और भूस्खलन की वजह से कई गांवों में बिजली ठप होने के साथ-साथ फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। दक्षिणी चीन में जहां बारिश का कहर देखने को मिल रहा है तो वहीं देश के उत्तरी हिस्से को सूखे का सामना करना पड़ रहा है।

मूसलाधार बारिश

तेज बारिश शरू हुई और बीते 24 घंटे की अवधि के दौरान 372.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आधिकारिक समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि काउंटी में कम से कम 378 घर ढह गए और 880 हेक्टेयर (2,175 एकड़) फसलें

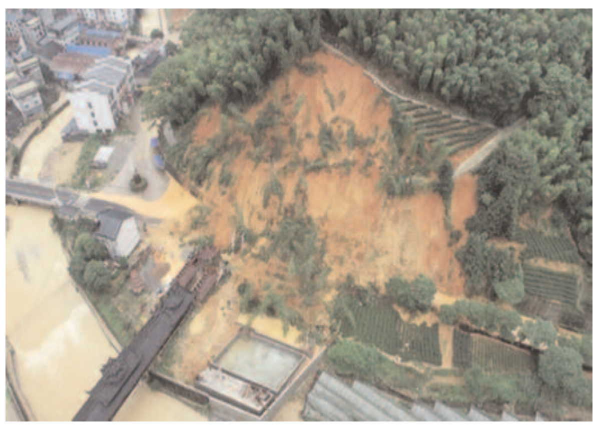

नष्ट हो गईं।

वहीं वुपिंग में कम से कम 5.72 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। तटीय प्रांत फुजियान की वुपिंग काउंटी में मूसलाधार बारिश के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है और 2 अन्य लोग लापता हो गए हैं।

भयावह हैं हालात

हांगकांग की सीमा से सटे दक्षिणी गुआंगदोंग प्रांत के मेइझोउ शहर में भीषण बाढ़ के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है।

स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, 15 लोग लापता हैं। मेइझोउ में 1,30,000 से अधिक घरों में बिजली गुल हो गई जबकि कुछ पड़ोसी शहरों और गांवों में सोमवार तक बिजली नहीं आई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, तीन हेलीकॉप्टर और बचाव दल की 200 से अधिक टीमें लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं और प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचा रही हैं।

तुर्की में जंगल की आग पर काबू पाया गया

एजेंसी
अंकारा। तुर्की के पश्चिमी प्रांत कनक्कले के जंगल में लगी भीषण आग पर काबू पा लिया गया है।

कृषि एवं वानिकी मंत्री इब्राहिम युमकली ने संवाददाताओं से कहा, हमने पूरे क्षेत्र का दो बार निरीक्षण किया है और अब मैं कह सकता हूं कि कनक्कले ईसेबत के जंगल की आग नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि आग से करीब 575 हेक्टेयर तक जंगल और बाहरी भूमि प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, लगभग 340 हेक्टेयर क्षेत्र वन है, और अन्य जंगल के बाहर ग्रामीण भूमि है। जंगल में आग मंगलवार को पराली जलाने से भड़की थी। अर्ध-सरकारी अनादोलु एजेंसी ने श्री युमकली के हवाले से बताया कि जंगल की आग पर काबू पाने के लिये नौ विमान, छह हेलिकॉप्टर, 94 पानी

के टैंकर और निर्माण मशीनरी की मदद से करीब 540 लोग जुटे हुए थे। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने इस सप्ताह अत्यधिक गर्मी और शुष्क मौसम के कारण जंगल में आग लगने की लगातार चेतावनी जारी की थी।

न्यू मैक्सिको के जंगल में लगी आग से एक व्यक्ति की मौत

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में न्यू मैक्सिको प्रांत के साउथ फोर्क और साल्ट के जंगल में लगी आग से एक व्यक्ति की मौत हो गई। न्यू मैक्सिको वानिकी विभाग के मुताबिक मेस्कलेरो अपाचे रिजर्वेशन पर सोमवार सुबह आग लग गई। वन विभाग ने एक रिपोर्ट में कहा कि आग लगने से लगभग 1,400 घर और अन्य संरचनाएं नष्ट हो गई है।रिजर्वेशन के पश्चिम में लगभग 7,700 की दूरी पर स्थित रुइदोसो गांव को बढ़ती आग के कारण खाली करने का आदेश दिया गया था। न्यू मैक्सिको सरकार मिशेल लुजान ग्रिशम ने लिंकन और ओटेरो काउंटियों और मेस्कलेरो अपाचे रिजर्वेशन के लिए आपातकाल घोषित किया है।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने सदन के अन्दर गठबंधन के ही नेताओं और मंत्रियों से जताई असंतुष्टि

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल गठबंधन में पिछले कुछ दिनों से लगातार अविश्वास बढ़ता जा रहा है। इसका नमूना उस समय भी दिखाई दिया, जब प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' सदन को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री 'प्रचंड' ने अपने संबोधन में गठबंधन दल के नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से असंतुष्टि जाहिर की। संसद में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री प्रचंड ने बजट को लेकर विपक्षी दलों की नाराजगी और विरोध को जायज बताया है। प्रधानमंत्री के आज के बयान के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन में स्पष्ट रूप से दरार होने की बात पुष्टि हो गई है। प्रधानमंत्री ने अपने ही गठबंधन के नेताओं, सांसदों और मंत्रियों के सदन से अनुपस्थित रहने को लेकर भी अपनी नाराजगी जाहिर की है।

प्रतिनिधि सभा में आज सांसदों के उठाए गए सवाल पर जवाब देते

हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गठबंधन दल के मंत्रियों ने उनकी हिदायतों और सुझाव सलाह को नहीं माना है। प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि बजट में कई खामियां हैं और सबसे अधिक जिन मंत्रालय के बजट को लेकर आलोचना हुई है वो सब सहयोगी दलों के पास है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रूस के हमले से यूक्रेन ने पूरे देश में ब्लैकआउट की घोषणा की

एजेंसी
कीव। रूस नेनौ क्रूज मिसाइलों व 27 ड्रोन से यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाया है। जिसके बाद यूक्रेन ने पूरे देश में ब्लैकआउट की घोषणा की है। वहीं, यूक्रेन ने भी रूस के तेल डिपो पर ड्रोन से हमले किए हैं। इससे दोनों देशों के बीच एक दूसरे के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश और तेज होने की आशंका बढ़ गई है।यूक्रेनी वायुसेना ने कहा है कि तीन महीने पहले यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर सातवां बड़ा हमला करने वाले रूस ने अब फिर नौ मिसाइलों व 27 शहीद ड्रोन से यूक्रेन के मध्य व पूर्वी क्षेत्र में बिजली ग्रिड को निशाना बनाया है। यूक्रेन ने कहा कि सुरक्षाबलों ने रूस के सभी ड्रोन और पांच क्रूज मिसाइलों

को रोकने में सफलता हासिल की है। नेशनल पावर कंपनी यूक्रेनरगो के अनुसार, रूसी हमले में सात कर्मचारी घायल हुए हैं। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यूक्रेन के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाने का उद्देश्य उसकी रक्षा तैयारियों को बाधित करना है। पश्चिमी सैन्य मदद पर निर्भर यूक्रेन सीमित, किंतु तेजी से रक्षा उद्योग को विकसित कर रहा है। इस बीच, रूसी प्राधिकरण के दो रीजन के अधिकारियों ने यूक्रेन द्वारा तेल डिपो को ड्रोन से निशाना बनाने की रिपोर्ट दी है। कहा दो दिन पहले ड्रोन हमले के बाद यूक्रेन ने दूसरी रिफाइनरियों को बड़े पैमाने पर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बुधवार रात किए हमले को भी यूक्रेन के सिक्योरिटी सर्विस यानी एसबीयू ने अंजाम दिया है। यूक्रेन की मदद के लिए पश्चिमी देश लगातार प्रयास कर रहे हैं। यूरोपीय संघ के राजदूतों ने रूस के विरुद्ध एक और शक्तिशाली प्रतिबंधों की श्रृंखला पर सहमति जताई है। बेल्जियम के राष्ट्रपति ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। इसमें प्रमुख रूप से रूस के लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) आयात को निशाना बनाया जाएगा। कहा, इसके बारे में अगले हफ्ते विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इस बीच, नाटो सदस्य रोमानिया ने यूक्रेन को पेट्रियट मिसाइल सिस्टम देने की घोषणा की है।

हिजबुल्ला की धमकी, इजराइल का कोई भी हिस्सा नहीं रहेगा हमले से सुरक्षित

एजेंसी
बेरूत। इजराइल-हमास युद्ध के बीच हिजबुल्ला के नेता हसन नसरुल्ला ने धमकी दी है कि इजराइल का कोई भी हिस्सा सुरक्षित नहीं रहेगा। नसरुल्ला ने कहा है कि इजराइल के साथ अगर उनके संगठन का युद्ध हुआ तो उसकी कोई सीमा नहीं होगी। इजरायल पर सभी ओर से हमले होंगे और उसका कोई भी हिस्सा हिजबुल्ला के हमलों से अछूता नहीं रहेगा। नसरुल्ला ने साइप्रस के साथ भी युद्ध की बात कही है, जिसे साइप्रस ने खारिज कर दिया है। हिजबुल्ला नेता ने यह बात इजराइली हमलों में मारे गए संगठन के कमांडरों और लड़ाकों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम में कही । नसरुल्ला ने कहा कि उनका संगठन सबसे मुश्किल दौर के लिए तैयार है। वह किसी भी स्तर का तनाव और टकराव झेलने के लिए भी तैयार है। हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान तब आया है जब इजरायली सेना ने संगठन के खिलाफ कार्रवाई के लिए योजना तैयार होने की बात कही है। नसरुल्ला ने कहा कि हम ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। हिजबुल्ला की मिसाइल और राकेट इजराइल के किसी भी हिस्से को सुरक्षित नहीं रहने देंगे, वहां भारी तबाही फैलाएंगे। ज्ञात रहे कि ईरान समर्थित हिजबुल्ला गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई का विरोध कर रहा है और हमास के समर्थन में आठ अक्टूबर, 2023 से इजराइल पर हमले कर रहा है।

ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडा कैमरॉन राजीव कुमार से मिलीं, चुनाव-2024 के लिए बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त सुश्री लिंडी कैमरॉन ने राजधानी में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मुलाकात की। आयोग की ओर से यह जानकारी देते हुए कहा गया कि सुश्री कैमरॉन शिष्टाचार के रूप में यहां निर्वाचन आयोग में श्री राजीव कुमार से यह पहली मुलाकात की। उन्होंने इस अवसर पर भारत के 2024 के आम

चुनाव सफलता पूर्वक कराने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयोग को बधाई दी। विज्ञप्ति के अनुसार आयोग ने इन चुनावों को जिस सफलता और विश्वसनीयता के साथ कराया, उसकी बड़ी प्रसंशा हुई है।

संजय सेठ ने हवाई बेस रजाली का दौरा कर संचालन तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने तमिलनाडु में अरक्कोणम के पास स्थित नौसेना के हवाई बेस आईएनएस रजाली का दौरा किया और संचालन तैयारियों की समीक्षा की। नौसेना अधिकारियों ने उन्हें मौजूदा और भविष्य के समुद्री संचालन तथा स्टेशन के बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नौसेना कर्मियों से बातचीत भी की और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनके योगदान की सराहना की। आईएनएस रजाली 11 मार्च 1992 को कमीशन किया गया था। इसका नाम तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र में पाए जाने वाले हॉक प्रजाति के एक आक्रामक पक्षी के नाम पर रजाली रखा गया है। यह हवाई बेस 2,200 एकड़ में फैला हुआ है और चेन्नई से 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। आईएनएस रजाली 4,700 कर्मियों की क्षमता वाला सबसे आधुनिक और सबसे बड़ा नौसेना हवाई बेस है, जो पूर्वी नौसेना कमान के तहत कार्य करता है। इसका नौसेना के दो अत्यधिक विशिष्ट कार्यों संचालन और प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान है।

राहुल गांधी बच्चों पर राजनीति से करें परहेज, नीट पर सरकार संवेदनशील : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर उनके मन में कई प्रश्न हैं। हमें लगा था कि आम चुनाव के बाद वह बताएंगे कि जिन राज्यों में उनकी सरकार है, उसमें वह क्या करने जा रहे हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा मुझे लगा कि राहुल गांधी ये बताएंगे कि जिन राज्यों में उनकी सरकार है वहां वह गारंटी कार्ड के अनुसार महिलाओं को 8500 रुपये देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पेट्रोल डीजल की कीमत में कटौती करने जा रही थी, लेकिन आपने तो उन राज्यों में पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ा दिए, जहां आपकी सरकार है। राहुल गांधी न तो पेट्रोल डीजल पर बोले और न ही अपनी खटाखट वाली स्कीम के बारे में। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नीट जैसे मुद्दे पर बोल रहे हैं, जिस पर सरकार पूरी तरीके से संवेदनशील है। यह मामला कोर्ट में चला गया है और हम भरोसा दिलाते हैं कि छात्रों के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होगा। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो, इसके लिए सरकार भी प्रयास कर रही है। लेकिन कांग्रेस की फितरत हमेशा से भाजपा का विरोध करना है।

पेपर लीक एंटी नेशनल एक्टिविटी है, संसद में उठाएंगे मुद्दा: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि विपक्ष पेपर लीक के मुद्दे को संसद में उठाएगा। उन्होंने कहा, मणिपुर से महाराष्ट्र तक की उनकी न्याय यात्रा में सैकड़ों युवकों ने पेपर लीक का विषय रखा था। पेपर लीक के बाद कार्रवाई होनी चाहिए, सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पेपर लीक की घटनाओं को राहुल गांधी ने एंटी नेशनल एक्टिविटी कहा है। उन्होंने कहा कि दावा यहां तक किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया, लेकिन ऐसा कैसे है कि वह भारत में पेपर लीक को रोकने में सक्षम नहीं हैं। पेपर लीक के पीछे का कारण यह है कि शिक्षा प्रणाली पर भाजपा के मूल संगठन (आरएसएस) का कब्जा हो गया है। जब तक इसे वापस नहीं लिया जाएगा, पेपर लीक होते रहेंगे। विभिन्न परीक्षाएं आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर राहुल गांधी ने कहा एनटीए की कोई विश्वसनीयता नहीं है। यदि इन मामलों में केंद्र सरकार एनटीए को क्लीन चिट देती है तो इसका कोई मतलब नहीं है। एनटीए की विश्वसनीयता शून्य है। शिक्षा प्रणाली पर एक संगठन का कब्जा हो गया है। वे हर पद पर अपने लोगों को बिठाते हैं। इसे पलटना होगा। यूजीसी नेट रद्द किए जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक के बाद कार्रवाई करना एक बात है।

केंद्र ने एनटीए के कामकाज पर उच्च स्तरीय पैनल का गठन किया, नैतिक जिम्मेदारी ली

एजेंसी

नई दिल्ली। यूजीसी नेट पेपर रद्द होने और एनईईटी पेपर लीक को लेकर आलोचना झेल रही केंद्र सरकार ने अनियमितताओं के लिए नैतिक जिम्मेदारी ली और घोषणा किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज पर एक उच्च स्तरीय पैनल का गठन किया जाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनटीए, इसकी संरचना, कामकाज, परीक्षा प्रक्रिया, पारदर्शिता और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को और बेहतर बनाने के लिए उस उच्च-स्तरीय समिति से सिफारिशें अपेक्षित है। बिहार में कथित नीट पेपर लीक के मुद्दे पर श्री प्रधान ने कहा कि ÷हम नीट यूजी पेपर लीक मामले के बारे में बिहार सरकार के संपर्क में हैं। पूरी रिपोर्ट जल्द ही उपलब्ध कराई

जाएगी। सभी अपराधियों को दंडित किया जाएगा। मंत्री ने सभी को आश्वासन दिया कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. हम पारदर्शिता से समझौता नहीं करेंगे।

श्री प्रधान की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे पर सरकार और प्रधानमंत्री पर हमला करने के कुछ घंटों बाद आई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि छिटपुट घटनाओं का असर छात्रों के करियर पर न पड़ने देंगे। नीट मुद्दे और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के संबंध में गांधी के बयान पर श्री प्रधान ने कहा, मैं फिर से अपने विपक्षी मित्रों से हमारी प्रणाली में विश्वास रखने की अपील करूंगा।

उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार हमारे छात्रों के भविष्य की बेहतरी के लिए पारदर्शिता के लिए 100 प्रतिशत प्रतिबद्ध है। मैं आपको फिर से आश्वस्त करता हूं कि हमारी सरकार द्वारा कोई कदाचार, कोई अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि सरकार के संज्ञान में कुछ अनियमितताएं आई हैं और हम इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। जिम्मेदारी लेते हुए हमें व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा।

उन्होंने कहा कि जैसे ही यह स्पष्ट हो गया कि डार्क नेट पर यूजीसी-नेट का प्रश्नपत्र यूजीसी-नेट के मूल प्रश्न पत्र से खाता था, हमने परीक्षा रद्द करने का फैसला किया। गौरतलब है कि छात्र परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर प्रतिबंध लगाने और कथित पेपर लीक की जांच की मांग कर रहे हैं।

मोदी के काफिले पर चप्पल फेंकने की घटना निंदनीय : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले पर वाराणसी में चप्पल फेंकने की घटना हुई है और वह इसकी निंदा करते हैं।

श्री गांधी ने इस घटना का जिक्र कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान भी किया था लेकिन बाद में उन्होंने यहां जारी बयान में इस घटना को निंदनीय बताया और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। उन्होंने लिखा एक और महत्वपूर्ण बात जो प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहनी रह गई। नरेंद्र मोदी और उनके काफिले पर चप्पल फेंका जाना बहुत ही निंदनीय है और उनकी सुरक्षा में गंभीर चूक है।

श्री गांधी ने कहा सरकार की नीतियों पर अपना विरोध गांधीवादी तरीके से दर्ज कराया जाना चाहिए, लोकतंत्र में हिंसा और नफ़रत की कोई जगह नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था श्री मोदी की कार पर वाराणसी में चप्पल फेंका गया और इसकी वजह यह है कि जो

उनका काम करने का तरीका था उसे विपक्षी दलों ने अब ध्वस्त कर दिया है और उनकी 56 इंच का सीना अब 30,32 इंच का रह गया है।

आयोग को आठ लोक सभा, तीन विधान सभा सीटों के 118 मतदान केंद्रों की ईवीएम की जांच के लिए आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग को 2024 के लोक सभा और विधान सभा चुनावों से संबंधित कुल 118 मतदान केंद्रों की इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की बर्न्ट मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर यूनिट की जांच अथवा सत्यापन के लिए 11 आवेदन प्राप्त हुए हैं।आयोग ने जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। इनमें से आठ आवेदन छह राज्यों - आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना की आठ लोक सभा सीटों और तीन आवेदन दो राज्यों आंध प्रदेश और ओडिशा के सभा चुनावों की मतगणना के घोषित परिणामों में दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे प्रत्याशियों की ओर से हैं।

आयोग ने सात चरणों में कराए गए चुनाव के अंतिम चरण के दिन 1 जून, 2024 को इस तरह की जांच और सत्यापन के लिए अपनायी जाने वाली एक मानक प्रक्रिया (एसओपी) जारी की थी।

इसके अतर्गत आयोग को लोग सभा की जिन सीटों के लिए आवेदन

प्राप्त हुए हैं उनमें आंध्र प्रदेश विजयानगरम सीट के वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी ने दो विधान सभा क्षेत्रों के एक एक मतदान केंद्र की मशीनों ,छत्तीसगढ़ की कांकेर सीट के कांग्रेस प्रत्याशी ने तीन विधान सभा क्षेत्रों के कुल कुल चार मतदान केंद्र , हरियाणा की करनाल सीट के कांग्रेस प्रत्याशी ने कर्नाल और पानीपत विधान सभा क्षेत्र के दो दो मतदान केंद्रो और इसी पार्टी के फरीदाबाद सीट के उम्मीदवार ने बडकल विधान सभा सीट के दो मतदान केंद्रों की ईवीएम मशीनों की मेमोरी और माइक्रोकंट्रोलर यूनिट की जांच की मांग की है।

इसी तरह महाराष्ट्र की अहमदनगर लोक सभा सीट के भाजपा के प्रत्याशी ने कुल छह विधान सभा सीटों के अंतर्गत पड़ने वाले 40 मतदान केंद्रों की मशीनों की जांच के लिए आवेदन दिए हैं। इस तरह का आवेदन तमिलनाडु के वेल्लोर सीट के भाजपा प्रत्याशी ने छह विधान सीटों के एक-एक मतदान केंद्र के लिए आवेदन दिया है। तमिलनाडु में विरुदनगर सीट ही डीएमके के प्रत्याशी ने विरुदनगर विधान सभा सीट के 14 मतदान केंद्रों की मशीनों के सत्यापन की कराए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया है। तेलंगान की ज़हीराबाद सीट के भाजपा के उम्मीदवार ने तीन विधानसभा सीटों के कुल 20 मतदान केंद्रों की मशीनों के सत्यापन के लिए आवेदन कर रखा है।

इसी तरह दो राज्यों आंध्र प्रदेश और ओडिशा के विधान सभा चुनावों के संबंध में इन राज्यों की कुल तीन सीटों के 26 मतदान केंद्रों की ईवीएम मशीन की जांच के लिए आवेदन किए गए हैं। आंध्र प्रदेश में गजपतिनगरम विधान सभा सीट से पराजित वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार ने एक मतदान केंद्र की मशीनों के लिए तथा आंगोल सीट के इसी पार्टी के प्रत्याशी ने 12 मतदान केंद्रों के संबंध में अवेदन किया है।

ओडिशा में झारसूगुडा सीट के बीजू जनता दल (बीजेडी) के प्रत्याशी की ओर से 13 मतदान केंद्रों की मशीनों की जांच और सत्यापन कराने के लिए आवेदन किया गया है।

सत्यापन के संबंध में आयोग द्वारा पहली जून को जारी एसओपी के अनुसार सत्यापन के लिए प्राप्त आवेदनों के संबंध में संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को परिणामों की घोषणा की तीथि से 30 दिनों के भीतर यानी इन चुनवों के संबंध में 4 जुलाई 2024 तक चुनाव आयोग को सूचित करते हुए, आवेदकों की समेकित सूची इवीएम निर्माताओं को देनी थी। विज्ञप्ति के अनुसार इन राज्यों के सीईओ ने पहले ही निर्धारित समय से 15 दिन पहले निर्माताओं को यह बता दिया है।

अभाविप ने फूंका एनटीए का पुतला

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने बुधवार रद्द हुए यूजीसी-नेट परीक्षा , राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में व्याप्त अराजकता और लगातार हो रहे पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में एनटीए का पुतला दहन किया। इस दौरान अभाविप के प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने इस पूरे घटना क्रम में संलिप्त नक़ल माफियाओं पर सख़्त से सख़्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से एनटीए द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में व्यापक स्तर पर अनियमितता, गड़बड़ी तथा पेपर लीक जैसे मामले निकल कर सामने आ रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले नीट - यूजी के पेपर में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी सामने आयी और फिर 18 तारीख को संपन्न हुए यूजीसी नेट की परीक्षा को 19 जून को रद्द करना पड़ा।

केजरीवाल को मिली जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के आरोप में 21 मार्च को गिरफ्तार और तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज यहां एक विशेष अदालत ने बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी।

राऊज एवेन्यू स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदू ने श्री केजरीवाल और ईडी की दलीलें दो दिनों तक सुनने के बाद गुरुवार देर शाम जमानत संबंधी अपना आदेश पारित किया। अदालत ने उन्हें एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। आदेश पारित होने के बाद ईडी ने जमानत को उच्च न्यायालय में चुनौती देने की दलील देते हुए विशेष अदालत से अनुरोध किया कि जमानत बांड पर हस्ताक्षर को 48 घंटे के लिए टाला जा सकता है, लेकिन विशेष न्यायाधीश ने ईडी की इस गुहार को ठुकराते हुए आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि जमानत बांड कल ड्यूटी जज के समक्ष पेश किया जाना है। सुनवाई के दौरान श्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील विक्रम चौधरी ने ईडी द्वारा पेश की गई सामग्री की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि मामले में गवाहों, माफी दिए गए और सरकारी गवाह बन गए लोगों के बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि आम चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था, जिससे एजेंसी की जांच की निष्पक्षता पर संदेह होता है।

श्री चौधरी ने अदालत के समक्ष यह भी दलील दी कि श्री केजरीवाल को अभी तक सीबीआई द्वारा गिरफ्तार नहीं किया गया है। सीबीआई ने उन्हें मामले में गवाह बताया था। उन्होंने यह भी दलील दी कि श्री केजरीवाल के मामले की तुलना पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के मामले से नहीं की जा सकती, क्योंकि उन्हें सीबीआई और ईडी दोनों ने गिरफ्तार किया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को फंसाने के लिए सह आरोपियों चनप्रीत सिंह, विनोद चौहान और विजय नायर को शामिल करने की ईडी की कोशिश पर भी सवाल उठाया।

पानी नहीं छोड़ने के दिल्ली सरकार के आरोप निराधार और तथ्यों से परे - डॉ यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के सिंचाई एवं जल संसाधन राज्य मंत्री डॉ अभय सिंह यादव ने जल संकट को लेकर दिल्ली सरकार के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि हरियाणा दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी दे रहा है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में पानी की किल्लत केवल दिल्ली की आंतरिक खराब व्यवस्था के कारण है। हरियाणा पानी पर राजनीति नहीं करता क्योंकि हम पानी को आवश्यकता के रूप में देखते है। राष्ट्रीय राजधानी को पानी मिले यह सबकी जिम्मेदारी है और हम दिल्ली को पानी देने में कोई कमी नहीं [illegible] रहे है। उन्होंने कहा कि निर्धारित 719 क्यूसेक से अधिक 1050 क्यूसेक पानी हरियाणा दे रहा है। डॉ अभय यादव ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में पत्रकारों को आकंड़ो के साथ हरियाणा द्वारा दिल्ली को दिए जा रहे जलापूर्ति की जानकारी दी। इस

अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। सिंचाई [illegible] लेकर [illegible] दिल्ली सरकार राजनीतिक ड्रामेबाजी कर रही है। समय-समय पर अलग-अलग एजेंसियों की ओर से बार-बार आंकड़े दिए गए हैं। हरियाणा द्वारा दिया गया डाटा सही पाया गया है। एक भी एजेंसी यह नहीं कह सकती कि हरियाणा ने पानी कम दिया है। दिल्ली सरकार अपने कुप्रबंधन को ठीक करने की बजाय बार-बार हरियाणा पर आरोप लगा रही है। हरियाणा नियमित रूप से दिल्ली को पानी की पूर्ण अधिकृत हिस्सेदारी की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली द्वारा 13 जून को उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर याचिका का उत्तर देते हुए हरियाणा सरकार ने 23 मई से 12 जून तक की अवधि के लिए दिल्ली संपर्क बिंदु, बवाना पर आपूर्ति किए गए पानी का डेटा प्रस्तुत किया है। जिसमें बताया गया कि हरियाणा मुनक हेड पर दिल्ली के लिए 1050 क्यूसेक पानी लगातार छोड़ रहा है और दिल्ली संपर्क बिंदु बवाना प्वाइंट पर यूवाईआरबी द्वारा तय 924 क्यूसेक से अधिक पानी दिया जा रहा है।

QAUMI HINDI

युवा कांग्रेस ने किया शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास का घेराव कर मेडिकल प्रवेश परिक्षा नीट तथा यूजीसी नेट परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता वरुण पांडे के अनुसार इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने श्री प्रधान के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और नीट तथा नेट परीक्षा में शामिल हुए छात्रों को जल्द से जल्द इंसाफ देने की मांग की।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने इस दौरान कहा कि इस परीक्षा धांधली ने लाखों युवा छात्रों के भविष्य को अंधेरे की तरफ धकेल दिया है। परीक्षा में धोखा सिर्फ छात्रों के साथ धोखा नही बल्कि देश के भविष्य के साथ हुआ है। उनका आरोप था कि श्री प्रधान

ने जानकारी के बाबजूद देश को गुमराह किया था कि नीट का पेपर लीक नही हुआ। श्री प्रधान के इस्तीफा की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में उनसे कड़ी पूछताछ होना चाहिए। आज देश में ऐसी कोई परीक्षा नहीं है जिसमें धांधली न हो। छात्र सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं - 'एक बार फिर, लीकेज सरकार'। चुनाव से पहले श्री मोदी परीक्षा पर चर्चा करते हैं लेकिन चुनाव के बाद पेपर लीक और धांधली पर कोई बात नहीं होती है। युवा कांग्रेस के सचिव मोहम्मद शाहिद ने कहा कि एनटीए शक के घेरे में है क्योंकि पेपर लीक की बात सामने आई थी। पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गई हैं। ये सारी बातें एनटीए पर कई सवाल खड़े करती हैं ओर इसकी सीधी ज़िम्मेदारी मोदी सरकार की है।

सत्य परेशान हो सकता, पराजित नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने पर कहा कि सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं। आप ने श्री केजरीवाल को जमानत मिलने पर एक्स पर कहा सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। भाजपा की ईडी की तमाम आपत्तियों को ख़ारिज करते हुए न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा अदालत पर भरोसा है। केज़रीवाल को जमानत। सत्य की जीत। उल्लेखनीय है कि कथित शराब घोटाला मामले में दिल्ली एक अदालत ने आज श्री केजरीवाल को जमानत दी है।

Name Change
I Vaani D/O Ankur Singhal R/O Flat No-F1001 pioneer Park, Sector-61, Gurgaon Haryana, 122001 Have Changed My Name To Vaani Singhal For all Future Purposes.

Name Change
I, Jasmeet Kaur Bhatia W/o Gagan Preet Singh R/o A-1st-90, Madangir Phase-1, New Delhi-110062 have changed my name to Jasmeet Sadana for all future purposes

Name Change
I, NO-7781348A Rank-HAV Name-SUJEET KUMAR is legal father of NIPUN presently residing at VPO-AJAIB, PS-MEHAM, DISTT- ROHTAK, HARYANA-124111 have changed my minor son's name from NIPUN to NIPUN DALAL for all future purposes vide affidavit dated 21/06/2024 Before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change
I, RAVANAMMA M/o No.14829561P Rank HAV/MT Name RAMESHBABU PAGIDI R/o VPO- CHOLLAVEEDU, TEH-RACHERLA, DIST-PRAKASAM (AP)-523372, have changed my name from RAVANAMMA to PAGIDI RAVANAMMA for all future purposes. Vide affidavit No- IN-DL05560886323163W dated 19.06.2024 Public Notary Delhi.

Name Change
I, NO-7781348A Rank-HAV Name-SUJEET KUMAR is legal father of KOMUDI presently residing at VPO-AJAIB, PS-MEHAM, DISTT-ROHTAK, HARYANA-124111 have changed my minor daughter's name from KOMUDI to KAUMUDI DALAL for all future purposes vide affidavit dated 21/06/2024 Before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change
I, Harshvardhan Maheshwari S/o Ram Avtar Maheshwari R/o B-44, First floor, Ardee City, Sector-52, Gurgaon, Haryana-122003, Have Changed My Name to Harshvardhan Totla For All Future Purpose

Name Change
I, Parveen Kumar S/o Sh.Sahab Singh, R/o H.No-112, Mundhela Kalan, Delhi-110073, Praveen Kumar and Parveen Kumar Both are Same Person

Name Change
I, Ritu Verma W/o Sandeep Tak R/o 56, Ward No-06, Jai Dev Colony, Haily Mandi, Gurgaon, Haryana-122504, Have Changed My Name To Ritu For All Future Purpose

Name Change
I, No. 15439203A Rank-NK Name-KAMBLE GANESH ARJUN permanent address is-VILL-BRAMHA-GAON, POST- MOUJ, TEH-BEED, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431122 have changed my name from KAMBLE TEJASHWINI to KAMBLE TEJASHWINI GANESH for all future purposes vide Affidavit Dated 21/06/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change
I Kapil Kumar s/o vijay Garg R/O 814, Krishna Nagar Sec 20 B, Faridabad Haryana have change my name to Kapil Garg for all purpose

Name Change
I, Pankaj Upadhyay S/o Late Sh.Purushotam Upadhya R/o 7/8, Jantar Mantar Road, New Delhi, NDMC, Central Delhi, Delhi-110001 have changed my name from Pankaj Upadhya to Pankaj Upadhyay for all intents and purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MD NAUSHAD S/O MD MUSHTAK,R/O HOUSE NO 20 ,G/F, POCKET 8, Nasirpur, South West delhi, Delhi, 110045 declare that name of mine has been wrongly written as MOHD NAUSHAD in my minor son Shahnawaz Hussain aged 15 years in his 10th class educational document ,The actual name of mine is MD NAUSHAD,respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती बेगम सीमा पत्नी स्व0 मोहम्मद जलाल निवासी प्लॉट न0 टी-187, द्वितीय तल, खसरा न0 21/6, टी-ब्लॉक एक्टेंशन, जैन कालोनी, पर्ट-1. उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 ने अपने पुत्र मोहम्मद जसीम पुत्र स्व0 मोहम्मद जलाल और पुत्रवधु मुमताज बानो पत्नी मोहम्मद जसीम को अपनी चल व अचल संपत्ति से उनके अभद्र व्यवहार, मारपीट, गाली गलौच व अनियंत्रित होने के कारण बेदखल कर दिया है और उन लोगों से अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके किये गये किसी भी कार्य के लेन देन के प्रति मेरी मुवक्किला व उसका परिवार जिम्मेदार नही है और ना ही भविष्य में होगा।
एन.के तिवारी अधिवक्ता
Ch. No. 832, Dwarka Courts Complex, New Delhi - 110075

Name Change
I, RAGINEE SINGH wife of NO-15215689N Rank-NK Name-SHIVAJI SINGH R/O VILL-RAUNA KHURD, PO-BELA, TEH-VARANASI, DIST-VARANASI, UTTAR PRADESH-221101 have changed my name from RAGINEE SINGH to RAGINI SINGH for all future purposes vide affidavit dated 21/06/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बाबू लाल पुत्र स्व0 श्री भगवती प्रसाद व मेरी पत्नी श्रीमती गीता निवासीगण एफ- ब्लॉक 810 बवाना जे0 जे0 कालोनी दिल्ली- 110039 ने अपने बेटे दिलीप कुमार उम्र 27 साल व दिलीप की पत्नी श्रीमति अंकिता, उनके दुर्व्यवहार करने, मुझे व मेरी पत्नी को झूठे केंस में फसाने की धमकी देने के चलते मैने अपने उपरोक्त पुत्र दिलीप कुमार व इसकी पत्नी अंकिता से सम्बन्ध पूर्णरूप से सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं तथा मैं अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। क्योकि यह मेरे साथ अभद्र व्यवहार, गाली गलौज करता है और मेरी व मेरी पत्नी के बिना मर्जी के कोर्ट मैरिज कर ली है। भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति इनसे किसी प्रकार का लेन-देन व सम्बन्ध रखता हैं और दिलीप कुमार व उसकी पत्नी अंकिता के किसी कृत्य के लिए मैं और मेरी पत्नी किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नही होगीं, अगर कोई व्यक्ति दिलीप कुमार व उसकी पत्नी अंकिता से लेन-देन रखता वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा ।
बाबू लाल पुत्र स्व0 श्री भगवती प्रसाद
पता- एफ ब्लॉक 810 बवाना जे0 जे0 कालोनी दिल्ली- 110039

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Krishan Kumar S/O Gordhan R/O S.R.S-43, Peera Garhi,Sunder Vihar, S.O West Delhi ,Delhi - 110087 declare that name of mine has been wrongly written as KRISHNA KUMAR in my 10th class educational document, The actual name of mine is KRISHAN KUMAR, respectively Which may be amended accordingly.

Name Change
I HUMERA W/o Mohd Amir R/o P-86/A Nafees Road Pehalwan Chowk Batla House Jamia Nagar New Delhi - 110025. That my name has been wrongly mentioned in my passport no. J1297432 as Humera Alias Gudiya, my correct Name is Humera and my Date of birth has been wrongly mentioned in 10th & 12th certificate as 20.05.2000 my correct Date of birth 01.04.1998 for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती शर्मिला सूद पत्नी श्री विनीत सूद फ्रीहोल्ड आवासीय ग्राउंड फ्लोर की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 1500 वर्ग फुट है, साथ ही बेसमेंट नंबर भी है। 1 (सामने), प्लॉट नंबर 14, ब्लॉक III पर निर्मित, इरोज गार्डन कॉलोनी, फ़रीदाबाद, हरियाणा-121009 पर स्थित है।, स्थानांतरण विलेख दिनांक 13.04.2022 को दस्तावेज़ संख्या 350, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 0/10 पृष्ठ संख्या 87.5/28-30 एसआर-बड़खल, नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेज़ में उपलब्ध नहीं है यानी वसीयत के विलेख का प्रोबेट आदेश दिनांकित है 17.05.2020 अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री अजय खटाना को बेची गई है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस द्वारा वित्तपोषित किया गया है। लिमिटेड शाखा- झेंडेवालान, दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

प्री-मानसून से बदला मौसम, फसलों को होगा फायदा

एजेंसी

जींद। कई दिनों से बढ़ रहे तापमान के चलते परेशान लोगों को गुरूवार सुबह प्री-मानसून ने कुछ राहत देने का काम किया है। देर रात को चली तेज हवाओं के चलते मौसम सुहावना हो गया था। सुबह बारिश से जहां फसलों को फायदा होगा तो बढ़ रहे तापमान से राहत मिलेंगी। किसान जगबीर, जोगिंद्र, राजेश ने कहा कि बढ़ रहे तापमान से हर कोई परेशान था। धान की रोपाई से पहले पौध को तैयार करने में किसानों को परेशानी हो रही थी। प्योद तापमान बढने़ से खराब हो रही थी। ऐसे ही सब्जियों की फसलों को नुकसान हो रहा था। कपास की फसल को भी नुकसान होने लगा था। अब प्री-मानसून आने के बाद जुलाई माह में मानसून आने की उम्मीद है। तरषेम, राजा, सुरेश ने कहा कि तापमान बढने़ से घरों से निकला मुश्किल हो गया था। सुबह ही गर्मी होने लगती थी। बाजारों में दोपहर को सन्नाटा पसर जाता था। दुकानदारों के कामों पर भी फर्क बढ़ रहे तापमान से पड़ रहा था। अब प्री-मानसून की दस्तक से कुछ राहत मिली। काफी दिनों से बारिश का इंतजार लोग कर रहे थे। सुबह बारिश होने से गर्मी कम हुई तो मौसम में भी बदलाव आया है।

दाखिला पंजीकरण में आईटीआई कैथल प्रदेश में नंबर वन

कैथल। आईटीआई में दाखिला लेने के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि होगी। दाखिला पंजीकरण में कैथल की राजकीय आईटीआई प्रदेश में नंबर वन है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रदेश के 379 राजकीय और प्राइवेट आईटीआई के लिए दाखिला शेडयूल जारी किया था। इसके अनुसार विद्यार्थियों को 7 से 21 जून तक की तिथि आवेदन के लिए निर्धारित की गई थी। आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो प्रदेश के राजकीय और प्राइवेट आईटीआई मे इस बार करीब 70 हजार से अधिक सीट बताई जा रही हैं जबकि वीरवार तक पोर्टल पर 61431 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया। जिनमें से केवल 48711 पंजीकरण ही पूर्ण हुए हैं। आईटीआई के जिला नोडल अधिकारी सतीश मच्छाल ने बताया कि आईटीआई के शेडयूल अनुसार आनलाइन आवेदन के लिए 21 जून आखिरी तिथि है। ऐसे में युवाओं को सलाह दी जाती है वे जल्द से जल्द पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं। उन्होंने बताया कि आनलाइन आवेदन समाप्त होने उपरांत ही काउसंलिंग कम सीट अलाटमेंट का शेडयूल जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीट अलाटमेंट की प्रक्रिया भी पूरी तरह से आनलाइन रहेगी।

मात्र 15 मिनट में समस्या का हुआ समाधान, वृद्धजनों की बनी पेंशन

पलवल। जिला सचिवालय पलवल के सभागार में अपनी पेंशन संबंधी समस्या को लेकर पहुंचे वृद्धजनों की विभाग द्वारा मौके पर ही समस्या का समाधान कर दिया गया। तत्पश्चात पलवल के एसडीएम नरेंद्र कुमार ने दोनो प्रार्थियों को पैंशन पत्र उपलब्ध करवाए। पलवल की आदर्श कॉलोनी निवासी ज्ञानेंद्र कुमार का आर्म्स लाइसेंस रद्द कराने संबंधी शिकायत का मात्र 15 मिनट में समाधान कर दिया गया। उन्होंने सरकार के द्वारा लगाए जा रहे समाधान शिविरों की पहल के कार्य की सराहना की है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार राज्य के लोगों की समस्या को प्राथमिकता देकर उनका निदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। यही कारण है कि सरकार ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए समाधान नामक शिविर लगाने का फैसला किया, जोकि आज पूरी तरह फलीभूत होता नजर आ रहा है। यह समाधान शिविर न केवल जिला स्तर अपितु उपमंडल स्तर पर स्थित सचिवालयों में भी आयोजित किए जा रहे हैं।

पुलिस का दावा- हरियाणा में सड़क हादसों में आई कमी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने दावा किया है कि प्रदेश में पिछ्ले साल के मुकाबले इस साल 177 सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने एक बयान जारी कर बताया कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोग यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सडक़ दुर्घटनाओं का एक मुख्य कारण लेन ड्राइविंग की उल्लंघना भी है। गत वर्ष लेन ड्राइविंग को लेकर जागरुकता लाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-44 (जिला अम्बाला से जिला सोनीपत) पर ट्रायल करने का निर्णय लिया गया, जिसके परिणामस्वरुप इस राजमार्ग पर पिछ्ले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 81 दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई। इस ट्रायल के सकारात्मक परिणामों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा पुलिस ने इसे अलग-2 चरणों में प्रदेश के अन्य जिलों में लागू करने की कार्ययोजना तैयार की गई। इसके तहत लेन ड्राइविंग की पालना के लिए विशेष अभियान चलाए गए। पिछ्ले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 177 सड़क दुर्घटनाएं कम दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि गत वर्ष लेन ड्राइविंग उल्लंघना को लेकर प्रदेश में 2 लाख 29 हजार 383 वाहन चालकों के चालान किए गए। इसी प्रकार, इस वर्ष जनवरी-2024 से लेकर मई-2024 तक लेन ड्राइविंग के 1,56,674 वाहन चालकों के चालान किए गए हैं। इसी प्रकार, हरियाणा पुलिस ने लोगों को लेन ड्राइविंग के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से वर्ष-2023 में 2163 जागरुकता अभियान चलाए गए जिसमें 3,38,068 लोगों ने भागीदारी सुनिश्चित की।

कांग्रेस की झूठ को बिकने नही देंगे भाजपा कार्यकर्ता : नायब सैनी

अब वे कांग्रेस की झूठ का नकाब उतारने का काम करेंगे

एजेंसी

कैथल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी यहां त्रिदेव एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिदेव ही हमारी पार्टी की सच्ची ताकत है, जिसकी बदौलत भाजपा का पूरे देश पर शासन है। कैथल की सरदारी ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के घमंडिया गठबंधन को तोडने़ का काम किया। अब हम कांग्रेस की झूठ का नकाब उतारने का काम करेंगे।

सीएम नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने उनके सामने जो कांटे उगा रखे हैं, वो ठीक कर रहे हैं। भाइयों हम सबने संकल्प लेना है कि हम कांग्रेस की झूठ को बिकने नहीं देंगे। संहिता हटने के बाद उन्होंने 14

दिन में अधिकारियों को व्यवहार बदलने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने अधिकारियों को कहा है कि अब आचार संहिता है चुकी है और वह एक्शन में आ जाएं। कांग्रेस घोटालों और झूठ बोलने वालों की पार्टी है, लोगों का कांग्रेस से विश्वास उठ गया है। नायब सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में बिना पर्ची और बिना खर्ची के युवाओं को नौकरियां नहीं मिलती थी। भ्रष्टाचार चरम पर था लोग कांग्रेस की सरकार से परेशान हो चुके थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले लगभग 10 वर्षों में हर वर्ग के लिए काम किया है। गरीबों को बीमारी के दौरान होने वाले खर्च की चिंता से मुक्त किया है। किसानों को समृद्ध बनाने की दिशा में अनेकों योजनाएं डबल इंजन की सरकार ने बनाई है।

श्री सैनी ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने लोगों को प्लॉट देने की बात कही, लेकिन उन्हें न तो प्लॉट का कब्जा दिया, न ही रजिस्ट्री दी, लेकिन भाजपा सरकार ने गरीब लोगों को प्लॉट के साथ-साथ कब्जा भी दिया है। इस मौके पर पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, विधायक लीला राम, जिला प्रभारी मनीष यादव, जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, चेयरमैन कैलाश भगत, दिनेश कौशिक, मनीष कठवाड़, सुरेश राविश, अरुण सर्राफ, सुरेश गर्ग, जिला महामंत्री सुरेश संधू, जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित मौजूद थे।

मोदी सरकार ने किसानों के लिए खोला खजाना: कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि मंत्री कंवरपाल ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी केन्द्र सरकार ने किसान हित को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए ऐतिहासिक फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। कृषि मंत्री कंवरपाल ने खरीफ की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल का आभार जताया।

कृषि मंत्री ने प्रदेश के किसानों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे बनी राजग की तीसरी बार बनी सरकार ने एक दिन पूर्व अपने कैबिनेट फैसले के तहत पीएम किसान सम्मान निधि की राशि जारी की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी केन्द्रीय कैबिनेट ने इस निर्णय के तुरन्त बाद किसानों के हित में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए खरीफ की 14 फसलों धान (सामान्य), धान(ए ग्रेड),ज्वार(हाईब्रिड), ज्वार (मालदंडी), बाजरा, रागी, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन, तिल व कपास(उन्नत)पर न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) को बढ़ाकर देश के किसानों को बहुत ही बड़ी सौगात

देकर किसान हित के लिए लाभकारी कार्य किया है।

उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा देश के किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतरता से कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किश्त के रूप में एक क्लिक से करोड़ों रूपये की राशि सीधे देश के किसानों के बैंक खातों में जमा करवाई हैं।

समाधान शिविर में आई 48 शिकायतों में से 9 का मौके पर किया समाधान

एजेंसी

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार के आदेशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर शुरू किए समाधान शिविरों में लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर समाधान शिविर पहुंचे। उपायुक्त विक्रम सिंह ने ध्यानपूर्वक लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। शिविर में आई 48 शिकायतों में से 9 का मौके पर समाधान कर दिया गया। इस मौके पर एडीसी डॉ. आनंद शर्मा, डीसीपी जसलीन कौर व एसडीएम फरीदाबाद शिखा उपस्थित रहीं। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार प्रशासन की ओर से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करना है। सरकार व जिला प्रशासन का ध्येय है कि हर नागरिक को सरकारी सेवाओं का लाभ मिले और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान हो। शुक्रवार को समाधान शिविर में 48 शिकायतें आई, जिनमें 9 का मौके

पर ही समाधान किया गया और अन्य शिकायतों के जल्द समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों दिशा निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर की समस्याओं का हल जिला मुख्यालय पर किया जाता है। कुछ समस्याएं मुख्यालय से संबंधित होती हैं तो उनको मुख्यालय पर भेजा जा रहा है। जिला स्तर का समाधान शिविर लघु सचिवालय में प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 9 से 11 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी में जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर किया जा सकता है, उन्हें तुरंत ठीक करें ताकि आमजन को बार-बार कार्यालय के चक्कर ना काटने पड़े। जिला स्तर के अलावा ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर भी शिविर आयोजित करके आमजन की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है।

उपायुक्त ने 133 नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया

एजेंसी

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में आयोजित समाधान शिविर में 133 नागरिकों की समस्याएं सुनने बाद समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सरकार की इस पहल से नागरिकों को राहत मिली है और उन्हें विश्वास है कि उनकी समस्याओं का समाधान समय पर होता रहेगा।

आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने जिला अधिकारियों के साथ मिलकर कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया, जिससे नागरिक संतुष्ट नजर आए। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर पूरी तरह गंभीर है और प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का निवारण किया जा रहा है। शिविर में नागरिक परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और पुलिस विभाग से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे। नगर निगम आयुक्त विश्राम मीणा और डीसीपी नरेन्द्र सिंह

ने भी संबंधित विभागों की समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

शिविर में परिवार पहचान पत्र से संबंधित शिकायतों पर उपायुक्त ने विशेष कैंपों के माध्यम से समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। इस मौके एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, नगराधीश पूजा कुमारी, डीआरओ हरिओम अत्री, सीएमओ डॉ. जय किशोर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग के डीजीएचएस ने किया अस्पताल का निरीक्षण

एजेंसी

जींद। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डा. रणदीप पूनिया ने यहां के नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इरमजेंसी वार्ड तथा सिटी स्कैन सेंटर में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली।

किए गए निरीक्षण में जांच में पाया गया कि वर्ष 2017 से सीटी स्कैन सेंटर में टेली रिपोर्ट करने के लिए रेडियोलॉजिस्ट नही है, इसकी जांच करवाई जाए। जांच में डायलसिस में चिकित्सक के न मिलने पर भी जांच के आदेश दिए। वहीं बल्ड बैंक में ब्लड रिप्लेसमेंट को जीरो करने के आदेश दिए। इसके अलावा सफाई को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए साथ ही ब्लड बैंक में मौजूद लीकेज को तुरंत प्रभाव से

ठीक करवाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डा. रणदीप पूनिया वीरवार शाम को नागरकि अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सीएमओ डा. गोपाल गोयल, पीएमओ डा. जितेंद्र कादियान, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया, डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल, डा. बिजेंद्र घणघस, डा. विनोद को साथ लेकर निरीक्षण की शुरूआत की। सबसे पहले डीजीने इमरजेंसी वार्ड का दौरा किया और मरीजों से बातचीत की और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी हासिल की। वहीं स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डा. रणदीप पूनिया ने लैब का दौरा कर सैंपल मशीन की ली जानकारी ली। यहां टूटी कुर्सी मिलने पर फटकार लगाई। इसके अलावा अस्पताल परिसर में तथा वार्ड में साफ-सफाई को लेकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और दिशा-निर्देश दिए। डीजी ने साफ कहा कि स्वच्छता को लेकर कोताहि किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही की जाएगी। डीजीएचएस नई बिल्डिंग स्थित ब्लड बैंक में पहुंचे और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक दीवार में लीकेज मिली। जिसे तुरंत प्रभाव से ठीक करवाने के निर्देश दिए गए। निदेशक ने कहा कि रक्तदान को लेकर कुछ संस्थाएं रक्तदाताओं को प्रलोभन देती हैं। एनसीआर में इस तरह का गिरोह सामने आया है। जिला स्तर पर भी स्वास्थ्य अधिकारी ऐसे शिविरों का निरीक्षण करें और रक्तदाताओं से बातचीत करें कि कहीं उन्हें प्रलोभन देकर रक्तदान तो नही करवाया जा रहा। अगर ऐसा पाया जाता है तो तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाए।

हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान व सह-प्रभारी बिप्लब देब का 23 को अभिनंदन

एजेंसी

रोहतक। लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनावों की तैयारी को लेकर फिर से सक्रिय हुई हरियाणा भाजपा ने विधानसभा चुनाव प्रभारियों और नवनिर्वाचित सांसदों का भव्य नागरिक अभिनंदन कर प्रदेश भर में माहौल बनाने की योजना तैयार की है। यह जानकारी यहां पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने दी।

विधानसभा चुनाव प्रभारी बनने के बाद 23 जून को पहली बार हरियाणा पहुंच रहे धर्मेंद्र प्रधान, बिप्लब कुमार देब का भव्य स्वागत की तैयारी में भाजपा ने पूरी ताकत झौंक दी है। 23 को चुनाव प्रभारियों के साथ-साथ नवनिर्वाचित पांचों सांसदों का भी रोहतक में भव्य नागरिक अभिनंदन करके भाजपा कार्यकर्ताओं में विधानसभा चुनाव के लिए जीत का जोश भरा जाएगा। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने बताया कि इस नागरिक अभिनंदन को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। ग्रोवर ने दावा भी किया कि भाजपा हरियाणा में भी जीत की हैट्रिक लगाकर इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि 1962 के बाद तीसरी बार नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना भी इतिहास के पन्नों पर लिखा जाएगा। लोकसभा चुनाव में हरियाणा से भी पांच सांसद जीतकर देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि 23 जून को रोहतक स्थित पार्टी कार्यालय मंगल कमल में हरियाणा से नवनिर्वाचत सांसदों और नवनियुक्त चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी का अभिनंदन किया जाएगा।

हिसार का महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट लिखेगा प्रदेश के विकास की गाथा : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने किया एयरपोर्ट के दूसरे चरण का उद्घाटन

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि हिसार का महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट प्रदेश के विकास की गाथा को लिखेगा। इसके निर्माण का दूसरा चरण पूरा हो चुका है और लाइसेंस मिलते ही यहां से उड़ाने शुरू हो जाएगी। यहां से अयोध्या, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू, जयपुर व अहमदाबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए हवाई जहाज उड़ेंगे।

नायब सिंह सैनी गुरुवार सायं यहां के महाराजा अग्रसेन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के दूसरे चरण का उद्घाटन करने उपरांत जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां पर लगभग 544 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया और जिले की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है और इस संकल्प को पूरा करने में हरियाणा भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 9 वर्ष पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस एयरपोर्ट का शुभारंभ किया था और खुशी की बात है कि अब इसका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उड़ान योजना शुरू करते हुए कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज की यात्रा करेगा और उनका यह संकल्प आज पूरा होने जा रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। न तो विपक्ष के पास नीति है और न ही नीयत। विपक्ष का केवल एक ही मकसद है कि प्रदेश के विकास को किस तरह रोका जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गरीबों को प्लाट देने के नाम पर बरगलाया लेकिन भाजपा सरकार ने इस योजना को कैबिनेट में पास करके गरीबों को रजिस्ट्रियों सहित प्लॉट देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग यह भी अफवाह फैला रहे हैं कि भाजपा सरकार अल्पमत में है। उन्होंने कहा कि यदि हम अल्पमत में हैं तो कांग्रेसी अविश्वास प्रस्ताव क्यों नहीं लाते। उन्होंने कहा कि हम अल्पमत में नहीं पूर्ण बहुमत में है और ये कांग्रेस को भी अच्छी तरह से पता है। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन समारोह में स्थानीय एयरपोर्ट अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों के मार्गदर्शन व प्रशिक्षण में यहां से बच्चे प्रशिक्षण लेते हैं और पायलट बनते हैं। यह बहुत बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा पायलट को यहां से ट्रेनिंग दी गई है।इससे पहले स्वास्थ्य एवं उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने मुख्यमंत्री का हिसार पहुंचने पर स्वागत किया।

हरियाणा में बढ़ेंगे जिले व उपमंडल, सरकार ने बनाई सब कमेटी

तीन माह में रिपोर्ट सौंपेगी कंवरपाल गुज्जर की अध्यक्षता वाली कमेटी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में जल्द ही जिलों तथा उपमंडलों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने इसके लिए कमेटी का नए सिरे से गठन कर दिया है। प्रदेश सरकार ने कृषि मंत्री कंवर पाल की अध्यक्षता में सब कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी को तीन माह में अपनी रिपोर्ट देनी होगी। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार प्रदेश में नए जिले, उपमंडल, तहसील तथा उप-तहसीलों का ऐलान कर सकती है।

वित्तायुक्त टीवीएसएन प्रसाद द्वारा जारी आदेशों के मुताबिक वित्त मंत्री जय प्रकाश दलाल, विकास एवं पंचायत राज्य मंत्री महिपाल ढांडा और शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा इस कमेटी में सदस्य होंगे। वित्तायुक्त और राजस्व एवं आपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, विकास एवं पंचायत विभाग के प्रधान सचिव प्रशासनिक ढांचे के मूल्यांकन में कमेटी की मदद करेंगे। समिति चाहे तो कुछ विधायकों को भी कमेटी में शामिल कर सकती है। प्रदेश में इस समय 22 जिले हैं। लंबे समय से असंध, हांसी, डबवाली, मानेसर और गोहाना को जिला बनाने की मांग उठती आ रही है। हांसी और डबवाली फिलहाल पुलिस जिले हैं। ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि पुनर्गठन के दौरान हांसी व डबवाली को सरकार अगल जिला बना सकती है।

इससे पहले तत्कालीन उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की अध्यक्षता में गठित शिक्षा मंत्री कंवर पाल और सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल की कमेटी की

सिफारिश पर सरकार ने पिछले साल दिसंबर में मानेसर (गुरुग्राम), नीलोखेड़ी (करनाल), इसराना (पानीपत), छछरौली (यमुनानगर), नांगल चौधरी (महेंद्रगढ़) और जुलाना (जींद) को उपमंडल बनाया गया था। सरकार की घोषणा के बावजूद भिवानी के बवानीखेड़ा और रोहतक के कलानौर को उपमंडल बनाने का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया था। नई कमेटी की सिफारिश पर बवानीखेड़ा और कलानौर को उपमंडल का दर्जा दिया जा सकता है।

संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख गंगाशंकर मिश्र का निधन

फरीदाबाद। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख गंगाशंकर मिश्र का गुरुवार दोपहर को सर्वोदय अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें हार्ट अटैक के बाद रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका अंतिम संस्कार आज सायं छह बजे सेक्टर-8 स्थित श्मशान घाट में होगा।

संघ के प्रांत संपर्क गंगाशंकर मिश्रा सेक्टर-8 में अपने परिवार सहित रहते थे और इंडियन ऑयल से सेवानिवृत्त थे। वह बाल्यावस्था से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति समर्पित थे। पिछले कई दिनों से वह पैर में आई मोच के चलते परेशान थे। बुधवार रात जब उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई तो उन्हें तुरंत सर्वोदय अस्पताल में ले जाया गया। डाक्टरों के अनुसार उन्हें हार्ट अटैक आया था। वे तभी से डाक्टरों की निगरानी में थे। गुरुवार दोपहर 12 बजे उन्हें फिर दोबारा अटैक आया और उनका निधन हो गया। गंगाशंकर मिश्र का अचानक चले जाना संघ परिवार के लिए बड़ी क्षति माना जा रहा है।

गंगा शंकर के परिवार में पत्नी सहित एक बेटा व बेटी है। उनका अंतिम संस्कार आज सायं छह बजे सेक्टर-8 स्थित श्मशान घाट में होगा। उनके निधन के समाचार से पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर, भाजपा प्रवक्ता राजीव जेटली, जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा सहित तमाम भाजपा नेताओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया।

मुख्यमंत्री ने रोहतक जिले में करोड़ों रुपये की चार परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने ग्रामीण संवर्धन कार्यक्रम के तहत रोहतक जिले में 62.48 करोड़ रुपये की लागत की चार प्रमुख परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

इस संबंध में सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वीकृत परियोजनाओं में 2.13 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जेएलएन नहर से पम्पिंग के माध्यम से कच्चे पानी की व्यवस्था और नहर से कबूलपुर, जिला रोहतक के जलघरों तक डीआई पाइप बिछाना शामिल है। 6.33 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गांव मदीना गिंधराण-ढुंढ में स्वतंत्र नहर आधारित जलघर उपलब्ध कराना, 14.24 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गांव बहु अकबरपुर में मौजूदा जलघरों का जीर्णोद्धार तथा वितरण पाइप लाइन बिछाना, 12 गांवों को पानी की आपूर्ति करने वाले 13 मौजूदा जलघरों के लिए पम्पिंग प्रणाली के माध्यम से जेएलएन नहर से कच्चे पानी की व्यवस्था स्थापित करना शामिल है। इस परियोजना में 39.78 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कच्चे पानी के पम्पिंग स्टेशन का निर्माण और डीआई पाइप बिछाना भी शामिल है।

प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप जलापूर्ति सुविधा उपलब्ध कराने में अग्रणी है। पेयजल आपूर्ति योजनाएँ मुख्य रूप से ट्यूबवेल/सतही स्रोतों और रैनी वेल्स पर आधारित हैं। निजी जल कनेक्शन की सुविधा के लिए गांवों में वितरण प्रणाली भी बिछाई गई है।

राजेश कुमार बने भेल के डायरेक्टर फाइनेंस

एजेंसी

भोपाल। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) कंपनी के डायरेक्टर फाइनेंस के पद पर राजेश कुमार द्विवेदी को नियुक्त किया गया है। द्विवेदी को चार माह पहले साक्षात्कार में चयन किया गया था लेकिन तब लोकसभा की आदर्श चुनाव आचार संहिता एवं अन्य समस्याओं के कारण उनकी तैनाती नहीं हो सकी थी। वह 31 जनवरी 2028 तक भेल दिल्ली कारपोरेट में डायरेक्टर फाइनेंस के पद पर रहेंगे।

किसानों के बाद मध्य आय वर्ग को राहत की उम्मीद, स्मॉल सेविंग स्कीम्स की बढ़ सकती है ब्याज दर

नई दिल्ली। किसानों को राहत देने के लिए 14 फसलों की एमएसपी बढ़ाने के बाद केंद्र सरकार मध्य आय वर्ग को भी राहत पहुंचाने वाली है। उम्मीद की जा रही है कि इस साल जुलाई में केंद्र सरकार लघु बचत योजनाओं (एसएसएस) की ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का फैसला ले सकती है। केंद्र सरकार तिमाही आधार पर लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा करती है। इसके आधार पर इन योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव करने का फैसला लिया जाता है। इसके पहले मार्च के अंतिम सप्ताह में अप्रैल से लेकर जून 2024 तक के लिए लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों को तय किया गया था। अब अगले सप्ताह केंद्र सरकार लघु बचत योजनाओं की समीक्षा के बाद ब्याज दरों में बढ़ोतरी का फैसला ले सकती है। इन लघु बचत योजनाओं में सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एनएससी), वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) और महिला सम्मान बचत योजना जैसी योजनाएं शामिल है। इसके अलावा मंथली इनकम स्कीम और किसान विकास पत्र जैसी योजनाएं भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोना-चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगभग सपाट स्तर पर कारोबार होता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज सोना मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। सर्राफा बाजार की मंद चाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 72,460 रुपये से लेकर 72,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के बीच कारोबार कर रहा है। चेन्नई में 24 सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर बिक रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 66,790 रुपये से लेकर 66,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। चांदी के भाव में भी ज्यादा बदलाव नहीं होने की वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

जीएसटी परिषद की शनिवार को होगी बैठक, ऑनलाइन गेमिंग पर चर्चा संभव

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद 22 जून, शनिवार को होने वाली बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकती है। बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कराधान और संबंधित पक्ष सेवाओं पर कंपनी की गारंटी के अलावा दूरसंचार कंपनियों के भुगतान की गई स्पेक्ट्रम फीस पर टैक्स लगाने का मुद्दा भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक होगी। नई दिल्ली में आयोजित परिषद की इस बैठक में जीएसटी की दरों को तर्कसंगत बनाने पर गठित मंत्री समूह (जीओएम) की रिपोर्ट को अंतिम रूप देने पर हुई प्रगति पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक आठ महीने के अंतराल के बाद हो रही है। इससे पहले परिषद की 52वीं बैठक सात अक्टूबर, 2023 को हुई थी।

फ्लिपकार्ट ने जयपुर में खोला अपना ग्रॉसरी फुलफिलमेंट सेंटर

जयपुर। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने उपभोक्ताओं को उनकी प्राथमिकता के आधार पर डिलीवरी स्लॉट उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती देने के लिए राजस्थान की राजधानी जयपुर में अपना नया ग्रॉसरी फुलफिलमेंट सेंटर खोला है। राज्य में फ्लिपकार्ट के इस पहले ग्रॉसरी एफसी से ऑनलाइन ग्रॉसरी को लेकर उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को ज्यादा तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी, साथ ही पूरे राज्य में इस सेवा को विस्तार दिया जा सकेगा। स्थानीय ग्राहकों को लेकर व्यापक समझ का लाभ लेते हुए नए एफसी के माध्यम से अनाज, खाद्यान्न, पेय पदार्थों, स्नैक्स, पर्सनल केयर और हाउसहोल्ड क्लीनिंग एड सेगमेंट में 5,000 से ज्यादा उत्पादों में से चुनने का मौका मिलेगा। इन उत्पादों में गेंडा, सरस, गोवर्धन, महाकोश, राजधानी, देसी चॉइस, लक्ष्मी भोग, टैगोर व अन्य लोकप्रिय स्थानीय ब्रांड शामिल हैं।

ईपीएफओ ने अप्रैल महीने में 18.92 लाख सदस्य जोड़े

मार्च की तुलना में 31.29 फीसदी की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अप्रैल महीने में शुद्ध रूप से 18.92 लाख सदस्य जोड़े हैं। इस साल मार्च की तुलना में अप्रैल में शुद्ध रूप से जुड़े सदस्यों की संख्या में 31.29 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि अप्रैल में शुद्ध रूप से 18.92 लाख सदस्य जोड़े गए हैं। यह संख्या अप्रैल, 2023 की तुलना में 10 फीसदी अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में लगभग 8.87 लाख नए सदस्य नामांकित हुए हैं। ईपीएफओ से जुड़ने वाले कर्मचारियों में 18-25 आयु वर्ग का दबदबा दिखाई देता है, जबकि जोड़े गए कुल नए सदस्यों में इस आयु वर्ग की हिस्सेदारी 55.50 फीसदी है। आंकड़ा से पता चलता है कि लगभग 14.53 लाख सदस्य ईपीएफओ से अलग हुए, जो दोबारा इसका हिस्सा बने हैं। आंकड़ों के लिंग-आधारित विश्लेषण से पता

चलता है कि 8.87 लाख नए सदस्यों में से लगभग 2.49 लाख नई महिला सदस्य हैं। इसके साथ ही अप्रैल में शुद्ध रुप से महिला सदस्यों का जुड़ाव लगभग 3.91 लाख रहा, जो मार्च की तुलना में करीब 35.06 फीसदी अधिक है। ईपीएफओ से नेट जुड़ने वाले सदस्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात और हरियाणा में सबसे अधिक हैं। इन राज्यों में शुद्ध सदस्य जुड़ाव का करीब 58.30 फीसदी हिस्सा है। इन सभी राज्यों में महाराष्ट्र इस महीने 20.42 फीसदी शुद्ध सदस्य जोड़कर सबसे आगे रहा।

स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा धन चार साल के निचले स्तर 9,771 करोड़ रुपये पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली/ज्यूरिख। स्विस बैंकों में भारतीय व्यक्तियों और कंपनियों द्वारा जमा धन, 2023 में 70 फीसदी की तेज गिरावट के साथ चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपये) पर आ गया है।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से जारी वार्षिक आंकड़ों के मुताबिक स्विस बैंकों में भारतीय ग्राहकों के कुल जमा धन में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट आई है। स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्विस बैंकों में भारतीय व्यक्तियों और फर्मों का रखा धन 2023 में 70 फीसदी घटकर चार साल के निचले स्तर 1.04 बिलियन स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपये) पर आ गया है। यह 2021 में 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर पहुंच गया था। स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) ने जारी आंकड़ों में बताया है कि उसके पास 2023 के अंत में भारतीयों की कुल देनदारी 1,039.8 मिलियन सीएचएफ (स्विस मुद्रा फ्रैंक) की है। बैंक ने इसे कुल देनदारी यानी बकाया राशि बताया है। बैंक के मुताबिक इस राशि में 310 मिलियन फ्रैंक ग्रहकों के जमा राशि के रूप में,

427 मिलियन फ्रैंक दूसरे बैंकों के जरिए, 10 मिलियन फैंक ट्रस्ट्स के माध्यम से और 302 मिलियन फ्रैंक की राशि बॉन्ड्स, सिक्योरिटीज और अन्य फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स के रूप में है। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार 2006 में कुल राशि करीब 6.5 बिलियन स्विस फ़्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर थी, जिसके बाद यह 2011, 2013, 2017, 2020 और 2021 सहित कुछ वर्षों को छोड़कर ज्यादातर नीचे की ओर रही है। इसमें गिरावट की मुख्य वजह बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से रखे गए धन में तेज गिरावट है।

उल्लेखनीय है कि ये स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों द्वारा बताए गए आधिकारिक आंकड़े हैं। लेकिन, ये स्विटजरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए बहुचर्चित कथित काले धन की मात्रा का संकेत नहीं देते हैं। इन आंकड़ों में वह धन नहीं शामिल है, जो भारतीयों, एनआरआई या अन्य लोगों ने तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर स्विस बैंकों में रखा हो सकता है।

उद्योग जगत ने वित्त मंत्री से कर बोझ घटाने और पूंजीगत व्यय बढ़ाने का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली।उद्योग जगत ने केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मंत्री निर्मला सीतारमण से बजट में आम लोगों पर कर का बोझ कम करने, पूंजीगत व्यय जारी रखने और खाद्य वस्तुओं की महंगाई को काबू में लाने के लिए उपाय करने का आग्रह किया है।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में आम बजट पेश होने से पहले तीसरी परामर्श बैठक की।

सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी आम

बजट 2024-25 के संबंध में आम बजट से पहले परामर्श बैठक में उद्योग प्रमुखों और संगठनों ने सरकार से आर्थिक वृद्धि की गति बनाये रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया।

मंत्रालय के मुताबिक आगामी आम बजट 2024-25 को लेकर उद्योग प्रमुखों और संगठनों के साथ तीसरे बजट-पूर्व परामर्श बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और व्यय विभाग के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई मंत्रालय) के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए।

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 267-281 रुपये तय

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की योजना 1,500 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि उसका आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा, लेकिन बड़े निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे। इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आरंभिक शेयर बिक्री में एक हजार करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है।

ब्रोकिंग कंपनियों ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 7,860 करोड़ रुपये आंका है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 720 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल कर्ज भुगतान के लिए करेगी, जबकि एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। दिसंबर, 2023 तक कंपनी के खातों पर कुल कर्ज करीब 808 करोड़ रुपये था। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को एबीडी के तौर पर जाना जाता है। यह भारतीय निर्मित विदेशी शराब कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है। यह व्हिस्की, रम, वोदका, ब्रांडी और अन्य स्पिरिट का एक प्रमुख वितरक है, जिसका दुनियाभर के 22 देशों में निर्यात होता है।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर जुर्माना, एफआईयू ने की कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू-आईएनडी) ने दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर 18.82 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही बाइनेंस को भारतीय निवेशकों से जुड़े लेन-देन के सभी रिकार्ड को मेंटेन करने और भारतीय नियमों का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने कुछ समय पहले ही 9 विदेशी क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंजों को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 का अनुपालन नहीं करने और भारत में रजिस्ट्रेशन नहीं कराने के आरोप में ब्लॉक किया था। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट की जांच में पिछले साल दिसंबर में इस बात का पता चला था कि बाइनेंस समेत होऊबी, कुकॉइन और ओकेएक्स जैसे 9 विदेशी क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज भारतीय कानून के

तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं। इसके साथ ही इन क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंजों द्वारा पीएमएलए 2002 के नियमों का अनुपालन नहीं करने की बात का भी पता चला था।

इस बात की जानकारी होने के बाद इस साल जनवरी में इन क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज के यूआरएल को ब्लॉक करने का आदेश दिया गया था। इसके साथ ही एपल और गूगल के प्ले स्टोर से इन क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंजों के ऐप को हटा दिया गया था। इन क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज के सामने शर्त रखी गई थी कि भारत में अपना कारोबार जारी रखने के लिए वे भारतीय कानून के तहत अपना रजिस्ट्रेशन करा लें और पीएमएलए 2002 के प्रावधानों को मानने का वचन दें। भारत में कारोबार पर रोक लगने के बाद बाइनेंस की प्रतिद्वंद्वी कंपनी कुकॉइन ने 34.50 लख रुपये का जुर्माना चुकाने के बाद भारत में अपना रजिस्ट्रेशन भी करा लिया और कामकाज की शुरुआत भी कर दी। दूसरी ओर ओकेएक्स ने 30 अप्रैल के बाद भारत में अपने कामकाज को पूरी तरह से बंद कर दिया। भारत सरकार के कड़े तेवर के बाद बाइनेंस में भी शुरुआती रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। ऐसे में फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा लगाए गए 18.82 करोड़ रुपये के जुर्माने को अदा करने के बाद ये कंपनी भी भारत में क्रिप्टो करेंसी का अपना कारोबार दोबारा शुरू कर सकेगी।

भारत की वित्तीय प्रणाली बहुत मजबूत स्थिति में है : शक्तिकांत दास

एजेंसी

मुंबई। भारत की घरेलू वित्तीय प्रणाली कोरोना महामारी से पहले की तुलना में अब ज्यादा मजबूत स्थिति में है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने 'वित्तीय प्रणाली को लचीला, भविष्य के लिए तैयार और संकट से निपटने में सक्षम' बनाए रखने से जुड़े एक सत्र के उद्घाटन के बाद संबोधित करते हुए यह बात कही।

शक्तिकांत दास मुंबई में इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान (आईजीआईडीआर) परिसर में वित्तीय लचीलेपन पर वैश्विक सम्मेलन में कहा कि हमारा घरेलू वित्तीय तंत्र अब ज्यादा मजबूत स्थित में है। उन्होंने कहा कि समय पर की गई हमारी कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज की वृद्धि धीमी हुई। यदि ध्यान नहीं दिया गया तो असुरक्षित कर्ज की कमजोरियां एक बड़ी समस्या बन सकती हैं। आरबीआई गवर्नर ने कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स द्वारा आयोजित वित्तीय लचीलेपन पर दूसरे वैश्विक सम्मेलन में कहा कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का निम्न स्तर और स्वस्थ

लाभप्रदता देश के बैंकिंग और गैर-बैंकिंग उधारदाताओं की पहचान बन चुकी है। शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं बैंकों और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि आत्मसंतोष के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है, दुनिया बदल रही है, चुनौतियां आ रही हैं। लेकिन हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

बियॉन्ड की ने जीता ड्रीम कंपनीज टू वर्क फॉर का पुरस्कार

एजेंसी

इन्दौर। विश्व की अग्रणी प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता कंपनी 'बियॉन्ड की' ने प्रतिष्ठित ÷ड्रीम कंपनीज टू वर्क फॉर÷ पुरस्कार हासिल किया है। यह पुरस्कार मध्य प्रदेश बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्ड्स-2024 द्वारा आयोजित किया गया था। इंदौर-आईएचसीएल सलेक्शन्स स्थित वॉव क्रेस्ट में आयोजित इस पुरस्कार समारोह में 100 से अधिक कंपनियां और 200 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मध्य प्रदेश बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्ड्स ने रचनात्मकता, नवाचार और कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में बियॉन्ड की द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर पुरस्कार के लिए चयनित किया। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत में परिचालन कर रही 'बियॉन्ड की' एक अग्रणी प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता कंपनी के रूप में मानक स्थापित करते हुए अपने विशेषज्ञों के विकास और मानसिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पुरस्कार चयन समिति ने कहा कि यह कंपनी पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देती है, समग्र अनुभव को समृद्ध करती है और एक सहायक कार्य संस्कृति विकसित करती है।

बियॉन्ड की के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीयूष गोयल ने यह पुरस्कार मिलने पर कहा कि , ÷हम 'ड्रीम कंपनीज टू वर्क फॉर' पुरस्कार प्राप्त करके बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह एक प्रेरणादायक और फलदायी कार्यस्थल वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में हमारे समर्पण का प्रमाण है।उन्होंने कहा, हम एक ऐसी समावेशी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे, जो सीखने की प्रक्रिया के साथ-साथ विकास को प्रोत्साहित करती है और हमारे विशेषज्ञों को संगठनात्मक लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'

क्या है बियॉन्ड की:

बियॉन्ड की 2005 में स्थापित एक प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता कंपनी है, जो वर्षों से उच्च स्तर के एंड-टू-एंड सॉफ्टवेयर समाधान और परामर्श सेवाएं प्रदान कर रही है। 'बियॉन्ड की' उल्लेखनीय सॉफ्टवेयर समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में ग्राहकों को कई परियोजनाओं पर शानदार सहायता प्रदान करती है। यह प्रतिभाशाली सॉफ्टवेयर पेशेवरों के साथ विकास के पथ पर अग्रसर माइक्रोसॉफ्ट सल्यूशन्स पार्टनर है। 'बियॉन्ड की' अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मध्य पूर्व, यूरोप और भारत में बिजनेस इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैटबोट, साइबर सुरक्षा और वेब और मोबाइल ऐप डेवलपमेंट जैसी विभिन्न तकनीकों में उत्कृष्ट परामर्श प्रदान करती है।

केंद्र ने मलावी और जिम्बाब्वे को 2 हजार मीट्रिक टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की दी अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्र सरकार ने दो अफ्रीकी देशों मलावी और जिम्बाब्वे को 2 हजार मीट्रिक टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। अधिसूचना के मुताबिक इन दोनों देशों को एक-एक हजार मीट्रिक टन गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने जारी एक अधिसूचना में कहा है कि मलावी और जिम्बाब्वे को 2 हजार मीट्रिक टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की मंजूरी दी गई है। अधिसूचना के

अनुसार निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है। इसके तहत इन दोनों देशों को एक-एक हजार मीट्रिक टन गैर-बासमती चावल निर्यात की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों पर नियंत्रण के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा हुआ है। लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने निर्यात की मंजूरी दी है। इससे पहले भारत सरकार ने नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है।

शेयर बाजार में तेजी से सेंसेक्स और निफ्टी उछले, निवेशकों ने कमाए 1.91 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर बढ़त के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स और निफ्टी ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार एक बार फिर हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा। पूरे दिन हुई खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। कैपिटल गुड्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी

बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। फार्मास्युटिकल, ऑटोमोबाइल, यूटिलिटी और पीएसयू बैंकों के शेयरों में लगातार दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।आज बाजार में आई तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 435.86 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 433.95 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.91 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,981 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,288 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,562 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 131 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,312 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,505 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 807 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 217.24 अंक की मजबूती के साथ 77,554.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 237.23 अंक की कमजोरी के साथ 77,100.36 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने अपना जोर दिखाया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 500 अंक से अधिक उछल कर 305.50 अंक की बढ़त के साथ 77,643.09 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक अपनी बढ़त कायम नहीं रख सका। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 141.34 अंक की तेजी के साथ 77,478.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 70.15 अंक उछल कर 23,586.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 140 अंक से ज्यादा टूट कर 73.40 अंक की गिरावट के साथ 23,442.60 अंक तक पहुंच गया। दिन के पहले घंटे में ही खरीदारों ने बाजार में अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आने लगी। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 180 अंक से भी अधिक उछल कर 108 अंक की मजबूती के साथ 23,624 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

सिर्फ दिल का ही नहीं, पूरी सेहत का ख्याल रखता है Pista, फायदे जानकर हैरान रह जाएंगे आप

पिस्ता एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसका इस्तेमाल कई तरह की डिशेज में किया जाता है। इसका स्वाद बेहद बेहतरीन होता है और इसमें मौजूद पोषक तत्व सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से बचाव करने में भी मदद करता है। इसलिए अपनी डाइट में पिस्ता को शामिल करना काफी फायदेमंद हो सकता है। आइए जानें पिस्ता खाने के फायदों (Benefits of Pista) के बारे में।

पिस्ता पिस्तासियो वेरा (Pistacia vera) नाम के पेड़ों का बीज फल है। इसका उपयोग नमकीन स्नैक्स बनाने से लेकर मिठाइयों के निर्माण में भी किया जाता है। इसके साथ ही, पिस्ता से तेल और बटर भी तैयार किया जाता है। स्वाद और सेहत से भरपूर पिस्ता एंटीऑक्सीडेंट्स, प्रोटीन, फाइबर, फोलेट, विटामिन, पोटैशियम, विटामिन बी6, कॉपर और फॉस्फोरस जैसे खनिज पोषक तत्वों से भरपूर होता है।

यह हमारे शरीर को अच्छी मात्रा में पोषण प्रदान करता है। इससे बनी मिठाइयां हो या फिर नमकीन, यह अपने स्वाद से सभी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। ऐसे में इतने सारे पोषक तत्वों से भरपूर पिस्ता का अगर रोजाना सेवन किया जाए, तो आपको अनेकों स्वास्थ्य लाभ (Benefits of Pista) प्राप्त हो सकते हैं, तो आईए जानते हैं इनके बारे में।

पोषक तत्वों से भरपूर

अनेक तरह के पोषक तत्वों से भरपूर एक पिस्ता में लगभग 0.2 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 0.12 ग्राम हेल्दी फैट, 0.15 ग्राम प्रोटीन और लगभग 4 कैलोरी होती है। इसमें मौजूद विटामिन बी6 ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने और हिमोग्लोबिन उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई सेल डैमेज को रोकने में मदद करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित करे

रोज पिस्ता के सेवन से शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने और बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने में मदद मिलती है। इसलिए यह कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से बचाव में मदद करता है।

हार्ट हेल्थ बनाए रखे

पिस्ता में पाया जाने वाला विटामिन ई एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है, जो हार्ट सेल्स को सुरक्षित रखने में सहायक होता है। इसके साथ ही, इसमें मौजूद मैग्नीशियम से कार्डियक गतिविधियों को सहायता मिलती है। इस तरह ये हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देते हैं।

वेट लॉस में सहायक

पिस्ता में प्राकृतिक ऊर्जा, प्रोटीन और फाइबर पाया जाता है, जो आपको लंबे समय तक एनर्जेटिक बनाए रखने के साथ-साथ पेट के भरे होने का एहसास भी कराता है।

आंखों के लिए है काफी लाभदायक

पिस्ता में भरपूर मात्रा में पाए जाने वाले विटामिन ई और अनेक तरह के पोषक तत्व आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। ये आंखों के सेल्स सुरक्षित रखने के साथ साथ आंखों को इन्फेक्शन से बचाने में सहायक होते हैं।

चंद्रबाबू नायडू की मोदी की एनडीए सरकार में स्थिति महत्वपूर्ण

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में चंद्रबाबू नायडू का शपथ ग्रहण नायडू के लिए व्यक्तिगत रूप से, तथा उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण घटना थी

राज्य के लिए, चंद्रबाबू फिर से राज्य के सीईओ बन गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में, नायडू ने अपने पहले के कार्यकाल में बिल गेट्स जैसे तकनीकी दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उन्होंने हैदराबाद में निवेश के अवसर लाये और इसे साइबराबाद में बदल दिया। उन्होंने विश्व बैंक जैसी एजेंसियों से बुनियादी ढांचे के लिए धन प्राप्त किया और हैदराबाद का समग्र विकास किया।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में चंद्रबाबू नायडू का शपथ ग्रहण नायडू के लिए व्यक्तिगत रूप से, तथा उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण घटना थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य शीर्ष भाजपा नेताओं ने 74 वर्षीय राजनेता को चौथी बार शपथ लेते हुए देखा, जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक वापसी का प्रतीक है। दो दशकों से अधिक समय तक राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में हाशिए पर रहने के बावजूद, नायडू आभारी हैं। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि किसी राजनेता को तब तक कम नहीं आंकना चाहिए जब तक कि वह खेल से बाहर न हो जाये।केंद्र में मोदी की एनडीए सरकार में दूसरे सबसे बड़े समूह के रूप में तेलुगु देशम पार्टी के साथ-साथ मुख्यमंत्री के रूप में नायडू की वापसी, सत्ता की गतिशीलता में बदलाव का संकेत देती है।एक साल पहले, चंद्रबाबू के पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी एक और कार्यकाल जीतने के लिए आरामदायक स्थिति में थे। उस समय विपक्ष विभाजित था, पवन कल्याण टीडीपी के साथ नहीं थे, और भाजपा अभी भी यह तय कर रही थी कि टीडीपी को फिर से एनडीए गठबंधन में शामिल होने दिया जाये या नहीं। बाबू पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था, और टीडीपी कार्यकर्ता निराश थे।नायडू की वापसी में कई कारकों ने योगदान दिया। सत्ता विरोधी भावना के अलावा, पवन कल्याण की जनसेना, भाजपा और टीडीपी के जातीय गठबंधन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जगन द्वारा बुनियादी ढांचे और कृषि की उपेक्षा ने भी लोगों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिसने नायडू के पुनरुत्थान में और योगदान दिया।नायडू अपने राजनीतिक संकट से बच निकले हैं। उन्होंने 1978 में एक जूनियर मंत्री के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और तब से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में विभिन्न पदों पर रहे हैं। उन्होंने कई बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है, महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की देखरेख की है और राजनीतिक विवादों का सामना किया है। इन सबके दौरान, नायडू ने अपनी अडिग भावना को बनाये रखा।नायडू ने घोषणा की है कि 2024 का चुनाव उनका आखिरी चुनाव होगा, यह कदम मतदाताओं को भावनात्मक रूप से आकर्षित करने के साथ-साथ अपने बेटे लोकेश को अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए उठाया गया है। यह रणनीतिक निर्णय आंध्र प्रदेश की राजनीति में नायडू वंश के भविष्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।पहले, चंद्रबाबू अपने ससुर और तेलुगु देशम प्रमुख एनटी रामा राव की छाया में रहे, लेकिन अंततः अपरिहार्य बन गये। उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा और संयुक्तमोर्चा सरकारों के दौरान राष्ट्रीय राजनीति में बहुमूल्य अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त की। उनकी पार्टी वी पी सिंह, देवेगौड़ा, आई के गुजराल और वाजपेयी सरकारों का हिस्सा थी, जो दर्शाता है कि कोई भी पार्टी अछूती नहीं थी।नायडू और उनकी पार्टी का विभिन्न केंद्र सरकारों के साथ उतार-चढ़ाव भरा रिश्ता रहा है। हालांकि, मोदी सरकार में उनकी वर्तमान भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मोदी सरकार के लिए टीडीपी के समर्थन के साथ, नायडू आंध्र प्रदेश के हितों के लिए बातचीत करने और वकालत करने की स्थिति में हैं।राज्य के लिए, चंद्रबाबू फिर से राज्य के सीईओ बन गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में, नायडू ने अपने पहले के कार्यकाल में बिल गेट्स जैसे तकनीकी दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उन्होंने हैदराबाद में निवेश के अवसर लाये और इसे साइबराबाद में बदल दिया। उन्होंने विश्व बैंक जैसी एजेंसियों से बुनियादी ढांचे के लिए धन प्राप्त किया और हैदराबाद का समग्र विकास किया। हालांकि, गलती यह थी कि उन्हें राज्य के अन्य हिस्सों के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए था।अपने चौथे कार्यकाल में, नायडू को देश के चावल के कटोरे के रूप में कभी आंध्र प्रदेश के महत्व को वापस लाने का अवसर लेना चाहिए। नायडू की सर्वोच्च प्राथमिकता आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त धन प्राप्त करना है, जो राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।आंध्र प्रदेश के विकास के लिए नायडू के दृष्टिकोण में राज्य के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पोलावरम परियोजना जैसी लंबे समय से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पुनर्जीवित करना शामिल है। अपनी पार्टी के समर्थन से, नायडू राज्य के संसाधनों को अधिकतम करने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ हैं।मोदी कैबिनेट में टीडीपी द्वारा केवल एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री को सुरक्षित करने के बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा, %जब राज्य के हितों की बात आती है तो हम नरेंद्र मोदी कैबिनेट की संरचना पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' हालांकि, टीडीपी को अभी भी अगले विस्तार के दौरान अधिक पद हासिल करने की उम्मीद है।दूसरा महत्वपूर्ण कार्य आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती का निर्माण करना है। उनके पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी ने अपने दो कार्यकालों के दौरान इस महत्वाकांक्षी परियोजना को स्थगित कर दिया था। अब जब चंद्रबाबू वापस प्रभारी बन गये हैं, तो उनका लक्ष्य अमरावती को पूरा करना है। वह राजधानी के निर्माण और विभिन्न नयी परियोजनाओं के लिए धन सुरक्षित करने के साथ-साथ अपनी छह कल्याणकारी योजनाओं के लिए केंद्र पर दबाव डालेंगे। शो मैन होने के नाते, वह अमरावती को एक आदर्श राजधानी के रूप में पेश करना चाहेंगे।राज्य गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। धन की भारी कमी है, कुल ऋण लगभग 14 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें विभिन्न स्रोतों से उधार लिये गये1 2 लाख करोड़ रुपये और 1.5 लाख करोड़ रुपये के लंबित बिल शामिल हैं।अपने चार दशक के राजनीतिक जीवन के दौरान, 74 वर्षीय नायडू ने खुद को जीवित रहने वाला साबित किया है। वह अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में अपने समय से बहुत आगे थे। उन्होंने खुद को एक दूरदर्शी, प्रौद्योगिकी समर्थक और तकनीक-प्रेमी मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया।माहौल बहुत बढ़िया है, क्योंकि नायडू को किंगमेकर का श्रेय मिला है। मोदी सरकार का हिस्सा होने से उन्हें सत्ता साझा करने का मौका मिलता है। विधानसभा में उनके पास कोई विपक्ष नहीं है, वाईएसआरसीपी सिर्फ11सीटों पर सिमट गई है।

टीडीपी को मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे को संबोधित करने की ज़रूरत है। यह विषय भाजपा के साथ टकराव का कारण बन सकता है। मोदी के साथ नायडू के सकारात्मक संबंध एक साल तक चलने की उम्मीद है, जिसके बाद वे इस मुद्दे पर मोदी सरकार पर दबाव बना सकते हैं। इसके अलावा, टीडीपी को भ्रष्टाचार के मामले को सुलझाना चाहिए क्योंकि नायडू फिलहाल जमानत पर हैं। अपने चौथे कार्यकाल में उनका आचरण उनके और उनके बेटे लोकेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

क्या नालंदा ज्ञान की वापसी करेगा

बुधवार को बिहार के उस नालंदा विश्वविद्यालय के नये भवन का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकार्पण किया जो करीब दो हजार साल स्थापित हुआ था। तकरीबन 600 वर्षों तक भारत ही नहीं, सम्पूर्ण दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण विद्या-केन्द्र रहा। मूलतः यह बौद्ध धर्म की महायान शाखा द्वारा बनाया गया था परन्तु इसमें हीनयान शाखा के साथ अन्य धर्मों के दर्शन तथा कई विषयों का अध्ययन होता था। इसमें भारत से बाहर के कई छात्र व विद्वान रहकर पढ़ने आते थे। कई विदेशियों, विशेषकर चीन के ह्वेनसॉग और इत्सिंग के यात्रा वृत्तांतों में भी इसका वर्णन है जो इसमें रहे भी। कहते हैं कि इसमें 10 हजार छात्रों के लिये 2000 शिक्षक हुआ करते थे। मोदी ने जब इसका लोकार्पण किया तो उस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा 17 देशों के राजदूत मौजूद थे। कुछ समय पहले भारत में सम्पन्न हुए जी-20 के सम्मेलन में दिये अपने भाषण में मोदी ने इसका एक बड़ा सा चित्र सभी को दिखलाया था और भारत की गौरवमयी विरासत के परिप्रेक्ष्य में इसका जिक्र किया था।

इसमें कोई शक नहीं कि नालंदा विवि भारत की ज्ञान परम्परा का एक बड़ा संस्थान रहा था। दूसरा तक्षशिला विश्वविद्यालय भी था जो अब पाकिस्तान (रावलपिंडी) के हिस्से में चला गया है। बहरहाल, इतिहास बताता है कि साल 1199 में इसे कुतुबुद्दीन ऐबक के सेनापति मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी ने आग लगवा दी थी। अब मोदी सरकार इसका पुनरुत्थान करने जा रही है। बिहार की राजधानी पटना से करीब 88 किलोमीटर दूर नालंदा जिले के राजगीर में स्थित इस विश्वविद्यालय में 24 कक्ष हैं जिनका पुनर्निर्माण किया जा रहा है। देश की हर ऐसी विरासत का लौटना खुशी व गर्व का विषय है। इसलिये यह एक स्वागत योग्य कदम है। वैसे यह तो सच है कि नालंदा विवि के जलने से भारत की विशाल ज्ञान सम्पदा को बड़ा नुकसान हुआ था; और जैसा कि कहा जाता कि उनमें इतनी पुस्तकें थीं कि उसकी लाइब्रेरी कई माह तक जलती रही।दूसरी तरफ यह भी सच है कि इस सम्पदा के नुकसान को भारत ने जल्दी ही वापस पा लिया था। कालांतर में जो मुसलमान शासक आये, उन्होंने अरबी, फारसी के साथ उर्दू, रेख्ता और हिन्दी साहित्य को बढ़ावा ही दिया। संस्कृत के साथ अनेक भाषाएं फलती-फूलती रहीं। अवधी, ब्रज जैसी कई लोकभाषाओं में कई रचनाएं लिखी गयीं और उनके जरिये भी ज्ञान गंगा सतत प्रवाहित होती रही। अमीर खुसरो से प्रारम्भ खड़ी बोली के बाद अंग्रेज जब आये तो वे अंग्रेजी के साथ पाश्चात्य देशों का ज्ञान लेते आये।उनके जरिये औद्योगिक, तकनीकी व व्यवसायिक विकास हुआ। उन्हीं के खोले गये स्कूलों व कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में आधुनिक शिक्षा दी जाने लगी। मध्ययुगीन ज्ञान का स्थान नूतन ज्ञान ने लिया। यह कहने में किसी को कोई संकोच नहीं होना चाहिये कि आजादी के बाद भारत ने बहुत कम समय में जो विकास किया उसका बड़ा कारण देश में पहले से पहुंच चुकी आधुनिक शिक्षा पद्धति थी। यह अलग बात है कि वाट्सएप यूनिवर्सिटी ने लोगों को अब बेमिसाल ज्ञान यह दिया है कि विदेशियों ने परम्परागत भारत की गुरुकुल परम्परा को खत्म कर दिया ताकि भारत की संस्कृति को नष्ट किया जा सके।यह बात तो सही है कि प्राचीन शिक्षा पद्धति समाप्त हो गयी लेकिन यह भी सच है कि उसमें वर्तमान समय की चुनौतियों का कोई जवाब नहीं था और कथित गुरुकुल पद्धति अभिजात्य वर्ग के लोगों तक ही सीमित थी। कुछ धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन पर टिकी प्राचीन शिक्षा का दायरा बहुत संकीर्ण था और वह व्यवहारिक जीवन से मेल नहीं खाती थी। ऐसा नहीं कि वह सारा ही अध्ययन बेकार था जो वेद-वेदांगों, पुराणों, उपनिषदों सहित धर्म ग्रंथों पर केन्द्रित था लेकिन जैसे-जैसे पूरी दुनिया विकसित होती गयी, यह ज्ञान व्यापक परिप्रेक्ष्य में अप्रासंगिक होता चला गया। जिन्हें दिलचस्पी है, वे आज भी इनका अध्ययन कर आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।भारत के विकास में विदेशों से आए ज्ञान ने भारत को कल-कारखाने, बड़े बांध, अस्पताल, सड़कें, पुल, इमारतें दीं, कृषि उत्पाद बढ़ाने के उपाय बताये, विभिन्न बीमारियों से मुक्ति के टीके व दवाएं दीं, कपड़ा मिलें खोलीं और देश को आत्मनिर्भर बनाया। भारत की इस ज्ञान परम्परा को आजाद भारत ने इसलिये जारी रखा क्योंकि हमारे राष्ट्र निर्माता जानते थे कि आधुनिक शिक्षण संस्थानों से न केवल हमारी समस्याओं के हल निकलेंगे वरन ऐसे नागरिक बनेंगे जिनका दृष्टिकोण उदार हो तथा वे विवेकवान हों। इसे जो सबसे बड़ा झटका लगा वह भारतीय जनता पार्टी के इसी दस साल के कार्यकाल में। ज्ञान की जितनी तौहीन और उपेक्षा इस काल में हुई वैसी भारत के बुरे से बुरे काल में भी नहीं हुई थी।नालंदा को जलाने का जो वक्त था वह मध्यकालीन था जब सब कुछ तलवारों से तय होता था। पिछले दशक भर से देखा यह गया कि सत्ता और तकनीकों का उपयोग आधुनिक ज्ञान को दबाने व मिटाने के लिये किया जा रहा है। राजनीतिक हिसाब चुकता करने के लिये ज्ञान के मुकाबले अज्ञान का साम्राज्य खड़ा किया गया ताकि उसके जरिये उस राजनैतिक विरासत को अपमानित किया.

Uttar Pradesh में राहुल तो अन्य राज्यों में अखिलेश तलाश रहे हैं संभावनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी की जीत के बाद यूपी में पार्टी के लिये नई संभावनाएं तलाश रहा कांग्रेस आलाकमान और गांधी परिवार एक बार फिर प्रदेश में विस्तार के लिये कमजोर हो चुके संगठन को नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। राहुल गांधी ने भले ही समाजवादी पार्टी के वोट बैंक के सहारे रायबरेली से जीत हासिल की हो, लेकिन वह अपनी जीत को इस तरह से प्रचारित कर रहे हैं जैसे यूपी की जनता कांग्रेस को फिर से बीजेपी के विकल्प के रूप में देखने लगी है। राहुल गांधी ने केरल की वायनाड सीट से त्यागपत्र देकर रायबरेली सीट का संसद में प्रतिनिधित्व करने का निर्णय कर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है, अब यह ऊर्जा कब तक बरकरार रहेगी कोई नहीं जानता है। इस बार समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाकर चुनाव लड़ रही कांग्रेस को यूपी में 06 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। यूपी को लेकर राहुल गांधी की चपलता को आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। साढ़े तीन दशक से उत्तर प्रदेश में अपनी खोए जनाधार को तलाश रही कांग्रेस को अबकी लोकसभा चुनाव के नतीजों से नई उम्मीद जागी है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की निगाह अब उत्तर प्रदेश पर सबसे अधिक है। बीजेपी ने आम चुनाव में काफी खराब प्रदर्शन किया था, इससे भी कांग्रेस में खुशी का माहौल है।

बहरहाल, यह एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि समाजवादी पार्टी ने यूपी में कांग्रेस को वह सब कुछ दे दिया है जिसकी उसे वर्षो से दरकार थी, लेकिन अब अखिलेश इसकी कीमत वसूलना चाहते हैं। अखिलेश भी कांग्रेस से इस बात की अपेक्षा कर रहे हैं कि वह भी यूपी में बाहर उन राज्यों में उसको हिस्सेदारी दे जहां जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को उसका हिस्सा नहीं दिया तो सपा प्रमुख अपनी साइकिल से कांग्रेस को उतारने में देरी नहीं करेंगे। सपा के सूत्र कह रहे हैं कि आम चुनाव के बाद यूपी में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस-सपा का गठबंधन महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव पर निर्भर करेगा। अगर कांग्रेस इन दो राज्यों में सपा को सीट देने के लिए तैयार हुई, तभी सपा यूपी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के किसी दावे पर विचार करेगी। यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) से सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधानसभा सदस्य अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। सपा के चार विधायकों अखिलेश यादव, अवधेश प्रसाद, लालजी वर्मा और जियाउर रहमान बर्क की सीटें उनके लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद रिक्त हो गई हैं। अखिलेश वर्ष 2019 का विधानसभा चुनाव करहल, अवधेश प्रसाद मिल्कीपुर, लालजी वर्मा कटेहरी और जियाउर रहमान कुंदरकी से जीते थे। खैर से भाजपा विधायक अनूप प्रधान वाल्मीकि, गाजियाबाद से अतुल गर्ग और फूलपुर से भाजपा विधायक प्रवीण पटेल के भी लोकसभा सदस्य चुने जाने से अब यह स्थान खाली हो गए हैं। मझवा (मिर्जापुर) से निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद और मीरापुर से रालोद के विधायक चंदन चौहान भी अब सांसद हो गए हैं। इस तरह से शीघ्र ही चुनाव आयोग इन 10 रिक्त सीटों पर चुनाव कराएगा। कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत सपा से विधानसभा उपचुनाव में भी साझेदारी चाह रही है।बताते चलें कांग्रेस और सपा के बीच ऐसा ही मनमुटाव लोकसभा चुनाव से पहले हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा को सीट न दिए जाने से दोनों दलों के बीच देखने को मिला था।। इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं 2025 में पश्चिम बंगाल, दिल्ली और बिहार में विधान सभा चुनाव होने हैं। सपा के अंदरखाने चर्चा है कि कि अगर कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी को कुछ सीटें देने पर रजामंद हुई, तभी यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस को कोई सीट देने पर विचार किया जा सकता है। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी की ठीकठाक पकड़ है। 2019 के विधानसभा चुनाव में यहां से सपा के दो विधायक जीते थे। इससे पहले भी सपा वहां चुनाव जीतती रही है। इसी आधार पर सपा ने महाराष्ट्र में दावा करने का फैसला किया है। वहीं, हरियाणा की 20 सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी हैं, जिसे सपा अपने पक्ष में मानती है। इस बारे में सपा के प्रवक्ता राजेंद्र चैधरी का कहना है कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, लेकिन उपचुनाव में सीटों के मामले में कोई भी निर्णय समय आने पर सपा नेतृत्व ही लेगा।

उधर, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि राहुल गांधी के निर्णय से उत्तर प्रदेश कांग्रेस को बड़ी ताकत मिली है। प्रदेश कांग्रेस की मांग पर उन्होंने अपनी परंपरागत सीट को चुना है, जिससे पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में उत्साह है। प्रदेश में संगठन को बूथ स्तर पर खड़ा करने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। पार्टी अभियान के तहत इसमें जुटी है और वरिष्ठ पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी जा रही हैं। हर जिले में नए कार्यकर्ताओं को जोड़ा जा रहा है। पार्टी मुख्यालय में राहुल गांधी का जन्मदिन मनाए जाने के साथ ही सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर विशेष आयोजन किए गये है। कांग्रेसी निराश्रित महिलाओं के बीच जाकर खुशियां बांटेंगे।

सूत्र बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में अमेठी व रायबरेली समेत छह सीटों पर कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की चुनौती भी और बढ़ गई है। पार्टी के निष्क्रिय चेहरों को चिह्नित कर हटाने की तैयारी भी है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी की सक्रियता अब और बढ़ेगी। जिसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी में कुछ नए चेहरे भी शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही कांग्रेस की सहयोगी दलों के साथ प्रस्तावित धन्यवाद यात्रा में भी राहुल गांधी की अधिक सक्रियता होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कुल मिलाकर रायबरेली और समाजवादी पार्टी की अपनी-अपनी सियासी महत्वाकांक्षा के चलते दोनों दलों के बीच की दूरियां धीरे-धीरे बढ़ती नजर आ रही हैं। समाजवादी पार्टी को चिंता इस बात की भी है कि यदि कांग्रेस ने यूपी में फिर से जड़े जमा ली तो समाजवादी पार्टी को इसका दीर्घकालीन खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बता दें समाजवादी पार्टी के पास आज जो भी वोट बैंक है, उस पर कभी रायबरेली का कब्जा हुआ करता था। सपा के पूर्व प्रमुख और दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव यह बात अच्छी तरह से समझते थे, इसीलिए उन्होंने कभी कांग्रेस से गठबंधन में रूचि नहीं दिखाई। नेताजी बेटे अखिलेश को भी कई बार सचेत कर चुके थे कि कांग्रेस से उसकी नजदीकी ठीक नहीं हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव के समय नेताजी ने यह बात कही थी, तब कांग्रेस-सपा ने मिलकर यूपी विधान सभा चुनाव लड़ा था। परंतु तब इन दोनों नेताओं को कोई खास कामयाबी नहीं मिल पाई थी।

विविध रूप यज्ञों के

यज्ञों के कई वर्ग किए जा सकते हैं। बहुत से लोग विविध प्रकार के दान-पुण्य द्वारा अपनी सम्पत्ति का यजन करते हैं।

भारत में धनाढ्य व्यापारी या राजवंशी अनेक प्रकार की धर्मार्थ संस्थाएं खोल देते हैं यथा धर्मशाला, अन्न क्षेत्र, अतिथिशाला, अनाथालय तथा विद्यापीठ। ये सब दानकर्म द्रव्यमय यज्ञ हैं। अन्य लोग जीवन में उन्नति करने अथवा उच्च लोकों में जाने के लिए चान्द्रायण तथा चातुर्मास्य जैसे विविध तप करते हैं। इन विधियों के अन्तर्गत कठिन व्रत करने होते हैं। उदाहरणार्थ, चातुर्मास्य व्रत रखने वाला वर्ष के चार मासों में (जुलाई से अक्टूबर तक) बाल नहीं कटाता, न ही कतिपय खाद्य वस्तुएं खाता है और न निवास-स्थान छोड़कर कहीं जाता है।

जीवन के सुखों का ऐसा परित्याग तपोमय यज्ञ कहलाता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अनेक योग पद्धतियों का अनुसरण करते हैं यथा पतंजलि पद्धति अथवा हठयोग या अष्टांग योग। कुछ लोग समस्त तीर्थ स्थानों की यात्रा करते है।. ये सारे अनुष्ठान योग-यज्ञ कहलाते हैं। कुछ लोग ऐसे हैं जो विभिन्न वैदिक साहित्य यथा उपनिषद् तथा वेदान्तसूत्र या सांख्यदर्शन के अध्ययन में अपना ध्यान लगाते हैं। इसे स्वाध्याय यज्ञ कहा जाता है। ये सारे योगी विभिन्न प्रकार के यज्ञों में लगे रहते हैं और उच्चजीवन की तलाश में रहते हैं, किन्तु कृष्ण भावनामृत इनसे पृथक है, क्योंकि यह परमेश्वर की प्रत्यक्ष सेवा है। श्वास को रोकने की योग विधि प्राणायाम कहलाती है। प्रारम्भ में हठयोग के विविध आसनों की सहायता से इसका अभ्यास किया जाता है। ये सारी विधियां इन्द्रियों को वश में करने तथा आत्म-साक्षात्कार की प्रगति के लिए संस्तुत की जाती हैं। बुद्धिमान योगी एक ही जीवनकाल में सिद्धि प्राप्त करने का इच्छुक रहता है, वह दूसरे जीवन की प्रतीक्षा नहीं करता।

कुम्भक योग के अभ्यास से योगी जीवन अवधि को अनेक वर्षों के लिए बढ़ा सकता है, किन्तु भगवान की दिव्य प्रेमाभक्ति में स्थित रहने के कारण कृष्ण भावना भावित मनुष्य स्वतः इन्द्रियों का नियंता (जितेन्द्रिय) बन जाता है। उसकी इन्द्रियां कृष्ण की सेवा में तत्पर रहने के कारण अन्य किसी कार्य में प्रवृत्त होने का अवसर ही नहीं पातीं। फलतः जीवन के अन्त में उसे स्वतः भगवान कृष्ण के दिव्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया जाता है। अतः वह दीर्घजीवी बनने का प्रयत्न नहीं करता। वह तुरन्त मोक्ष पद को प्राप्त कर लेता है।

धैर्य की पराकाष्ठा

बाल गंगाधर तिलक भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी थे पर वे अद्वितीय कीर्तनकार, तत्वचिंतक, गणितज्ञ, धर्म प्रवर्तक और दार्शनिक भी थे। हिंदुस्तान में राजकीय असंतोष मचाने वाले इस करारी और निग्रही महापुरुष को अंग्रेज सरकार ने मंडाले के कारागृह में 6 साल के लिए भेज दिया। यहीं से उनके तत्व चिंतन का प्रारंभ हुआ। दु:ख और यातना सहते शरीर को व्याधियों ने घेर लिया था। ऐसे में ही उन्हें अपने पत्नी के मृत्यु की खबर मिली। उन्होंने अपने घर एक खत लिखा -आपका तार मिला। मन को धक्का तो जरूर लगा है। हमेशा आए हुए संकटों का सामना मैंने धैर्य के साथ किया है। लेकिन इस खबर से मैं थोड़ा उदास जरूर हो गया हूं। उसकी मृत्यु के समय मैं वहाँ उसके करीब नहीं था इसका मुझे बहुत अफसोस है। होनी को कौन टाल सकता है? परंतु मैं अपने दु:ख भरे विचार सुनाकर आप सबको और दुखी करना नहीं चाहता। मेरी गैरमौजूदगी में बच्चों को ज्यादा दु:ख होना स्वाभाविक है। उन्हें मेरा संदेशा पहुंचा दीजिए कि जो होना था वह हो चुका है। इस दु:ख से अपनी और किसी तरह की हानि न होने दें, पढ़ने में ध्यान दें, विद्या ग्रहण करने में कोई कसर ना छोड़ें। मेरे माता पिता के देहांत के समय मैं उनसे भी कम उम्र का था। संकटों की वजह से ही स्वावलंबन सीखने में सहायता मिलती है। दु:ख करने में समय का दुरुपयोग होता है। बाल गंगाधर तिलक ने अपना धीरज न खोते हुए परिवार वालों को धैर्य बंधाया व इस परीक्षा को सफलता से पार किया। जीवन भर उन्होंने कर्मयोग का चिंतन किया था। गीता रहस्य उन्होंने इसी मंडाले के कारागृह में लिखा था।

जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो, बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए, ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं, लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए। कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गईं। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

सफलता का नशा

किसी आश्रम में अनेक छात्र रहते थे। उनमें से एक छात्र को अपनी बुद्धि पर काफी अभिमान हो गया था। एक दिन गुरु ने उसे एक कथा सुनाई- घने जंगल में एक बकरी रहती थी। वह अपने को काफी चतुर मानती थी। उसके शरीर पर घने नर्म लंबे बाल थे, जिस कारण वह बहुत सुंदर दिखती थी। एक दिन वह घास चर रही थी, तभी कुछ शिकारियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने उसका पीछा करना शुरू किया। बकरी भागती हुई जंगल में एक ऐसी जगह पहुंची, जहां अंगूर की घनी बेलें थीं। बकरी बेलों के पीछे जाकर छिप गई। जब पीछा करते शिकारी पहुंचे, तो वे बकरी को देख न सके। बड़ी देर तक वहां ढूंढने के बाद वे आगे बढ़ गए। बकरी अपनी चतुराई पर बहुत प्रसन्न हुई। तभी उसका ध्यान अंगूर के कोमल पत्तों पर गया तो उसने अंगूर की बेल को ही चरना आरंभ कर दिया। थोड़ी देर में ही उसने सारी झाड़ी चट कर डाली। तभी शिकारी उसे ढूंढते वापस वहां आ पहुंचे और उन्होंने बकरी को देख लिया और थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्होंने उसका शिकार कर लिया। शिकारी आपस में कह रहे थे कि यदि बकरी ने वह झाड़ी साफ न की होती तो उसे पकड़ना नामुमकिन था। बकरी ने अपना आश्रय स्वयं नष्ट किया और वह शिकार हो गई। गुरु ने कथा यहीं समाप्त कर कहा, सफलता के नशे में मनुष्य अपना विवेक खो देता है और स्वयं को संकट में डाल लेता है। इसलिए अहंकार से बचना चाहिए। शिष्य गुरु का आशय समझ गया।

कर्म का बीजारोपण

संकल्प शक्ति

संकल्प की चरणबद्ध रूपरेखा बनाई जाती है। इसमें सोच विचार कर निश्चय किये जाते हैं। निश्चय को मन में छिपाकर नहीं रखा जाता है, वरन् प्रकट किया जाता है। तत्परतापूर्वक और तन्मयतापूर्वक मन लगाने के लिए साहस जुटाया जाता है। साधन एवं सहयोग एकत्रित करने का ताना-बाना बुना जाता है और उसके लिए समुचित दौड़-धूप की जाती है। कठिनाइयां आ सकती हैं और उनका सामना करने के लिए पहले से ही क्या तैयारी रखी जा सकती है, इन सब प्रश्नों पर गंभीरता एवं दूरदर्शिता के साथ विचार किया जाता है। जानकारों के साथ परामर्श किया जाता है। ऐसे सुनिश्चित प्रयत्नों को संकल्प कहते हैं। संकल्प और असंकल्प का अन्तर समझने वालों को असफलता से बचने और सफलता के लक्ष्य तक पहुंचने में विशेष कठिनाई नहीं होती। संकल्पवान् हर परिस्थिति का सामना करने के लिए साहस उभारते हैं। आंतरिक और परिस्थितिजन्य अवरोधों से जूझने का पराक्रम करते हैं। फलतः असमंजस हटता है और पुरुषार्थ की गतिशीलता प्रखर होती चली जाती है। लक्ष्य तक पहुंचने का यही राजमार्ग है। श्रेष्ठता की साधना संकल्प से ही संभव होती है। संकल्प को ही व्रत कहते हैं। व्रतधारी ही तपस्वी और मनस्वी कहलाते हैं। लक्ष्य की ओर शब्दवेधी बाण की तरह सनसनाते हुए चल पड़ने की क्षमता उन्हीं में होती है। संकल्प का कार्य है- अमुक कार्य करने का, अमुक लक्ष्य तक पहुंचने का दृढ़ निश्चय। दृढ़ निश्चय का अर्थ है- काम करने की सुव्यवस्थित योजना बनाना, उसके लिए समुचित श्रम, साधना और मनोयोग लगाने की प्रतिज्ञा। प्रतिज्ञा का अर्थ है- आत्म गौरव को दांव पर लगा देना, प्रयास को चरम पुरुषार्थ के साथ पूरा करना। मन:संस्थान की संरचना कर सकना संकल्प का ही काम है। इसी से कहा जाता है कि संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते।

संकल्प को जड़ और सफलता को तना कहा जा सकता है। इसीलिए तत्ववेत्ताओं ने व्रतशील संकल्प के निर्धारण के कार्य को आधी सफलता माना है। यह मान्यता अक्षरशः सत्य है, जिसे संदेह हो वह इस सच्चाई की परीक्षा स्वयं करके देख सकता है। जागरुकता पुरुषार्थ का प्रथम संकल्प है। हममें से प्रत्येक को कुछ सृजनात्मक संकल्प करना चाहिए। अब हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। मनगढ़ंत हवाई उड़ानें भरते रहने से हम कहीं के न रहेंगे। कहा भी गया है- ख्वाब कभी पूरे नहीं होते, संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते।

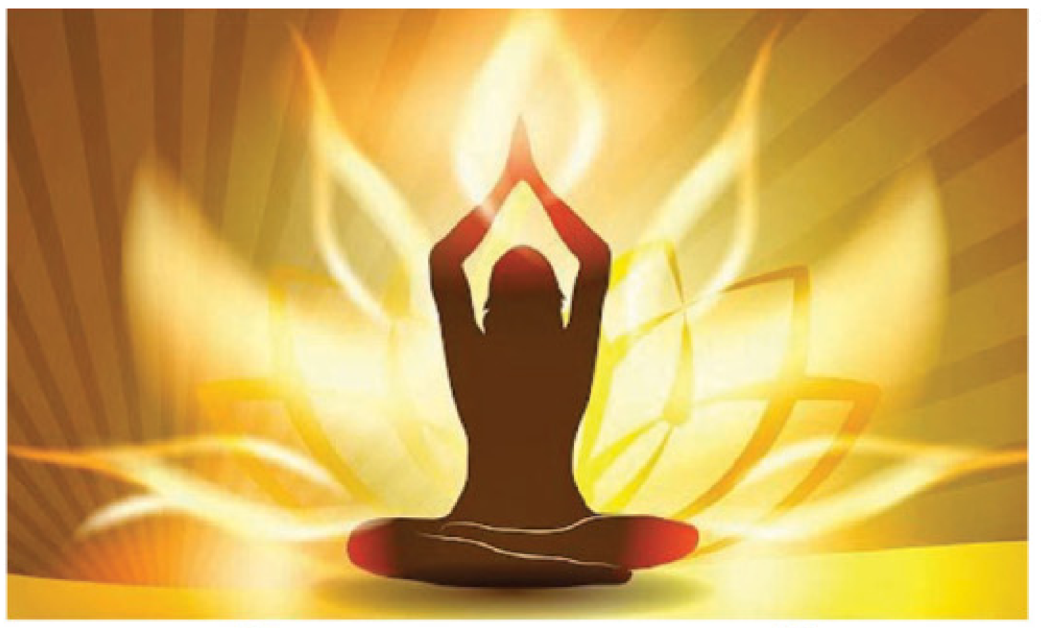

जीवन का आधार है

आध्यात्म

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है। हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है। जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

सशक्त व उत्तम शक्ति

संगीत

संगीत का उद्देश्य आपके भीतर गहन मौन का सृजन करना होता है और मौन का उद्देश्य जीवन में सक्रियता का सृजन करना होता है, इसलिए वह मौन जो जीवन में सक्रियता का सृजन न कर सके, वह ठीक नहीं है और वह संगीत जिससे आपके भीतर मौन, शान्ति और सामंजस्य सृजन हो सके, वह भी ठीक नहीं है।

संगीत सबको एक साथ जोड़ता है। सारी जातियों, धर्मों और महाद्वीपों में प्रेम के अलावा संगीत ही वह एक शक्ति है, जो सभी को आपस में जोड़ती है। भारतीय समाज की सबसे सशक्त व उत्तम शक्ति अध्यात्म है। संगीत की तरह ही अध्यात्म भी बहुत ही सूक्ष्म है। भक्ति अध्यात्म के आचरण का एक माध्यम है। अध्यात्म धर्म और भक्ति का सम्बन्ध मन के सात्विक भावों से होता है। यही भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति श्रद्धा से भरकर उसकी अर्चना की प्रेरणा देते हैं।

ऋग्वेद काल में गीत के लिए गीर, गातु, गाथा, गायत्र, गीति तथा साम शब्दों स्वरों में निबद्ध होने पर ऋग्वेद की ऋचायें संतोत्र कहलाती थी। इन स्तोत्रों का गायन जब प्रकारान्तर व विविध स्वरों के साथ किया जाता था, तब इसे स्तोम नाम से पुकारा जाता था। स्तोम वैदिक संगीत का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यह एक विशिष्ट प्रणाली है, जिसमें आधुनिक संगीत की गान-शैली की झलक मिलती है। साम के गायन का उल्लेख ऋग्वेद में बार-बार आता है। इससे यह सिद्ध होता है कि ऋग्वेद काल में साम गान बहुत प्रचार में था और इन्हीं सामों पर आधारित ऋचाओं का गान किया जाता था। इन सामों का गायन धार्मिक और लौकिक दोनों प्रसंगों पर किया जाता था। उस समय प्रात:काल में मंगल वाद्य के रूप में वीणा आदि जिसे वाण कहते थे का प्रयोग होता था। दुंदुभि वैदिक युग का महत्वपूर्ण वाद्य माना जाता था। विभिन्न अनुष्ठानों और मंगल कार्यों में गायन वादन और नृत्य प्रचार में था।

भारतीय संस्कृति में प्राण-प्रतिष्ठा करने वाला सबसे मुख्य तत्व आध्यात्मिक है। परम्परावादी भारतीय जीवन में प्रत्येक व्यापार तथा सफलताओं में यही भावना मिलेगी। यहां के लोगों का पारस्परिक प्रण्य-बन्धन युद्ध-शान्ति, श्रृंगार तथा सभी उच्चकोटि की ललित कलाओं में मुख्य आधार अध्यात्म तथा आत्मा व परमात्मा में अथाह आस्था है। प्रत्येक भारतीय व्यक्ति का व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक संगठन यहां तक कि राजनीतिक योजनाएं भी आध्यात्मिक भावना से सर्वदा अनुप्रेरित रहती है।

भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों में जीवन-मरण बोध, पाप-पुण्य, जन्म-पुनर्जन्म, कर्म-विचार, मुक्ति का मार्ग, दार्शनिकता, आध्यात्मिकता, सौन्दर्योपासना कलात्मक-लालित्य, संगीत स्थापत्य, चित्र-कला नृत्य तथा काव्य कला आदि को रखा जा सकता है। ये तत्व हमारी संस्कृति के अन्तर्गत आते हैं। यह परम्पराएं प्रथाएं संस्कृति के अन्तर्गत आती हैं। कलाएं सभ्यता के साथ विकसित होती हैं तथा अध्यात्म के धरातल पर एक हो जाती हैं। भारतीय धारणा के अनुसार उत्कर्ष की अन्तिम स्थिति में पहुंच कर कलाएं भी भक्ति भाव द्वारा मोक्ष में सम्माहित हो जाती हैं। विद्वानों के अनुसार वेद ग्रन्थ प्राचीनता व आध्यात्मिकता के प्रतीक है। रामायण, महाभारत, गुरु ग्रन्थ साहिब जो अध्यात्म की अनमोल निधि है। इसमें अध्यात्म कभी मन्त्रोच्चारण में, कभी यज्ञों में, कभी कर्मकाण्डों में तथा कभी संगीत रूप में उजागर होता है। समय के साथ अध्यात्म और भक्ति के साधन भले ही बदल रहे हों, परन्तु अध्यात्म आज भी उसी शाश्वत रूप में है जैसे वैदिक-काल में था। परम्परा में अध्यात्म आज भी शीर्ष पर ही है। अध्यात्म की महिमा का ही परिणाम है कि हमारे साहित्य के चार कालों (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल), में भक्ति काल को स्वर्ण युग की संज्ञा प्राप्त है।

अक्सर लोग यह कहते हैं कि हमें धर्म की जरूरत क्यों है? हम अपना काम अच्छी तरह करें तो क्या जरूरत है कि भगवान के किसी स्वरूप की आराधना करें -हम किसी को दु:ख न दें, अवसर पड़े तो किसी की मदद करें, और न कर सकें तो किसी की हानि न करें और कुछ न करें तो केवल अपना कर्म मेहनत, लगन तथा निष्ठा से करते रहें। अपने आप में यह विचार बहुत अच्छा है ,पर ऐसा कहने वाले यह भूल जाते हैं कि हमारे इस देह में एक मन है जो बहुत चंचल है और वह हमारे विचारों के साथ देह को भी घुमाने की भी क्षमता रखता है और उस पर बिना आध्यात्मिक शक्ति के नियंत्रण नहीं किया जा सकता है-जिसका केंद्र हमारे अन्दर ही स्थित है। मन से ज्यादा शक्तिशाली है हमारी आत्मा, जिसे जानना जरूरी है। हम उस जानने की विधा को आध्यात्मिकता कहते हैं। हम अपने मन और देह को सदैव सांसारिक कार्यों में लगाए रहते हैं, इसमें कोई दोष नहीं है, पर जो एकरसता की वजह से उब होती है, उसे हम समझ नहीं पाते। यह आत्मा इस देह और मन में अपने अस्तित्व के अहसास के लिए तरसती है। वह चाहता है कि कुछ देर वह उस निरंकार, निर्गुण और शाश्वत सत्य स्वरूप परमपिता परमात्मा का स्मरण इस देह और मन से करे, जो उसने धारण कर रखी है। इसीलिए सांसारिक कार्य लगन, मेहनत, और निष्ठा से करते हुए भी अपने अध्यात्म से जुड़ना चाहिए।

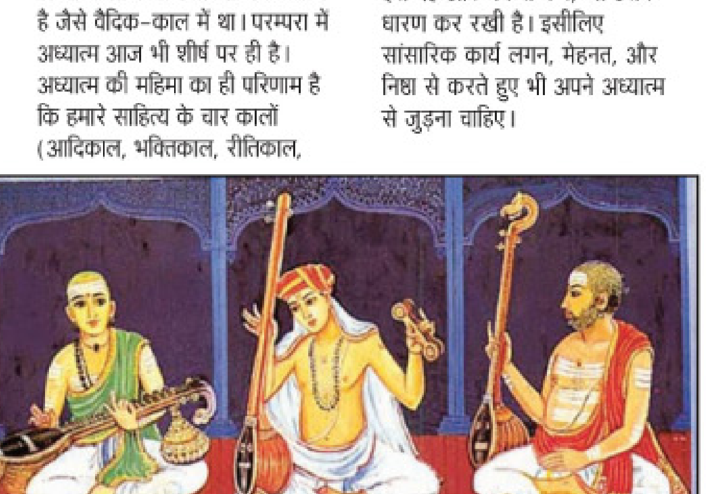

हम अपने दांतों को साफ क्यो करते हैं, इसीलिए न की हमारे दांत सही और तंदुरुस्त और चमकदार बने रहें, ताकि हम जो भी खाएं दांतों के द्वारा सही ढंग से चबाया जा सके और हमारी पांचन क्रिया सही बनी रहे। पर आपको यह जान कर हैरानी होगी कि दांतों को साफ करने वाले टूथपेस्ट आपको बीमारी दे सकते हैं। टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों के साथ शरीर के अंगों को भी नुकसान पंहुचा सकते हैं। जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं।

टूथपेस्ट में होते हैं हानिकारक केमिकल

- टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के जरिए खून में जाकर शरीर के अंगों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं
- 'डीएथलोमिन' नाम के केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है

1. लीवर और गुर्दे का कैंसर : टूथपेस्ट में ''डीएथलोमिन' नाम का केमिकल पाया जाता है जिससे टूथपेस्ट में झाग बनता है। इस केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है। जिसके बाद केमिकल आपके खून में जमा होने लगते हैं जो लंबे समय के बाद आपको गंभीर बीमारी दे सकता है।

2. थायराइड : बाजार में मिलने वाले टूथपेस्ट में ट्रिक्लोसन नाम का जर्म किलर केमिकल पाया जाता है जिसे पहले पेस्टसाइड की तरह इस्तेमाल किया जाता था। अध्यन से पता चला है कि यह केमिकल थायराइड, हृदय की समस्या और कैंसर जैसे रोगों को जन्म दे सकता है।

3. दिमाग, किडनी और हृदय की समस्या : कुछ टूथपेस्ट में पॉलीथीन ग्लाइकोल्स (पॉलीथीन) नाम का पदार्थ पाया जाता है जो और कुछ नहीं प्लास्टिक होती है। यह केमिकल आपके शरीर के लिए जहर की तरह है जो आपके दिमाग, किडनी और हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है।

4. बच्चों में बुद्धि की कमी : टूथपेस्ट में फ्लोराइड नाम का केमिकल पाया जाता है जो आपके मसूड़ों को नुक्सान पंहुचा सकता है साथ ही बच्चों के दिमाग को भी कमजोर करता है। गर्भवती महिलाएं अगर इसका इस्तेमाल करती हैं तो उन्हें थायरॉयड, हड्डियों की परेशानी, पेट की समस्या और कैंसर हो सकता है।

5. मुंह का अल्सर और हार्मोनल इम्बैलेंस : टूथपेस्ट में एक ऐसा पदार्थ मिलाया जाता है जो साबुन की तरह काम करता है जिसे सोडियम सल्फेट कहा जाता है। इससे मुंह का अल्सर, त्वचा में इरिटेशन और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है।

6. मधुमेह और वजन बढ़ना : टूथपेस्ट में एस्पार्टेम (आर्टफिशल शुगर) पाई जाती है। इस जीरो कैलोरी शुगर से मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे ब्रेन ट्यूमर सहित कई अन्य बीमारियां भी होती हैं।

अंडरगारमेंट जो करेगा कूल्हे की चोट से रक्षा

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है, यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फीमर बोन की सुरक्षा करेगा

यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है

माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है, यह डिवाइस काफी लचीली भी है

नई दिल्ली। आजकल वृद्धों में कूल्हे की चोट काफी आम बात सी हो गई है। जरा सा भी गिरने पर आपके घर में मौजूद किसी भी वद्ध को कूल्हे पर गंभीर चोट लग जाती है। अब आईआईटी के छात्रों ने एक ऐसा अंडरगारमेंट तैयार किया है जो वृद्ध लोगों को इस तरह की चोट से बचाएगा। जल्द ही आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकेंगे।

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है। यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फेमुर बोन की सुरक्षा करेगा। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ने इस डिवाइस को तैयार किया है। आईआईटी के प्रोफेसर नरेश भटनागर ने इस डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है। माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यह डिवाइस काफी लचीली भी है।

कैसे बचाता है चोट से प्रोफेसर नरेश के मुताबिक, गिरने पर यह डिवाइस हिप एरिया के आसपास मौजूद टिश्यूज पर पड़ने वाले दबाव को कम करती है। इसकी वजह से कोई भी चोट या फिर घाव नहीं होता है। इसका आकार काफी छोटा है, वजन भी कम है और इसकी डिजाइन भी काफी सुविधाजनक है। ऐसे में अगर आप चाहें तो इस डिवाइस को आसानी से अपने साथ कैरी कर सकेंगे। प्रो. भटनागर ने जानकारी दी कि जल्द ही यह डिवाइस फ्लिपकार्ट पर 1,000 रु पए से भी कम कीमत पर लोगों के लिए मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि अमेरिका में इसी तरह की एक डिवाइस है जिसकी कीमत 100 अमेरिकी डॉलर है लेकिन भारत में यह काफी सस्ती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

लॉफिंग ज़ोन

एक टीवी सेल्समैन एक गृहिणी को अपनी कंपनी के नये कलर टीवी की विशेषताएं बता रहा था. यह दिखाने के लिए कि रिमोट कंट्रोल कितना शक्तिशाली है, वह रंगीन टीवी को बैठक में छोड़कर रसोईघर में गया और वहीं से टीवी का चैनल बदलकर दिखाया.

एक माह बाद वह फिर पहुंचा और उस गृहिणी से टीवी के बारे में पूछा.

गृहिणी ने कहा, 'टीवी तो अच्छा है पर चेनल बदलने के लिए हर बार मुझे रसोईघर में जाना पड़ता है.'

☺ ☺ ☺

वकील साहब (मुजरिम से)- 'क्या यह सही है कि तुमने दस हजार रुपये के साथ-साथ गहने भी चुराए हैं?'

मुजरिम (वकील से)- हां साहब. मेरी मां का कहना है कि केवल रुपये से ही खुशी नहीं मिल सकती.'

☺ ☺ ☺

मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरों को मार दो.'

थोड़ी देर बाद मालिक फिर गुस्से से बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक गए हैं.'

नौकर (मालिक से)- साहब जी, 'मच्छरों को तो मैंने कभी का मार दिया. ये तो उनकी विधवाएं हैं जो उनकी याद में विलाप कर रही हैं.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4091

(■ = काला खाना; "n↓" = नीचे का जोड़, "n→" = दाएं का जोड़; खाली = भरने वाला खाना)

■	14↓	6↓	■	■	■	■	■	■	■
11→			10↓	■	16↓	10↓	■	14↓	4↓
12→				11→			8→		
■	3→			7↓ 10→			24↓ 3→		
■	■	24↓ 3→			20→				■
■	13↓ 14→				17↓ 8→			30↓	11↓
15→			15↓ 9→			13↓ 23→			
23→				3↓ 16→			17↓ 10→		
■	■	6→			23→				■
■	■	4→			■	16→			■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

■	24↓ 15→	1	2	3	4	5

नीचे: 7, 8, 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 4090 का हल

■	3↓	6↓	■	■	■	■	■	■	■
4→	1	3	10↓	■	3↓	30↓	■	23↓	3↓
7→	2	1	4	11→	2	9	11→	9	2
■	5→	2	3	24↓ 9→	1	8	7↓ 9→	8	1
■	■	18↓ 11→	2	9	14→	7	1	6	■
■	3↓ 13→	4	1	8	14↓ 10→	6	4	10↓	12↓
11→	2	9	23↓ 13→	7	6	16↓ 6→	2	1	3
14→	1	5	8	15↓ 15→	8	7	3↓ 11→	2	9
■	■	13→	6	7	15→	9	2	4	■
■	■	17→	9	8	■	4→	1	3	■

फिल्म वर्ग पहेली-4091

1		2	■	3		4	■	5	
	■	6			■		■		■
■	7		■	8		■	9		10
11		■	12		■	13		■	
■		■	■	14		■	15	16	
17	■	18	19		■	20			■
21		■		■	22		■	23	24
	■	25	■	26	■	27		■	
■	28					■	■	29	
30		■	■		■	31			■

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली4090

स्व	दे	श	■	स	ड़	क	■	आ	ह
र्ग	■	श	हु	ल	■	स	र	ग	म
■	बॉ	बी	■	मा	लि	क	■	■	जो
अ	क्स	■	डॉ	न	■	■	जं	ग	ली
ध	र	ती	■	खा	मो	शी	■	र्व	■
र्म	■	स	■	न	■	बा	जी	■	का
■	क	री	ना	■	प	■	त	ला	श
स	■	क	■	सू	र	ज	■	वा	■
प	ड़ो	स	न	■	वा	■	बा	रि	श
ने	■	म	■	गु	ना	ह	■	स	■

सूडोकु 4091

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4090 हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 4091

1		2	■	3	■	4	5	6		7
	■	8			■	9			■	
10	11	■	■		■		■	■	12	
■		■	13		14		15	■		■
16				■		■	17			
■	■	■	18		■	19		■	■	■
20	21			■	22	■	23		24	
■		■	25	26		27		■		■
28		■	■		■		■	■	29	30
	■	31	32		■	33		34	■	
35					■		■	36		

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली - 4090 हल

म	न	मो	ह	न	■	र	वा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	व	■	क्ष्य	■	म	त	ल	ब
■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र

परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस का धरना प्रदर्शन, एकजुटता दिखाने की कोशिश

एजेंसी

भोपाल । नीट यूजी 2024 परीक्षा, मध्य प्रदेश की नर्सिंग परीक्षा और इंदौर विश्वविद्यालय में हुई गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर शुक्रवार को धरना दिया। इस धरना प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करने की भी कोशिश की।

कांग्रेस ने अपने पूर्व घोषित आंदोलन के मुताबिक राजधानी के रोशनपुरा चौराहे पर परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ी खासकर नीट यूजी 2024, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर में पेपर लीक कांड और नर्सिंग घोटाले के विरोध में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया।

पार्टी की प्रदेश इकाई ने जिला स्तर पर भी धरना प्रदर्शन आयोजित किया है। इस प्रदर्शन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व प्रदेश से प्रभारी सी पी मित्तल सहित तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने परीक्षा में हो रही गड़बड़ी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल का कहना है कि परीक्षाओं में एक के बाद एक गड़बड़ियां सामने आ रही हैं, यह चिंता का विषय है और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी।राज्य में लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस का यह पहला बड़ा धरना प्रदर्शन है। इसके जरिए कांग्रेस ने अपनी एकजुटता दिखाने की कोशिश की।

चरणजीत सिंह चन्नी का मान सरकार पर बड़ा हमला, केजरीवाल पर कसा तंज

चंडीगढ़ । कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले आप पार्टी के नेता मीटिंग करते हैं, लेकिन इनसे किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता। साथ ही उन्होंने अरविंद केजरीवाल की रिहाई पर हाई कोर्ट से रोक लगने के बाद चुटकी ली। चन्नी ने कहा कि आज पंजाब के पश्चिमी इलाके में गंदा पानी आ रहा है। दो साल हो गए, आप पार्टी की सरकार को सत्ता में आए, लेकिन इनकी सरकार ने किसी भी ट्यूबवेल की मरम्मत नहीं की। इलाके का पानी इतना गंदा है कि कोई इससे नहा भी नहीं सकता, पीने की बात तो दूर। चन्नी ने कहा कि इसी तरह गलियों में सीवरेज का गंदा पानी बह रहा है। आप पार्टी को चाहिए था कि सवा दो साल में वह जनता के लिए कुछ बेहतर सोचे, लेकिन मान सरकार ने ऐसा नहीं किया। चन्नी ने कहा कि अब इस पार्टी के नेताओं को हराने का समय आ गया है। चन्नी ने कहा कि दो साल में इनकी सत्ता के दौरान लूटपाट, नशा सहित कई बुरे काम काफी बढ़ गए हैं, लेकिन इनका लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह फेल है।

गंगोत्री नेशनल हाइवे पर मध्यप्रदेश के यात्रियों की बस पलटी, 5 यात्री घायल

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थान झाला ब्रिज के पास मध्य प्रदेश के यात्रियों की बस सड़क पर पलट गई। इसमें पांच यात्री घायल हो गए। बाकी सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लोग किसी तरह से बाहर निकल आए। करीब पांच यात्रियों के मामूली चोटें आई है,

जिनको पास ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्षिल भेजा गया है। कई घंटों तक इस मार्ग पर यातायात जाम रहा। बस को हटवाने के बाद यातायात बहाल हो सका। यात्रियों ने फोन पर अपने परिजनों को सुरक्षित होने की सूचना दी, तब परिवार वालों ने राहत की सांस ली।

धर्मनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में बनेंगे गेस्ट हाउस

लखनऊ । धर्मनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में उत्तर प्रदेश सरकार अतिथि गृहों के निर्माण कराने जा रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों अतिथि गृहों के निर्माण स्थल, ले-आउट, सुविधाओं और साज-सज्जा आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया। राज्य संपत्ति विभाग के अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर स्थापना के बाद अयोध्या में माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, सहित देश-दुनिया से अनेक विशिष्ट-अति विशिष्ट अतिथियों का आगमन हो रहा है। इनके प्रवास के लिए सुरक्षा व सुविधा के उत्कृष्ट मानकों के साथ गेस्ट हाउस की आवश्यकता है।इसी प्रकार प्रयागराज में गणमान्य जनों के बेहतर आतिथ्य के लिए एक सर्वसुविधायुक्त अतिथि गृह बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए प्रक्रिया यथाशीघ्र प्रारंभ कर दी जाए। अयोध्या में प्रस्तावित अतिथि गृह के संबंध में चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में सरयू नदी के किनारे पर्यटन विभाग की भूमि अतिथि गृह के लिए उपयुक्त होगी। यहां करीब साढ़े तीन एकड़ के क्षेत्र में अतिथि गृह बनाया जा सकता है।

सैनिकों की आक्रामक क्षमता को सही दिशा देता है योग : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को कहा कि योग, सैनिकों की आक्रामक क्षमता को सही दिशा देता है जिससे वे अनावश्यक आक्रामकता से बचते हैं, लेकिन जब भी जरूरत होती है तो देश की रक्षा के लिए आक्रामक रुख अख्तियार कर लेते हैं। श्री सिंह ने आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उत्तर प्रदेश के मथुरा में सेना की 01 कोर में सैनिकों के साथ विभिन्न आसन और श्वास अभ्यास करके 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने में सशस्त्र बलों का नेतृत्व किया। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 01 कोर लेफ्टिनेंट जनरल संजय मित्रा के साथ वरिष्ठ अधिकारियों, अग्निवीरों, परिवारों और बच्चों सहित 600 लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। रक्षा मंत्री ने इस दिन को राष्ट्र के लिए

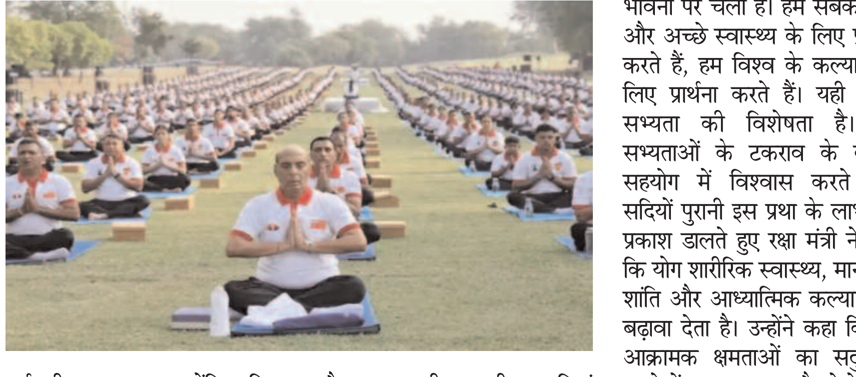

गर्व की बात बताया क्योंकि दुनिया भारत की इस महान सांस्कृतिक विरासत को उत्साह के साथ स्वीकार कर रही है। इस वर्ष के योग दिवस की विषय वस्तु अपने और समाज के लिए योग पर श्री सिंह ने कहा कि योग और ध्यान प्राचीन भारतीय पद्धतियां हैं जो व्यक्ति को स्वयं, परिवार और समाज से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा , योग और ध्यान हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं जो हमेशा से सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया की भावना पर चला है। हम सबके सुख और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं, हम विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। यही हमारी सभ्यता की विशेषता है। हम सभ्यताओं के टकराव के बजाय सहयोग में विश्वास करते हैं।÷ सदियों पुरानी इस प्रथा के लाभों पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि यह आक्रामक क्षमताओं का सदुपयोग करने में सहायता करता है जो देश की सुरक्षा करने वाले सैनिकों के लिए महत्वपूर्ण है।

जीवन जीने की कला है योग: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को 10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया और कहा कि योग एक सुखी स्वस्थ और संपूर्ण जीवन जीने की कला और विज्ञान है।

श्री चौहान ने यहां 10वें अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत रत्न सी ऑडिटोरियम, एनएएससी कॉम्पलेक्स, पूसा परिसर में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया। कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी एवं किसान कल्याण सचिव मनोज आहूजा, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के महानिदेशक हिमांशु पाठक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

बिरला की अगुवाई में संसद परिसर में मनाया गया योग दिवस

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अगुवाई में संसद भवन परिसर में आज दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि योग को आज पूरी दुनिया में स्वीकृति मिली है और यह आज का प्रमुख वैश्विक आंदोलन बन गया है।श्री बिरला ने इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन भारत में ऋषि-मुनियों ने जन कल्याण के लिए योग का अनमोल उपहार मानवता को प्रदान किया है। यह आत्म-विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता की एक सतत यात्रा है जो मनुष्य को हमेशा स्वस्थ और निरोग बनाए रखता है।

उन्होंने कहा कि योग सिर्फ अभ्यास तक सीमित नहीं है बल्कि मानव जीवन के समग्र स्वास्थ्य की नींव है। योग मनुष्य के जीवन में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने का कार्य करता है। यह सभी सांस्कृतिक और धार्मिक सीमाओं से

परे है और योग ने पूरे विश्व को एकजुट करने का काम किया है ताकि मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र में दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम हासिल कर सके। श्री बिरला ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा , आज योग सम्पूर्ण विश्व में एक आंदोलन है। पूरी दुनिया भाग्यशाली है कि हमारे पास योग के रूप में ऐसी शक्ति है जो हमारे अंदर संतुलन स्थापित कर हमें कुशल, सक्रिय और स्वाबलंबी बनाता है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में योग को स्वीकृति मिल रही है और योग जन-जन के दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है।

मध्य प्रदेश के स्कूल और कॉलेज में पढ़ाए जाएंगे राम और कृष्ण के पाठ : मोहन यादव

भोपाल । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य की उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा में राम और कृष्ण के पाठ पढ़ाए जाएंगे।

राज्य की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने योग दिवस के मौके पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, रामपथ गमन और श्री कृष्ण पथ गमन दो परियोजनाओं को राज्य सरकार ने अपने हाथ मे लिया है। भगवान राम और कृष्ण राज्य में जिन-जिन स्थानों पर गए हैं, उन स्थानों को राज्य सरकार ने तीर्थ स्थल के तौर पर विकसित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने आगामी योजना का जिक्र करते हुए कहा, भगवान राम और कृष्ण की उपलब्धियों को उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल करने वाले हैं। भाजपा की घोषणा पत्र में भी जो बातें कही गई हैं उन पर सरकार गठन

के बाद से फैसला लेना शुरू कर दिया है।

ज्ञात हो कि राज्य में राम पथ गमन योजना पर सरकार लंबे अरसे से काम कर रही है। यह वे स्थल हैं जहां से भगवान राम वनवास काल में गुजरे थे। इन स्थलों को विशेष तौर पर विकसित कर तीर्थ स्थल बनाने की सरकार की योजना है। सरकार ने इसके लिए कुछ जिलों का चयन भी कर लिया है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को मध्य प्रदेश में उत्साह और उमंग के साथ लोगों ने योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजधानी में आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

स्वस्थ जीवन शैली में योग की अहम भूमिका, प्रधानमंत्री की पहल से विश्व में योग हुआ लोकप्रिय : मुख्यमंत्री

एजेंसी

जयपुर। 10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। आयुर्वेद विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं बड़ी संख्या में योग प्रेमियों ने भाग लिया। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की भी गरीमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि योग हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों का मानवता को दिया गया अनमोल वरदान है। स्वस्थ जीवन शैली और आदर्श समाज की स्थापना में योग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और सार्थक पहल से योग विद्या वैश्विक पटल पर एक बार पुनः लोकप्रिय हुई है। मोदी ने योग के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दुनिया के

कोने-कोने में पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने की जीवन शैली है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ एवं मस्त रहें।

आयुर्वेद विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में योग गुरु कुलभूषण बैराठी और मेघ सिंह ने मुख्यमंत्री, विधानसभाध्यक्ष, उप मुख्यमंत्री, राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं सहित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाया।

प्रतिभागियों ने लगभग 45 मिनट तक ताड़ासन, अर्धचक्रासन, दंडासन, वज्रासन, उत्तानमंडूकासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, पवनमुक्तासन जैसे आसनों सहित कपालभाति, अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी जैसे प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। अंत में राज्यपाल कलराज मिश्र ने उपस्थित जन समूह को स्वस्थ रहने का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया योग

एजेंसी

जयपुर। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय में सामूहिक योग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने विभिन्न योग मुद्राओं में योगाभ्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय योग

दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग जरूरी है। अच्छे स्वास्थ्य और तनाव मुक्त जीवन के लिए योग वरदान है। हम सभी को अपनी दिनचर्या में नियमित योग का अभ्यास करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वस्थ व निरोगी भारत का सपना देखा है। उनके ही अथक प्रयासों से योग को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई है। आज संपूर्ण पूरा विश्व योग कर रहा है। हमें योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। आइये हम सब स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए एक कदम बढ़ाएं अपनी दिनचर्या में योग को शामिल कर अच्छी सेहत का वरदान पाएं।

सरकार बनाने के सपने लेना छोड़कर अपने नौ विधायकों की चिंता करें जयराम: मुख्यमंत्री सुक्खू

एजेंसी

हमीरपुर। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सरकार बनाने के सपने लेना छोड़ दें। हमारे पास 38 विधायक हैं। हाईकोर्ट में चल रहे सीपीएस के मामले को लेकर जयराम लोगों को बहका रहे हैं। जयराम को अपने नौ विधायकों की चिंता करनी चाहिए, जिनके खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष के पास याचिका लंबित है। भाजपा के नौ विधायकों ने बीते बजट सत्र के दौरान विधानसभा में गुंडागर्दी का नंगा नाच किया था, स्पीकर के सामने सदन पटल पर रखे कागजात को फाड़कर हवा में लहराया था। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की ओर से दी गई याचिका पर स्पीकर को फैसला लेना है। कांग्रेस विधायक दल ने इस मामले में जल्दी फैसला लेने का आग्रह किया है। अगर ये नौ विधायक अयोग्य घोषित हुए तो दोबारा चुनाव में एक-दो ही गलती से जीतकर आएंगे। जिससे कांग्रेस विधायकों की संख्या 50 तक पहुंच सकती है। मुख्यमंत्री यहां कांग्रेस

उम्मीदवार डॉ. पुष्पिंदर वर्मा की नामांकन रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्दलीय विधायक आशीष शर्मा हमीरपुर का सबसे बड़ा खनन माफिया है। उसके 5-6 क्रशर हैं। सारी खड्डों को खाली कर दिया, बड़े पत्थर दिखते ही नहीं हैं। पूर्व बिकाऊ विधायक आशीष ने अपना प्रेरणास्त्रोत राजेंद्र राणा को बनाया हुआ है। अच्छा होता वह प्रेम कुमार धूमल को अपना प्रेरणास्त्रोत बनाते। क्योंकि उनके आशीर्वाद से ही आशीष ने पैसा कमाया है। उन्होंने कहा कि वह जनता की संपदा को लुटने नहीं देंगे। भ्रष्टाचार के हर चोर दरवाजे को बंद किया जाएगा। हमीरपुर में हमने पुष्पिंदर वर्मा को ईमानदार उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतारा है। उसे जिताकर विधानसभा भेजें जो भी काम वह बताएंगे उन्हें किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश की जनता का आभारी हूं जिसने बीते चुनाव में लोकतंत्र को जीवित किया। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने ऑपरेशन लोटस के जरिये सरकार को गिराने की कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन जनता के आशीर्वाद से यह सरकार चल रही है। छह बिकाऊ पूर्व विधायक अपने कामों के लिए ब्लैकमेल करते थे, उन्होंने लोगों की समस्याओं को कभी नहीं उठाया। बीते उपचुनाव में उनमें से 4 को जनता ने घर बिठा दिया है। अब तीन उपचुनाव हो रहे हैं, फिर से जनता को इन तीनों निर्दलीय विधायकों को घर बिठाने का काम करना है। हमीरपुर की जनता यहां के बिकाऊ पूर्व विधायक को सबक सिखाए।

भाजपा के सांसद सांसद भर्तृहरि महताब लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर बनाये गये

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद भर्तृहरि महताब को अठाहरवीं लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव होने तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने इसके अलावा सर्वश्री सुरेश कोडिकुन्निल, थालिकोट्टई राजुथेवर बालू, राधा मोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंद्योपाध्याय को नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की सहायता करने की जिम्मेदारी दी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरूवार देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , ÷राष्ट्रपति ने लोकसभा के सदस्य भर्तृहरि महताब को लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का पालन करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने

संविधान के अनुच्छेद 99 के तहत श्री सुरेश कोडिकुन्निल, श्री थालिकोट्टई राजुथेवर बालू, श्री राधा मोहन सिंह, श्री फग्गन सिंह कुलस्ते और श्री सुदीप बंद्योपाध्याय को नवनिर्वाचितों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा का सत्र सोमवार से शुरू होगा। पहले दो दिन नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलायी जायेगी। इसके अगले दिन 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा और 27 जून को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा।

कवि नगर रामलीला ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

गाजियाबाद। देशभर में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है इसको लेकर गाजियाबाद कवि नगर रामलीला ग्राउंड में भी खास तैयारी की गई थी। आज सुबह 5: 00 बजे से जिले के गणमान्य लोगों ने योग दिवस में अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। जिसमे विशेष कर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग प्रशासनिक अधिकारी गंभीर सिंह गाजियाबाद डीएम इंद्र विक्रम सिंह और मंत्री सुनील शर्मा मौजूद रहे। मीडिया से बात करते हुए मंत्री सुनील शर्मा ने बताया कि आज दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है मैं इस अवसर पर क्षेत्र वासियों को देशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। योग शांति का संदेश देता है योग स्वस्थ रहने का संदेश देता है। योग एक दूसरे के साथ मिलजुल कर चलने का संदेश देता है।

नीट मामले में तेजस्वी का बचाव करने पर मनोज झा को विजय सिन्हा का करारा जवाब

पटना । नीट मामले पर बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने आरोप लगाया था कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपी सिकंदर यदुवेन्दु का कनेक्शन राजद नेता तेजस्वी यादव के सचिव प्रीतम के साथ था। राजद के प्रवक्ता मनोज झा ने इस आरोप को पूरी तरह बेबुनियाद बताया। अब मनोज झा के बयान पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा है कि मनोज झा विद्वान आदमी हैं। उनकी विद्वता प्रकट होती रहती है। लेकिन मैं बता दूं पद के लिए पैर पकड़ने वाले हम लोग नहीं हैं।

उन्होंने कहा, हम लोग सम्मान के लिए स्वाभिमान छोड़ने वाले नहीं हैं और सामाजिक ताना-बाना में जातीय उन्माद पैदा करने की मानसिकता के साथ जिस राजद की गोद में वो बैठे हुए हैं, उससे वह मुक्त हो जाएं। बंधुआ मजदूरी करने वाले लोग न समाज के हितैषी हैं, ना राष्ट्र के हितेषी। सच को स्वीकार करने की ताकत रखें।

विजय सिन्हा ने कहा, राजद का कल्चर अपराध और भ्रष्टाचार को पोषित, प्रशिक्षित और प्रेरित करना है।

तेजस्वी पर निशाना साधते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि सोने के चम्मच को लेकर पैदा होने वाले लोग हकीकत नहीं जान पाते। जमीनी हकीकत को उन्होंने ना तो देखा है ना

देखने का प्रयास कर रहे हैं। हवा में उड़ने वाले लोग जमीनी धरातल पर टिक नहीं पाते। वहीं पटना उच्च

> **विजय सिन्हा ने कहा कि सोने के चम्मच को लेकर पैदा होने वाले लोग हकीकत नहीं जान पाते। जमीनी हकीकत को उन्होंने ना तो देखा है ना देखने का प्रयास कर रहे हैं।**

न्यायालय द्वारा 65 प्रतिशत आरक्षण को रद्द किए जाने पर विजय सिन्हा ने कहा कि माननीय न्यायालय का जो फैसला आया है, उसको देखा जाएगा। उसका पूरी तरह से अध्ययन किया जाएगा, उसके बाद निर्णय लिया जाएगा।

तेजस्वी के आरक्षण रद्द करने के लिए सरकार को जिम्मेदार बताने पर विजय सिन्हा ने कहा कि माननीय न्यायालय का आदेश का कोई अपमान करे, कोई भ्रम का वातावरण पैदा करे, वह संवैधानिक संस्था का हमेशा अपमान होता है। संविधान में उनका विश्वास नहीं है। इसलिए ऐसी मानसिकता के लोग भारत के लोकतंत्र को भी कमजोर करते हैं। माननीय न्यायालय किसी पार्टी से जुड़ा है क्या? ऐसे लोगों को माफी मांगनी चाहिए जो माननीय न्यायालय को किसी पार्टी से जोड़कर भ्रम का वातावरण बनाते हैं।

ये स्कॉलरशिप करेंगे आपके विदेश अध्ययन का सपना पूरा

ग्लोबल एजुकेशन एक छात्र के जीवन को बदल सकती है, यही वजह है कि हर साल लाखों छात्र विदेशों में पढ़ते हैं। यह उनके लिए नए अवसर और नए आयाम लेकर आता है। इन अवसरों तक पहुंचने के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप के रूप में कुछ राशि दी जाती है ताकि वे विदेशों में जाकर पढ़ाई करें और अपने सपने साकार करें। ये स्कॉलरशिप कुछ खास टेस्ट के बाद दिए जाते हैं या मेरिट के आधार पर भी प्रदान किए जाते हैं। आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि उन स्कॉलरशिप के विषय में जो छात्रों की मदद करते हैं।

इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर डिग्री

यह एक इंटरनेशनल स्टडीज प्रोग्राम है जो यूरोप और बाकी दुनिया के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन द्वारा बनाया गया है। यह प्रोग्राम कॉलेज में ज्वाइंट मास्टर डिग्री हासिल करने के इच्छुक सभी छात्रों के लिए इरास्मस मुंडस के माध्यम से उपलब्ध है। इरास्मस यूरोप और यूके में दी जाने वाली सबसे बड़ी स्कॉलरशिप है जिसमें ट्रैवल अलाउंस और मासिक भत्ते सहित सभी लागतों को कवर किया जाता है। सितंबर में इस प्रोग्राम के लिए फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ओंटारियो ट्रिलियम

यह हर साल सात व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी मास्टर की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी अंतिम दो परीक्षाओं में औसतन 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। ओंटारियो, कनाडा में डॉक्टरेट करने के इच्छुक लोगों के लिए स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। अगस्त और सितंबर माह में इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरा जा सकता है।

वानियर कनाडा ग्रेजुएट

वानियर कनाडा ग्रेजुएट उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो एक कैनेडियन इंस्टीट्यूट से नेशनल साइंस, हेल्थ रिसर्च, इंजीनियरिंग रिसर्च और सोशल साइंस के फील्ड में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। जुलाई से नवंबर तक इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ऑक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज सोसायटी ऑफ इंडिया

सभी शैक्षणिक स्तरों के छात्रों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसका लक्ष्य है ऑक्सफोर्ड या कैम्ब्रिज जैसे कॉलेजों में आगे की शिक्षा प्राप्त करने में भारतीय छात्रों को फाइनेंशियल सहायता देकर सक्षम बनाना है। छात्र ध्यान दें कि आवेदकों की आयु 30 वर्ष होनी चाहिए और इसके लिए मई महीने में अप्लाई किया जा सकता है।

टाटा स्कॉलरशिप कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

जो छात्र बिना फाइनेंशियल दिक्कतों के कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेकर पढ़ना चाहते हैं उनके लिए टाटा स्कॉलरशिप फंड डिजाइन किया गया है। छात्रों को ग्रेजुएशन की अवधि के लिए स्कॉलरशिप वार्षिक रूप में दी जाएगी। इस प्रोग्राम के लिए छात्र अक्टूबर–नवंबर की महीने में अप्लाई कर सकते हैं।

आईएएस-आईपीएस बनने के लिए कितनी देर पढ़ना जरूरी? एग्जाम क्लियर करने की महत्वपूर्ण टिप्स

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। हर साल हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है।

संघ लोक सेवा आयोग हर साल कई सरकारी विभागों के पदों पर भर्तियां करता है। सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ–साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है। एक अच्छी रणनीति परीक्षा में आपकी सफलता निश्चित कर सकती है। सिविल सेवा परीक्षा में 3 चरण होते हैं : प्रारंभिक परीक्षा (उद्देश्य), मुख्य परीक्षा (लिखित) और साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)। हर साल, हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

6 से 7 घंटे पढ़ाई करें

अगर आप नौकरी करते हैं तो ऐसे में दिनभर की थकान की वजह से एक साथ 5 से 6 घंटे पढ़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में यूपीएससी की तैयारी के लिए पढ़ाई को दो हिस्सों में बांट लें। आप सुबह 2 से 3 घंटे पढ़ाई करें और बाकी पढ़ाई शाम को पूरी करें।

पढ़ाई के बीच ब्रेक लेना जरूरी

पढ़ाई के बीच में ब्रेक लेना जरूरी होता है। फिर 25 मिनट की पढ़ाई के बाद आपको पांच मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इससे आपको थकान नहीं होगी और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। वीकेंड पर आप 8 से 10 घंटे तक पढ़ सकते हैं।

ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपने ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस बनाना होगा। इससे आप नौकरी के साथ यूपीएससी की अच्छी तैयारी कर सकेंगे।

9 से 10 महीने का प्लान बनाएं

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारी के लिए आपको कम से कम 9 से 10 महीने का प्लान बनाना होगा। इस दौरान आप अपने मुख्य विषयों जैसे इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र को मजबूत करने पर ध्यान दें। पहले की छह महीनों के लिए प्रीलिम्स और मेंस दोनों परीक्षाओं को ध्यान में रखकर पढ़ाई करें।

पैटर्न का अध्ययन करें

उम्मीदवारों को पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को जरूर देखना चाहिए। यह प्रश्नों के प्रकार को निर्धारित करने में मदद करता है, और तैयारी के लिए उपयुक्त स्टडी मटेरियल चुनने में मदद करता है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिनसे अधिक प्रश्न पूछे गए हैं। उम्मीदवारों के लिए अभ्यास परीक्षण काम में आते हैं। ये परीक्षण न केवल मुख्य परीक्षा की तैयारी में सभी उम्मीदवारों की मदद करते हैं, बल्कि टाइम मैनेजमेंट सीखने में भी मदद करते हैं। दैनिक आधार पर लिखने का अभ्यास करें। एक अखबार या पाठ्यक्रम के एक विषय से एक संपादकीय उठाएं, और उस पर एक प्रश्न फ्रेम करें और उसका उत्तर लिखें।

क्या जल्दी-जल्दी नौकरियां बदलना है सही? क्या हो सकते हैं फायदे और नुकसान

क्या आप बहुत जल्दी-जल्दी नौकरियां बदल रहे हैं या बदले की चाह रखते हैं तो यह जान लीजिए कि इससे कंपनी को आपकी कुछ आदतों के विषय में पता चलता है। ऐसा करने से कंपनी को लगता है कि आप अच्छी सैलरी और पॉजिशन की चाह रखते हैं या नौकरी को लेकर आप गंभीर नहीं हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि डेवलपमेंट के लिए सभी जगहों के कार्य का एक्सपीरियंस होना बेहद जरूरी है। किसी भी करियर में एक अवधि ऐसी भी होनी चाहिए जहां आप खुद को जांच सकें कि अगर आपको मदद करने वाला वातावरण मिले, तो आपका प्रदर्शन कैसा होगा। कंपनी किसी को भी हायर करने से पहले कुछ खास संकेतों का ध्यान रखती है जिसपर आपका करियर निर्भर कर सकता है। नीचे उन संकेतों के उदाहरण दिए गए हैं-

- एक कर्मचारी काम के दौरान लिए गए गलत निर्णयों के आधार पर या काम से बचने के लिए भी बार–बार जॉब बदल सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े लेवल पर कोई निर्णय लेने में समय लगता है। उस निर्णय के आने तक कर्मचारी कंपनी में रूकेगा।
- अगर कंपनी छोड़ने वाले के पास कोई बड़ा कारण न हो तो बार–बार चेंज करने पर कंपनी यह सोचती है कि वह एक ऐसा कर्मचारी है जिस पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हुआ जा सकता है।
- इंडस्ट्री के एक्सपर्ट मानते हैं कि करियर में ब्रेक लेना पॉजिटिव है लेकिन केवल सैलरी और अच्छी पोजीशन इसके पीछे कारण न हो।
- इसके साथ ही शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट के पूरा हो जाने, ट्रेवलिंग, खुद का काम आदि जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए करियर में ब्रेक लेना हो तो यह पॉजिटिव रूप में कार्य करेगा।
- चयन करते समय कंपनी ध्यान देती है कि अगर उम्मीदवार किसी भी तरीके से पिछली कंपनी के बारे में नेगेटिव बातें करता है तो यह भी आपकी छवि को कम करने का कार्य करता है।

साइकोलॉजी पढ़ने वाले छात्र इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर.

साइकोलॉजी विविध दृष्टिकोणों से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह मानवीय धारणा, सीखने, भावनाओं और स्थितियों की प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए साइंटिफिक तरीकों का इस्तेमाल करता है। एक साइकोलॉजिस्ट के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य बनाया जा सकता है, जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी और ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर, स्कूल साइकोलॉजी, फोरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, रिहैबिलिटेशन, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस और कई अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, इन सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान साइकोलॉजी के छात्रों के लिए एक नई ऊर्जा के रूप में हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे और किन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है करियर। नीचे दिए गए शैक्षिक योग्यताओं के साथ साइकोलॉजिस्ट बना जा सकता है.

- एक विषय के रूप में साइकोलॉजी के साथ या उसके बिना 10+2 स्तर।
- साइकोलॉजी ऑनर्स में ग्रेजुएशन डिग्री।
- नैदानिक मनोविज्ञान/औद्योगिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक व्यवहार/ स्कूल या शिक्षा मनोविज्ञान/ स्वास्थ्य मनोविज्ञान/ संज्ञानात्मक मनोविज्ञान/ सामाजिक मनोविज्ञान/ प्रायोगिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।

- साइकोलॉजी के विशिष्ट क्षेत्रों में ऑप्शनल पीजी डिप्लोमा कोर्स।
- क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑप्शनल एमफिल डिग्री।
- साइकोलॉजी के एक विशेष क्षेत्र में डॉक्टरेट की डिग्री।

साइकोलॉजी के क्षेत्रों में करियर और रोजगार के अवसर.

- **क्लिनिकल साइकोलॉजी / रिहैबिलिटेशन एंड काउंसलिंग साइकोलॉजी**
  सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, गैर सरकारी संगठनों, प्राइवेट क्लीनिकों, फ्रीलांसरों में लाइसेंस प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है।
- **इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी एंड ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर**
  साइकोलॉजिस्ट, संगठनों में सलाहकार, चयन और भर्ती के रूप में कार्य किया जा सकता है।
- **फोरेंसिक साइकोलॉजी**
  इस क्षेत्र के लोग पुलिस विभागों, अपराध शाखाओं, रक्षा/सेना, कानूनी फर्मों, जांच ब्यूरो आदि में सलाहकार के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- **स्कूल साइकोलॉजी**
  पब्लिक और प्राइवेट स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, समुदाय–आधारित उपचार केंद्रों, आवासीय क्लीनिकों और अस्पतालों, किशोर न्याय कार्यक्रमों और निजी क्लीनिकों में स्कूल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम करें।
- **खेल साइकोलॉजी**
  स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की खेल टीमों, पेशेवर टीमों, खेल पुनर्वास विशेषज्ञ, खेल अनुसंधान विशेषज्ञ और सलाहकारों के लिए खेल साइकोलॉजी के रूप में काम करें।
- **साइकोमेट्री**
  सरकारी और प्राइवेट संगठनों, सलाहकार और शोधकर्ता के लिए एक पेशेवर टेस्ट डेवलपर और साइकोमेट्रिकियन के रूप में काम करें।

ईस्ट बंगाल ने कप्तान क्लेटन सिल्वा का अनुबंध एक साल के लिए बढ़ाया

एजेंसी

कोलकाता। ईस्ट बंगाल ने कप्तान क्लेटन सिल्वा का अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है, जो 2024-25 सत्र के अंत तक चलेगा। सुपर कप फुटबॉल चैंपियन टीम ने यह घोषणा की। क्लेटन इस साल की शुरुआत में सुपर कप में ईस्ट बंगाल के विजयी अभियान के दौरान शीर्ष स्कोरर थे और उन्होंने इंडियन सुपर लीग में भी टीम के लिए सबसे अधिक गोल किए। ईस्ट बंगाल के साथ अपना सफर जारी रखने को लेकर खुश क्लेटन ने कहा कि मैंने हमेशा अपने प्रशंसकों और अपनी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। उन्होंने कहा कि ईस्ट बंगाल के साथ सुपर कप जीतना हमेशा मेरे करियर के सबसे शानदार क्षणों में से एक रहेगा।

क्लेटन के कार्यकाल के विस्तार का मतलब है कि ईस्ट बंगाल की टीम में भारत के तीन प्रमुख घरेलू टूर्नामेंटों के शीर्ष गोल स्कोरर रहेंगे जिसमें दिमित्रियोस डायमेंटाकोस (आईएसएल), क्लेटन (सुपर कप) और डेविड लालहलनसांगा (डूरंड कप) शामिल हैं। बेंगलुरु एफसी से 2022 में ईस्ट बंगाल एफसी में शामिल होने के बाद क्लेटन ने टीम के लिए 55 मैचों में 27 गोल किए और आठ गोल करने में मदद की। ब्राजील का यह फारवर्ड 12 गोल के साथ आईएसएल 2022-23 का संयुक्त रूप से शीर्ष गोल स्कोरर भी रहा है।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच से ग्रीनपार्क का सूखा होगा खत्म

कानपुर। अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए सूखे का दंश झेल रहे कानपुर के ग्रीनपार्क को एक बार फिर से केवल टेस्ट मैच के लिए चुन ही लिया गया। हालांकि इसके लिए कानपुर के क्रिकेट प्रेमियों को लगभग तीन साल का लम्बा इन्तजार करना पड़ गया। बीसीसीआई की ओर से घरेलू श्रृंखला की घोषणा की गयी जिसमें बांग्लादेश की टीम के खिलाफ भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलेगी। पहली बार नगर की सरजमीं पर बांग्लादेश की टीम के खिलाफ भारतीय टीम 27 सितम्बर से एक अक्टूबर के बीच श्रृंखला का दूसरा मैच खेलने आएगी। यह पहली बार होगा जब बांग्लादेश की टीम नगर में अपना पहला टेस्ट मैच खेलगी। कानपुर के ग्रीनपार्क को 2021 के बाद टेस्ट मैच मिला है। क्रिकेट प्रेमियों को पूरे तीन साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। बांग्लादेश और टीम इंडिया के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच कानपुर के ग्रीनपार्क में खेला जाएगा। तीन साल पहले ग्रीनपार्क टेस्ट मैच का गवाह बना था। साल 2021 में टीम इंडिया ने ग्रीनपार्क में टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था, जिसमें हार जीत का निर्णय अंतिम दिन तक नहीं हो सका था।

चिराग-सात्विक पर ओलंपिक में पदक जीतने का दबाव, बोले- हम इसे सकारात्मक रूप से ले रहे हैं

नई दिल्ली। ओलंपिक में पदक के प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कहा कि उन पर अपेक्षाओं का दबाव है लेकिन वे इसे झेलने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। पेरिस ओलंपिक खेल शुरू होने में अब कुछ दिन ही बचे हैं और भारतीय बैडमिंटन की स्टार जोड़ी ने स्वीकार किया कि उनसे काफी उम्मीदें की जा रही हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ एक कार्यक्रम में बात करते हुए सात्विक ने कहा कि वे देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सात्विक ने कहा,''हम ओलंपिक में भारतीय के ध्वज को ऊंचा रखने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। हम इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'' चिराग दबाव को लेकर चिंतित नहीं है क्योंकि वह अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, दबाव है लेकिन हम इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। चिराग ने टोक्यो ओलंपिक से जुड़ी यादों पर भी बात की जो उनका पहला ओलंपिक भी था।

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक में भाग लेना और यह अहसास होना कि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं, शानदार अनुभव था। ओलंपिक गांव में घूमते समय मुझे लगा कि दुनिया के चोटी के खिलाड़ी भी आम इंसानों जैसे ही हैं लेकिन वह अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं। सात्विक ने खुलासा किया कि तोक्यो ओलंपिक के दौरान वह प्रत्येक मैच से पहले नीरज चोपड़ा से हाथ जरूर मिलाते थे जिन्होंने इन खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

कोटा बदलने की मंजूरी के बाद श्रेयसी सिंह भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएफएसएफ) से मंजूरी मिलने के बाद अनुभवी ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह को शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक के लिए 21 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने आईएसएसएफ से मंजूरी मिलने के बाद यह घोषणा की। भारतीय संघ ने निशानेबाजी की विश्व संस्था से कोटा बदलने का आग्रह किया था। मनु भाकर एयर पिस्टल और स्पोर्ट्स पिस्टल दोनों में शीर्ष पर रही थी इसलिए उनका एक कोटा स्थान महिला ट्रैप निशानेबाजी में बदल दिया गया जिससे श्रेयसी को टीम में जगह मिल गई। श्रेयसी सक्रिय राजनीति में भी शामिल हैं और बिहार के जमुई विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। यह 32 वर्षीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी के साथ महिला ट्रैप स्पर्धा में भाग लेंगी।

रिकी पोंटिंग ने पैट कमिंस को आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर की ट्रॉफी प्रदान की

एजेंसी

एंटीगुआ। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने शुक्रवार को (भारतीय समयानुसार) सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में स्टार ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस को आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार प्रदान किया। आईसीसी हॉल ऑफ फ़ेमर और 2006 और 2007 में इसी सम्मान के विजेता पोंटिंग ने अपने हमवतन कमिंस को 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी प्रदान की। कमिंस ने बतौर कप्तान 2023 में अपने देश को एकदिनी विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाया। दोनों ही मौके पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया।

उन्होंने 2023 में 27.50 की औसत से 42 टेस्ट विकेट लिए, 254 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने उनके नेतृत्व में भारत में एक टेस्ट जीता और घर से दूर एशेज बरकरार रखी। कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां उन्होंने 15 विकेट लिए।

2024 में टी20 विश्व कप जीत के साथ, कमिंस की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया के पास व्हाइट-बॉल विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप दोनों जीतने का अवसर है। 31 वर्षीय खिलाड़ी 2024 में भी प्रभावित करना जारी रखा है, उन्होंने 25.64 की औसत से 17 टेस्ट विकेट लिए और बल्ले से 26 की औसत से 157 रन बनाए, साथ ही आठ से कम की इकॉनमी से इतने ही टी20 मैचों में पांच विकेट लिए।

वर्तमान में, कमिंस ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन टीम का हिस्सा हैं, जो बांग्लादेश के खिलाफ चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच में खेल रही है।

टी-20 विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले सातवें और दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने पैट कमिंस

एजेंसी

एंटीगुआ। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने शुक्रवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले में हैट्रिक लेकर एक विशेष उपलब्धि हासिल कर ली है।

कमिंस टी-20 विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले सातवें और दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए हैं, वहीं टी-20 विश्व कप 2024 में यह पहली हैट्रिक है। पैट कमिंस के पहले दो विकेट 18वें ओवर के पांचवें और छठे गेंद पर आए- दोनों ही विकेट हार्ड लेंथ गेंदों पर मिले। महमुदुल्लाह ने पहले कमिंस को पुल करने की कोशिश की, और गेंद को वापस स्टंप पर खेल दिया, इससे पहले महेदी हसन ने कमिंस की गेंद को सीधे डीप थर्ड पर तैनात फील्डर के हाथ में मार दिया।

फिर उन्होंने अंतिम ओवर की शुरुआत में धीमी गेंद पर खतरनाक तौहीद ह्रदय को आउट किया। ह्रदय ने उन्हें कंधे के ऊपर से स्कूप करने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने उन्हें चकमा दे दिया, और बल्लेबाज ने शॉर्ट फाइन लेग पर आसान सा कैच फील्डर को दे दिया। इससे पहले केवल ब्रेट ली ने ऑस्ट्रेलिया के लिए हैट्रिक ली थी - वह भी बांग्लादेश के ही खिलाफ।

ब्रेट ली ने 2007 में शाकिब अल हसन, मशरफे मुर्तजा और आलोक कपाली को आउट कर हैट्रिक पूरी की थी।

आईसीसी टी-20 विश्व कप में हैट्रिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची-

वर्ष- खिलाड़ी- देश - विरोधी टीम
2007 ब्रेट ली ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश
2021 कर्टिस कैंफर आयरलैंड नीदरलैंड
2021 वानिंदु हसरंगा श्रीलंका दक्षिण अफ्रीका
2021 कागिसो रबाडा दक्षिण अफ्रीका इंग्लैंड
2022 कार्तिक मयप्पन यूएई श्रीलंका
2022 जोश लिटिल आयरलैंड न्यूजीलैंड
2024 पैट कमिंस ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश

यूरो 2024 : डेनमार्क ने इंग्लैंड से ड्रा खेला, स्पेन ने इटली को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

एजेंसी

बर्लिन। स्पेन ने यूरो 2024 ग्रुप चरण के दूसरे दौर में ग्रुप बी के मुकाबले में रिकार्डो कैलाफियोरी के आत्मघाती गोल से इटली को हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया, जबकि इंग्लैंड ने डेनमार्क से 1-1 से ड्रा खेला।

मैच में इंग्लैंड ने जोरदार शुरूआत की और मैच के 18वें मिनट में हैरी केन ने गोल कर अपनी टीम का खाता खोला। हालांकि मैच के 34वें मिनट में मोर्टेन हुल्मंड के गोल से डेनमार्क ने 1-1 की बराबरी हासिल कर ली और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

ग्रुप सी के दूसरे मुकाबले में सर्बिया ने लुका जोविक के इंजरी टाइम में किये गए गोल कर बदौलत स्लोवेनिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला। स्लोवेनिया के लिए बेंजामिन सेस्को ने 69वें मिनट में गोल किया था।

इन नतीजों के साथ, ग्रुप सी में इंग्लैंड (4 अंक) शीर्ष पर बना हुआ है, उसके बाद डेनमार्क, स्लोवेनिया (दोनों 2 अंक) और सर्बिया (1 अंक) का स्थान है। ग्रुप बी में, स्पेन ने लगातार दूसरी जीत हासिल करके अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

स्पेन ने एकतरफा मुकाबले में दबदबा बनाए रखा, लेकिन उन्हें गोल करने में कोई सफलता नहीं मिली, हालांकि दूसरे हाफ में इटली को उस समय झटका लगा, जब 55वें मिनट में कैलाफियोरी के आत्मघाती गोल की बदौलत स्पेन ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इटली के पास स्पेन की रक्षा को भेदने के लिए कोई रणनीति नहीं थी और अंत में स्पेन 1-0 से यह मैच जीतने में कामयाब रहा। स्पेन छह अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर है, जबकि इटली तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, उसके बाद अल्बानिया और क्रोएशिया दोनों एक-एक अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

विश्व एथलेटिक्स मीट : शैली सिंह ने रजत, एल्डोज पॉल ने जीता कांस्य

एजेंसी

नई दिल्ली। लम्बी कूद एथलीट शैली सिंह ने स्लोवाकिया के कोसिसे में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर (कांस्य स्तर) जेबीएल जंप फेस्ट में रजत पदक जीता। 20 वर्षीय शैली ने पांचवे राउंड में 6.43 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर छह एथलीटों में दूसरा स्थान प्राप्त किया। बुल्गारिया की प्लामेना मितकोवा ने 6.70 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जो एक नया रिकॉर्ड है। पुरुषों की ट्रिपल जंप में एल्डोज पॉल ने कांस्य पदक जीता, जबकि प्रवीण चित्रावेल छह प्रतिभागियों में अंतिम स्थान पर रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता एल्डोज 16.45 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि प्रवीण 15.87 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करके छठे स्थान पर रहे। क्यूबा के लाज़ारो मार्टिनेज ने 16.88 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। तीनों भारतीय 27 से 30 जून तक पंचकूला में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रियांश ने कंपाउंड डिवीजन में व्यक्तिगत पदक जीतने की अपनी संभावनाओं को जीवित रखा है, जबकि भारतीय पुरुष और महिला रिकर्व टीमें तुर्की के अंताल्या में तीरंदाजी विश्व कप चरण-3 के तीसरे दिन के अंत में ओलंपिक बर्थ के लिए रेस में बनी हुई हैं। प्रियांश कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय तीरंदाज थे।

अद्भुत निरंतरता दिखाते हुए, प्रियांश ने जर्मनी के सेबेस्टियन हैमडॉर्फ को 149-141, मैक्सिको के जुआन डेल रियो को 149-149 (शूट-ऑफ- 10-9), हमवतन प्रथमेश फुगे को 149-148 और तुर्की के बटुहान अक्काओग्लू को 149-147 से हराया। अंतिम-चार में उनका सामना डेनमार्क के मैथियास फुलर्टन से होगा। वहीं,

अभिषेक वर्मा को अक्काओग्लू ने 148-146 से हराया। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में वी. ज्योति सुरेखा तीसरे राउंड में इटली की एलिसा रोनेर से 147-145 से हार गईं। अदिति स्वामी को पाओला रामिरेज़ गोंजालेज ने 142-140 से हराया, जबकि परनीत कौर को दूसरे राउंड में यूएसए की एलेक्सिस रुइज़ ने 146-144 से हराया। रिकर्व महिला टीम स्पर्धा में दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भक्त की पांचवीं रैंकिंग वाली भारतीय टीम को पहले राउंड में बाई मिली और उसने नीदरलैंड को 6-2 और यूक्रेन को 5-3 से हराया, लेकिन सेमीफाइनल में फ्रांस से 5-4 (शूट-ऑफ 28-25) से हार गई। बाद में, भारत कांस्य पदक के मैच में जापान से 6-0 से हार गया। हालांकि, सेमीफाइनल में पहुंचने से भारतीय महिलाओं को पेरिस 2024 में जगह बनाने में मदद मिलेगी।बी.धीरज, तरुणदीप राय और प्रवीण जाधव की छठी वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम को बाई मिली, लेकिन अगले दौर में नीदरलैंड से 5-1 से हार गई। भारतीय पुरुष और महिला टीमों के पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई करने की संभावना उन टीमों की विश्व रैंकिंग के माध्यम से है, जिन्होंने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है।

भारत से मिली हार पर राशिद ने कहा- हमने सोचा था कि 170-180 का लक्ष्य हासिल कर लेंगे

एजेंसी

ब्रिजटाउन। टी20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में भारत के खिलाफ अपनी टीम की 47 रन से हार के बाद, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने कहा कि खिलाड़ियों को लगा था कि वे बारबाडोस में 170-180 रनों का पीछा कर सकते हैं। कप्तान राशिद ने पहली पारी में अफगान गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की और अपने चार ओवर के स्पेल में 26 रन देकर तीन विकेट चटकाए। हालांकि बल्लेबाजी में वह कुछ खास नहीं कर सके और छह गेंदों पर केवल दो रन ही बना सके।

मैच के बाद राशिद ने कहा कि उन्हें यह सोचना चाहिए था कि वे इस तरह के लक्ष्य का पीछा कर सकते हैं। 25 वर्षीय राशिद ने स्वीकार किया कि हाल ही में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्हें संघर्ष करना पड़ा था। राशिद ने कहा, यह ऐसी सतह थी जिस पर हमने सोचा था कि हम 170-180 रन का पीछा कर सकते हैं। आप बस वहां जाएं और बड़ी टीमों के खिलाफ खेलें, हमें सोचना चाहिए कि हमें ऐसे स्कोर का पीछा करना होगा। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है। मैंने आईपीएल में थोड़ा संघर्ष किया। मैं अब लगातार क्षेत्रों में हिट कर रहा हूं। हमने जहां भी खेला है, वहां हमने इसका आनंद लिया है। हम कभी-कभी अपने कौशल को भूल जाते हैं। अगर परिस्थितियां अनुकूल हैं, तो हम इसका उपयोग करने की कोशिश करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस नियम से 28 रन से हराया

एजेंसी

एंटीगुआ । ऑस्ट्रेलिया ने डकवर्थ लुईस नियम से बांग्लादेश को सुपर-8 मुकाबले में 28 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 140 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने बारिश की वजह से खेल रुकने तक 11.2 ओवर में दो विकेट गंवाकर 100 रन बना लिए थे। डकवर्थ लुईस नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया के लिए इस वक्त पार स्कोर 72 रन था। कंगारू टीम इससे 28 रन आगे थी। ऐसे में बारिश की वजह से मैच आगे न हो पाने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम आसानी से जीत गई।

डेविड वॉर्नर ने 34 गेंद में टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 28वां अर्धशतक जड़ा। वह 35 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 53 रन बनाकर और ग्लेन मैक्सवेल छह गेंद में 14 रन बनाकर नाबाद रहे। सुपर-8 के ग्रुप-1 में अब भारतीय टीम शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे स्थान पर है। दोनों के दो-दो अंक हैं। भारत का नेट रन रेट +2.350 है, जबकि कंगारू टीम का नेट रन रेट +1.824 है। ऑस्ट्रेलिया को अब सुपर-8 के अगले मुकाबले में अफगानिस्तान से 22 जून को भिड़ना है। वहीं, बांग्लादेश की टीम 22 जून को बांग्लादेश का सामना करेगी।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 140 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से

पैट कमिंस ने खास उपलब्धि हासिल की। वह टी20 विश्व कप 2024 में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बने। वहीं, ओवरऑल टी20 विश्व कप में वह ऐसा करने वाले सातवें खिलाड़ी है। कमिंस टी20 विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले ब्रेट ली के बाद दूसरे ऑस्ट्रेलियाई हैं। ली ने ऐसा 2007 टी20 विश्व कप में किया था। कमिंस ने 18वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर महमूदुल्लाह और मेहदी हसन को आउट किया था। इसके बाद 20वें ओवर की पहली गेंद पर तौहिद को आउट करते हुए कमिंस ने खास उपलब्धि हासिल की। कमिंस के अलावा एडम जैम्पा ने दो विकेट झटके। वहीं, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक विकेट मिला। बांग्लादेश के लिए कप्तान शांतो और तौहिद के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला। स्टार्क ने पहले ही ओवर में तंजीद हसन (0) को क्लीन बोल्ड कर टीम को पहला झटका दिया था। इसके बाद लिटन दास ने शांतो के साथ मिलकर 58 रन की साझेदारी की, लेकिन जैम्पा ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने लिटन को क्लीन बोल्ड किया। वह 16 रन बना सके। इसके बाद रिशद हुसैन दो रन बनाकर मैक्सवेल का शिकार बने। जैम्पा की फिरकी का जादू एक बार फिर चला और उन्होंने जम चुके शांतो को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। शांतो ने 36 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन की पारी खेली। शाकिब अल हसन (8) का कैच स्टोइनिस ने अपनी ही गेंद पर लपका। महमूदुल्लाह दो रन बनाकर और मेहदी खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। तस्कीन सात गेंद में 13 रन और तंजीम हसन शाकिब चार रन बनाकर नाबाद रहे।

141 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत शानदार रही थी। डेविड वॉर्नर और ट्रेविस हेड ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। सातवें ओवर में बारिश की वजह से मैच को रोका गया था। हालांकि, कुछ देर में मैच दोबारा शुरू हुआ। सातवें ओवर में रिशाद हुसैन ने हेड को क्लीन बोल्ड किया। वह 21 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रिशाद ने कप्तान मिचेल मार्श को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह एक रन बना सके। फिर 12वें ओवर में मैच रुकने तक वॉर्नर ने मैक्सवेल के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। इस तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत हासिल की।

टी20 विश्व कप: भारत ने जीत से की सुपर-8 की शुरुआत, अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया

एजेंसी

बारबाडोस। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जा रहे टी20 विश्वकप में भारत ने सुपर-8 में अपना पहला मुकाबला आसानी से जीत लिया है। इस मैच में भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को 47 रनों से मात दी है। टीम की जीत में मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन, खासकर सूर्यकुमार यादव का तेजतर्रार अर्धशतक, रहा..वहीं गेंदबाजों की सधी लाइनलेंथ ने अफगान खिलाड़ियों को मैच में पैर जमाने का मौका ही नहीं दिया। सूर्यकुमार यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत की ओर से मिले 182 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तानी टीम की शुरुआत काफी खराब रही। टीम ने पॉवरप्ले में ही तीन विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (11 रन), इब्राहिम जादरान (8 रन) और हजरतुल्ला जजाई (2 रन) जल्दी पवेलियन लौट गए। उनके बाद गुलाबदीन नाइब और अजमतुल्लाह ओमरजाई ने तेज गति से रन बनाने

की कोशिश की लेकिन उसी चक्कर में दोनों ने अपने विकेट भी गंवाए। नाइब ने 17 और ओमरजाई ने 26 रन बनाए। वहीं नजीबुल्लाह जादरान ने 19 और मोहम्मद नबी ने 14 रन की पारी खेली। जबकि कप्तान राशिद खान सिर्फ दो रन बना सके। इस तरह पूरी टीम 134 रन पर सिमट गई। भारत के लिए जसप्रित बुमराह और अर्शदीप सिंह ने तीन-तीन विकेट चटकाए। जबकि स्पीनर तिकड़ी ने आपसे में चार विकेट बांटे। कुलदीप यादव ने दो विकेट और अक्षर पटेल-रविंद्र जडेजा को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 181 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने फिर जिम्मेदारी वाली लेकिन रफ्तार वाली पारी खेली। सूर्या ने 28 गेंदों में 53 रन बनाए। सूर्या को हार्दिक पांड्या का बेहतरीन साथ मिले, जिन्होंने 24 गेंदों में 32 रन की पारी खेली। इसके अलावा, विराट कोहली ने 24 और ऋषभ पंत ने 20 रन का योगदान दिया। आखिरी ओवर में अक्षर पटेल (12 रन) के कैमियों की वजह से टीम का स्कोर 181 तक पहुंच सका। अफगान टीम के लिए राशिद खान और फजलाह फारुखी ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। वहीं नवीन उल हक को एक विकेट मिला।

अफगानिस्तान पर जीत के बाद रोहित ने कहा- सूर्यकुमार, हार्दिक की साझेदारी महत्वपूर्ण थी

एजेंसी

ब्रिजटाउन। आईसीसी टी 20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की 47 रनों की जीत के बाद, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या की महत्वपूर्ण साझेदारी और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन गेंदबाजी की सराहना की। सूर्यकुमार यादव के विस्फोटक अर्धशतक और जसप्रीत बुमराह तथा अर्शदीप सिंह की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारत ने बारबाडोस में आईसीसी टी20 विश्व कप सुपर आठ के अपने पहले मैच में अफगानिस्तान को 47 रन से हरा दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, पिछले दो साल से हम यहां टी20 खेल रहे हैं, इसलिए हम परिस्थितियों को समझते हैं और उसी के अनुसार योजना बनाते हैं। हमने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और 180 रन बनाए, जो बल्लेबाजों का शानदार प्रयास था।

'दिया बाती' फेम एक्ट्रेस

दीपिका सिंह को लगी चोट, रुक गई शूटिंग

दीपिका सिंह ने लंबे समय बाद कलर्स टीवी के शो 'मंगल लक्ष्मी' से छोटे पर्दे पर वापसी की है. इस सीरियल में वो संस्कारी बहू 'मंगल' का किरदार निभा रही हैं. इस किरदार को लोग 'दूसरी अनुपमा' भी कहते हैं. ऑडियंस की इस 'दूसरी अनुपमा' को उनके सीरियल मंगल लक्ष्मी की शूटिंग के दौरान चोट आई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई के गोरेगांव स्थित फिल्मसिटी में दीपिका अपने टीवी सीरियल के लिए एक ड्रीम सीक्वेंस की शूटिंग कर रही थीं. और इस बीच उनका एक्सीडेंट हो गया.दरअसल दीपिका के साथ एक अवार्ड फंक्शन का सीन फिल्माया जा रहा था. शूटिंग के दौरान तेज हवा की वजह से पीछे रखा गया प्लायवुड बोर्ड दीपिका की पीठ पर गिर गया, और अचानक लगी चोट से दीपिका जोर से चिल्लाई. उनकी चीख सुनते ही वहां मौजूद प्रोडक्शन टीम उनकी मदद के लिए आगे आई, और उन्होंने वो प्लायवुड बोर्ड उनके ऊपर से उठा लिया. घायल हालत में भी दीपिका ने शूटिंग जारी रखने की कोशिश की. अपने दर्द को कम करने के लिए उन्होंने आइस पैक का भी इस्तेमाल किया. लेकिन उनकी पीठ का दर्द और सूजन बढ़ने के कारण उन्हें शूट बीच में ही छोड़कर घर जाना पड़ा. अब इस चोट के बाद दीपिका कुछ दिनों तक सीरियल से ब्रेक लेंगी या फिर आज से ही (20 जून 2024) शूटिंग शुरू कर देंगी, ये अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है.

'दिया और बाती' से की थी अपने करियर की शुरुआत

स्टार प्लस के मशहूर सीरियल 'दिया और बाती' से दीपिका सिंह ने अपने करियर की शुरुआत की थी. इस सीरियल ने पॉपुलैरिटी के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे. 'दिया और बाती' में दीपिका ने संध्या का किरदार निभाया था. एक बहू से आईपीएस अफसर बनने का संध्या का प्रेरणादायी सफर दीपिका ने अपने किरदार के जरिए दर्शकों के सामने पेश किया था.

इस सीरियल ने न सिर्फ उन्हें नई पहचान दी, बल्कि 'दिया और बाती' ने उन्हें अपने होने वाले पति से भी मिलवाया. दीपिका ने इस मशहूर सीरियल के निर्देशक रोहित गोयल से शादी की. इन दोनों का एक बेटा भी है.

15 दिन में ही TV शो से

एकता कपूर ने हंसल मेहता को कर दिया था बाहर, निर्देशक ने 19 साल बाद तोड़ी चुप्पी

फिल्मकार हंसल मेहता ने हाल ही में अपने मुश्किल दिनों को याद किया. उन्होंने बताया कि कैसे कई बार उनके करियर में उतार चढ़ाव आए. एक वक्त ऐसा भी था जब एकता कपूर ने उन्हें अपने शो से सिर्फ 15 दिनों में ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था. हालांकि इस दौरान उन्होंने फिल्ममेकर संजय गुप्ता का शुक्रिया भी अदा किया.

मिड-डे से बात करते हुए हंसल मेहता ने बताया कि एक वक्त पर उन्होंने एकता कपूर का शो डायरेक्ट करने की कोशिश की थी. उन्होंने कहा, मैं एकता कपूर का शो 'के स्ट्रीट पाली हिल' करने की कोशिश की थी. वो एक डेली सोप था. मैं उसे डायरेक्ट कर रहा था. मुझे 15 दिनों में ही बाहर निकाल दिया गया था.

एकता कपूर ने ऐसे निकाला

हंसल मेहता ने इस घटना के बारे में कहा कि जैसा लोग सोचते हैं वैसा नहीं हुआ था. उन्होंने कहा कि एकता कपूर ने बेहद शालीनता के साथ उन्हें शो छोड़ने को कहा था. हंसल ने बताया, एकता ने मुझसे कहा, सर, ये बहुत ज्यादा फिल्म जैसा हो गया है. ये 2005 की बात है. मुझे बेहद विनम्रता के साथ बाहर निकाला गया था. जैसा लोगों ने सुना वैसे नहीं. उन्होंने बेहद विनम्रता से मुझे बुलाया और कहा 'सर ये बहुत ज्यादा फिल्म की तरह हो गया है. इस वजह से हमारा शो नहीं चलता है. हमारा एक फॉरमेट है, हम उसे फोलो करते हैं. मैं नहीं चाहती हूं कि आप ये करें. तो प्लीज़ आप चले जाएं.

संजय गुप्ता ने दिया काम

हंसल मेहता ने संजय गुप्ता को लेकर कहा कि उन्होंने मुझे फिल्म डायरेक्ट करने का ऑफर देकर मेरी जिंदगी बचाई. हंसल ने कहा कि एक वक्त ऐसा आ गया था जब उनका सर्वाइव करना मुश्किल हो गया था. तभी उन्हें संजय गुप्ता ने वुडस्टॉक विला नाम की फिल्म का ऑफर दिया. इस फिल्म से ही अनुपम खेर के बेटे सिकंदर खेर ने डेब्यू किया था. इस फिल्म से हंसल को काम मिला और पैसा भी.

देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं सनी देओल, अब साउथ में भी मचाएंगे गदर

सुपरस्टार सनी देओल ने हिंदी सिनेमा में बतौर एक्शन हीरो अपनी इमेज बनाई है. लेकिन उनकी ये इमेज अब पैन इंडिया तक पहुंचने वाली है. गदर 2 की शानदार सक्सेस के बाद सनी देओल के पास फिल्मों की लाइन लग गई हैं. एक तरफ सनी बॉर्डर 2 की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ उन्होंने भारत की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म लाने का वादा कर दिया है. एक्टर ने अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट कर दी है.

इस बार अपनी अगली फिल्म के लिए सनी देओल ने साउथ के डायरेक्टर संग हाथ मिलाया है. सनी ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है. इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म का पहला पोस्टर भी रिलीज कर दिया है. जिसपर बड़े-बड़े शब्दों में 'एसडीजीएम' लिखा हुआ नजर आ रहा है. इस फिल्म के जरिए सनी देओल ने साउथ के मशहूर डायरेक्टर गोपिचंद मलिनेनी के साथ काम करने का फैसला किया है.

फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं. मेकर्स ने 'एसडीजीएम' के सेट से पूजा मुहूर्त की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं. तस्वीरों में सनी देओल के साथ पूरी टीम नजर आ रही हैं. इस फिल्म की अनाउंसमेंट के बाद फैन्स की खुशी सातवें आसमान पर है. बॉर्डर 2 के साथ-साथ दर्शकों को सनी की इस फिल्म का भी बेसब्री के साथ इंतजार रहेगा. इसके अलावा भी की अपडेट्स पर भी फैन्स अपनी नजरें जमाए रखेंगे.

इसके अलावा इस फिल्म के जरिए सनी देओल साउथ में डेब्यू भी करने वाले हैं. माना जा रहा है कि उनकी अपकमिंग फिल्म धमाकेदार एक्शन थ्रिलर होने वाली है. साउथ की 'वीरा सिम्हा रेड्डी' की सक्सेस के बाद टॉलीवुड डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी ने रवि तेजा के साथ एक प्रोजेक्ट का ऐलान किया था. लेकिन कुछ कारणों के चलते उसे रोक दिया गया. माना ये भी जा रहा है कि ये वही फिल्म है, जिसे अब सनी देओल के साथ बनाया जा रहा है.

आलिया भट्ट ने रणबीर कपूर की बात करते हुए अपनी मल्टीस्टारर फिल्म पर दिया बड़ा हिंट

'लव एंड वॉर' को संजय लीला भंसाली डायरेक्ट कर रहे हैं. इस समय वो अपनी पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी' को लेकर सुर्खियों में हैं. उनकी सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है. सीरीज में कई एक्ट्रेसेस नजर आईं. अब संजय 'लव एंड वॉर' लेकर आने वाले हैं. इसमें आलिया भट्ट और रणबीर कपूर एक साथ नजर आएंगे. ऐसा पहली बार नहीं है, जब आलिया और रणबीर संजय लीला भंसाली के साथ काम करने वाले हैं. इससे पहले भी दोनों उनके साथ फिल्म कर चुके हैं.आलिया ने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में और रणबीर ने 'सांवरिया' फिल्म में संजय के साथ काम किया था. अब आलिया ने फिल्म को लेकर बात की और बताया कि वो अपने पति के लिए बेहद खुश हैं. इसके साथ ही उन्होंने रणबीर और संजय दोनों के साथ काम करने को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की. उन्होंने संजय के लिए कहा, मैं ऑडियंस के तौर पर इतने सालों के बाद उन्हें और रणबीर को फिर से साथ काम करते हुए देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं. मैं सोचती हूँ, 'वाह, ये कैसा होने वाला है.

'जिगरा' पर बात

'लव एंड वॉर' में विक्की कौशल भी दिखाई देंगे. आलिया ने रणबीर और विक्की की फिल्म 'संजू' को याद करते हुए कहा दोनों की जोड़ी को यूनिक केमिस्ट्री बताया. इसके अलावा आलिया ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' को लेकर भी बात की. उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर वासन बाला के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया. उन्होंने इसे खूबसूरत यादों से भरा हुआ समय बताया. इसके साथ ही आलिया ने बाला के डायरेक्शन की तारीफ की.

'जी ले जरा' को लेकर अपडेट

'जिगरा' में उनके साथ वेदांग रैना दिखाई देने वाले हैं. आलिया ने उनकी भी सराहना की. दोनों की फिल्म 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फिल्म को आलिया भट्ट ने प्रोड्यूस किया है. वहीं ये करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई जा रही है. इसके साथ ही उन्होंने 'जी ले जरा' में देरी के बारे में बात करते हुए कहा कि पूरी टीम चाहती है कि फिल्म जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज हो, लेकिन इसका कैनवास काफी बड़ा है.